THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 230 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.12 2082 रविवार, 16 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

बिहार में हार के बाद खड़गे के घर बैठक

राहुल गांधी भी मौजूद रहे, कांग्रेस बोली- चुनाव में गड़बड़ी हुई, 2 हफ्तों में सबूत देंगे

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसिया)। बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने शनिवार को दिल्ली में पहली समीक्षा बैठक बुलाई। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन मौजूद रहे।

बैठक में नेताओं ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की, संगठन की कमियों पर चर्चा की और आगे की रणनीति को लेकर सुझाव दिए। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अब समझने की कोशिश कर रही है कि बिहार में इतनी बड़ी हार क्यों हुई। बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है।

बिहार ने जाति की राजनीति को ठुकराया : मोदी

जिन लोगों को हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे

सूरत, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने सूरत एयरपोर्ट पर शनिवार को बिहार के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार ने हाल के विधानसभा चुनाव में जाति की राजनीति को ठुकरा दिया।

उन्होंने कहा, जिन लोगों को हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का टैलेंट दुनिया में हर जगह है। यहां के लोग दुनिया की राजनीति को समझते हैं। बिहार ने सांप्रदायिकता के जहर को ठुकरा दिया। एनडीए ने बिहार में 243 सीटों में से 202 जीती हैं।

इससे पहले वे पंडोरी माता के मंदिर गए। पंडोरी माता को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के आदिवासी समुदाय अपनी कुलदेवी मानते हैं। पीएम ने डेडियापाडा में 4 किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान आदिवासी समुदाय के हजारों लोग सड़क किनारे नजर आए। इसके बाद उन्होंने 9700 करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का टैलेंट दुनिया में हर जगह है। यहां के लोग दुनिया की राजनीति को समझते हैं। बिहार ने सांप्रदायिकता के जहर को ठुकरा दिया। ये लोग झूठ फैलाते थे। ये एमएमसी मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस में जो राष्ट्रवादी लोग जिन्होंने इंदिरा-राजीव गांधी के साथ किया वो ये नामदारों के साथ काम करना नहीं चाहते हैं। पीएम ने कहा, बिहार में सार्वजनिक कार्यक्रमों में गैरकानूनी तरीके से जमीन कब्जा करके वक्फ बना दिया जाता था। कर्नाटक में भी ऐसा ही हुआ। तब जाकर हमने वक्फ कानून बनाया। उन्होंने कहा, बिहार में ये जमानती नेता वक्फ कानून को फाड़ देते थे। कहते ते वक्फ कानून को लागू नहीं होने देंगे। बिहार के लोगों ने इस सांप्रदायिक जहर को भी विकास की राह पर चलके पूरी तरह से नकार दिया है।

बिरसा मुंडा के घर जाने वाला मैं पहला पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं देश का पहला पीएम हूं, जो भगवान बिरसा मुंडा के घर गया था।

उनके परिवार के लोगों के साथ मेरा मिलना जारी है। उन्होंने आगे कहा कि देश में 6 दशक तक राज करने वाली कांग्रेस ने आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ा था। यहां कुपोषण, स्वास्थ, सुरक्षा, शिक्षा का अभाव रहा।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती : अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा ने किया नमन

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। 'धरती आबा' के रूप में प्रसिद्ध भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर स्वतंत्रता आंदोलन और मातृभूमि की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प को नमन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा, भगवान बिरसा मुंडा जी केवल जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, आज पूरा देश हर्षोल्लास से उनकी 150वीं जयंती और 'जनजातीय गौरव दिवस' मना रहा है। उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर स्वतंत्रता आंदोलन और मातृभूमि की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प को नमन किया।

'आधार सिर्फ पहचान का दस्तावेज, नागरिकता का नहीं...'

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग का जवाब

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को केवल पहचान साबित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, नागरिकता साबित करने के लिए नहीं। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष संशोधन को लेकर उठी कानूनी बहस के बीच आयोग ने यह स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस संबंध में जरूरी निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आधार की कानूनी सीमाओं पर न्यायालय पहले ही स्पष्ट राय दे चुका है।

चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को ही स्पष्ट कर दिया था कि मतदाता सूची के अद्यतन के दौरान आधार कार्ड का उपयोग केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। इसके आधार पर आयोग ने 9 सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश जारी किए थे कि आधार को नागरिकता प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया निर्वाचन सूची में नाम जोड़ने या हटाने के दौरान पालन की जानी अनिवार्य है।

यह जवाब उस इंटरलोक्यूटरी आवेदन पर दिया गया, जिसमें अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने मांग की थी कि आधार का उपयोग केवल पहचान प्रमाण और प्रमाणिकरण के लिए ही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा था कि यह प्रक्रिया कानूनी धाराओं की भावना के अनुरूप ही होनी चाहिए। आयोग ने अदालत को आश्वस्त किया कि उसके सभी मौजूदा निर्देश इसी प्रावधान का पालन करते हैं।

चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि यूआईडीएआई ने अगस्त 2023 में जारी कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट कर दिया था कि आधार कार्ड ना तो नागरिकता का प्रमाण है, ना निवास का और ना ही जन्मतिथि का। आयोग ने कहा कि इसी ओएम का हवाला बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी दिया था, जिसमें कहा गया था कि जन्मतिथि साबित करने की जिम्मेदारी आधार धारक पर ही रहती है। आयोग ने बताया कि अदालत के आदेश और यूआईडीएआई दोनों ही स्पष्ट रूप से यह तय करते हैं कि आधार को सीमित भूमिका में ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक से श्रीनगर थाने में धमाका : 9 लोगों की मौत, 32 घायल

सैम्पल लेते समय अमोनियम नाइट्रेट में ब्लास्ट हुआ

श्रीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात करीब 11:22 बजे बड़ा धमाका हुआ। 9 लोगों की मौत हो गई है, 32 लोग घायल हैं। इनका 92 आर्मी बेस और स्कीम्स सौरा हॉस्पिटल में इलाज जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, ब्लास्ट उस समय हुआ जब पुलिस व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल मामले में जब्त विस्फोटक के सैंपल ले रही थी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पुलिस स्टेशन में पूरा 360 किलो विस्फोटक रखा गया था या फिर कुछ हिस्सा ही लाया गया था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने कहा कि, यह एक हादसा था। सैंपलिंग के वक्त ब्लास्ट हुआ। मारे गए 9 लोगों में से एक इंस्पेक्टर, 3 फॉरेंसिक टीम मेंबर, 2 क्राइम ब्रांच फोटोग्रॉफर, 2 राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल है।

'श्रद्धालुओं के भरोसे को करेंगे बहाल'

सबरीमला सोना चोरी मामले पर बोले टीडीबी के नए अध्यक्ष

तिरुवनंतपुरम, 15 नवंबर (एजेंसियां)। त्रावणकोर देवासम बोर्ड के नए अध्यक्ष के. जयकुमार ने शनिवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाला प्रशासनिक पैनल श्रद्धालुओं के भरोसे को बहाल करने और उसे बनाए रखने के लिए कदम उठाएगा। के. जयकुमार ने अगले दो साल के लिए बोर्ड के अध्यक्ष पद की शपथ ली। जयकुमार ने कहा कि वह बोर्ड के काम में आ रही दिक्कतों को जानते हैं और यह उनकी निजी ताकत है, जिससे वह आगे बढ़ सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने कहा कि मैं इन मुद्दों पर कार्रवाई करूंगा। सबरीमला में के सोने की चोरी जैसे हालिया विवादों के सवाल पर उन्होंने कहा कि बोर्ड के प्रशासन में किसी भी अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, यह सच है कि विश्वास की कमी है। इसमें कोई शक नहीं है कि हर दिन आने वाली खबरें भक्तों के मन को गहरा दुख पहुंचाती हैं।

साइबर ठगी केस में दो एसआई निलंबित

देवास, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देवास में साइबर ठगी के एक मामले में आरोपियों से बड़े पैमाने पर लेनदेन कर उन्हें संरक्षण देना कमलापुर थाने के तत्कालीन प्रभारी और चापड़ा पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी को भारी पड़ गया। शिकायत मिलने के बाद एसपी पुनीत गेहलोद ने दोनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया। मामले की जांच कन्नौद एएसपी सौम्या जैन को सौंपी गई है। सूत्रों के अनुसार, कमलापुर थाना क्षेत्र के चापड़ा पुलिस सहायता केंद्र पर एक युवक ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

जांच के दौरान कमलापुर थाना प्रभारी उपेंद्र नाहर और चापड़ा केंद्र प्रभारी राकेश नरवरिया आरोपियों तक पहुंच तो गए, लेकिन इस बीच दोनों ने उनसे बड़ी राशि का लेनदेन कर उन्हें संरक्षण दिया। शिकायत एसपी तक पहुंचने के बाद प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि होती दिखी। इसी के चलते कुछ दिन पहले ही थाना प्रभारी नाहर को कमलापुर से हटाकर कन्नौद भेजा गया था। अब दोनों एसआई नाहर और नरवरिया को निलंबित कर दिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बिहार के बाद गर्म हुई बंगाल की राजनीति

भाजपा ने किया जीत का दावा, तो टीएमसी ने कुछ इस अनोखे अंदाज में दिया जवाब

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

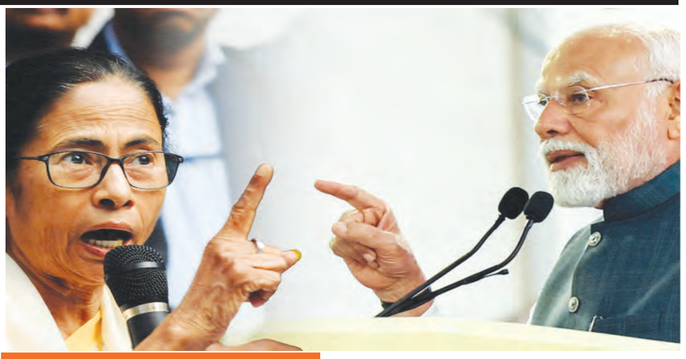

कल का दिन बिहार की राजनीति के लिए बहुत अहम रहा। एनडीए ने विधानसभा चुनाव में एक प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज की। कुल मिलाकर एनडीए को 243 में 202 सीटों पर जीत मिली। ऐसे में अब सभी पार्टियों की नजरें अगले साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर हैं। बिहार में एनडीए की शानदार जीत के बाद भाजपा ने पहले ही पश्चिम बंगाल में अपनी जीत का एलान कर दिया है।

इससे पहले शाम को अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने भी बंगाल चुनाव में ऐसी ही प्रचंड बहुमत से जीत का दावा किया। अब ऐसे में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भाजपा के इस दावे का मजाक उड़ाया। पार्टी ने दावे के बाद एक वायरल वीडियो शेयर किया। वीडियो में एक लड़का कहता है, 'सपने देखना अच्छी बात है'। टीएमसी ने इस कटाक्ष के माध्यम से इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के ये दावे सिर्फ सपने भर हैं।

पहले भाजपा ने किया था पोस्ट

बिहार में जीत से उत्साहित भाजपा ने पश्चिम पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह का प्रदर्शन दोहराने का दावा किया है। पार्टी के राज्य इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीन शब्दों का संदेश पोस्ट किया, जिसमें लिखा था 'अगला पश्चिम बंगाल'। इतना ही नहीं गिरिराज सिंह समेत कई भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने से भी संकेत दिया कि बंगाल में भी पार्टी की जीत का सिलसिला जारी रहेगा।

बंगाल पर भाजपा की नजर

गौरतलब है कि भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में अपने पिछले चुनाव के सर्वोत्तम प्रदर्शन पर भरोसा कर रही है। 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 294 सीटों में से 77 सीटें जीती थीं, जो अब तक का उनका सर्वोच्च प्रदर्शन था। वहीं, तृणमूल ने 215 सीटों के साथ सरकार बनाई थी। अब ऐसे में पार्टी का लक्ष्य अगले साल होने वाले चुनाव में एक बार फिर भारी बहुमत हासिल कर ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से हटाना है।

एमपी में बच्चों की मौत के बाद एक्शन

भोपाल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा में कथित तौर पर कोल्डरिफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद मध्यप्रदेश में दवा निर्माण व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। इसी के बाद प्रदेश की सभी 32 सिरप निर्माण कंपनियों की व्यापक जांच शुरू हुई। अब तक 7 कंपनियों की जांच पूरी की जा चुकी है, जिनमें गंभीर खामियां मिलीं। छिंदवाड़ा में हुई बच्चों की मौत के बाद प्रदेशभर में कफ सिरप उत्पादन सेंटर की जांच शुरू की गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एमपीएफडीए) ने केंद्रीय औषधि विभाग सब-जोन इंदौर के साथ मिलकर राज्य की सभी 32 कंपनियों की जांच का अभियान शुरू किया। शुरुआती चरण में 7 कंपनियों की जांच पूरी हुई, जहां कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

जांच में पाया गया कि कई कंपनियां दवा निर्माण के मानकों का पालन नहीं कर रही थीं। इसके आधार पर पांच कंपनियों को नोटिस जारी कर उत्पादन रोका गया है। इंदौर की फर्म मेसर्स एडकॉन लैब ने दवा निर्माण की अनुमति स्वयं सरेंडर कर दी, जिसके बाद उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया गया।

15 करोड़ की कोकीन मिलते ही हड़कंप

डोंगरी पुलिस ने इथियोपिया कनेक्शन खोला

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई की डोंगरी पुलिस ने इथियोपिया से हवाई मार्ग के जरिए लाई गई 15 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद करते हुए ड्रग्स तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने चेन्नई की जेल में बंद तीन आरोपियों को हिरासत में लिया, जो पहले से ही एनसीबी के ड्रग्स केस में गिरफ्तार होकर जेल में थे।

एनसीबी ने इन तीनों को ड्रग्स के साथ पकड़ा था, लेकिन वह कोकीन जो मुंबई लाई गई थी, अभी तक नहीं मिल पाई थी। डोंगरी पुलिस को मिली गुप्त सूचना पर 2 सितंबर 2025 को कार्रवाई की गई, जिसमें पुलिस ने शबीना गेस्ट हाउस के एक कमरे से 3 किलोग्राम कोकीन बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। जांच में पता चला कि यह वही खेप थी जो इथियोपिया से एयर रूट के जरिए मुंबई लाई गई थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तरुण कपूर (हिमाचल प्रदेश), साहिल अत्तारी (उत्तराखंड) और हिमांशु शाह (हिमाचल प्रदेश) के रूप में हुई है।

गैंग की तलाश शुरू

तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह गैंग इथियोपिया में किन लोगों के संपर्क में था और भारत में किनके साथ मिलकर ड्रग्स का अवैध कारोबार चलाता था। यहां बता दें कि मुंबई में ड्रग्स पेडलर नेटवर्क को तोड़ने के लिए मुंबई पुलिस लगातार ऑपरेशन चला रही है, लेकिन बावजूद इसके अभी भी बड़े पैमाने पर अह काला कारोबार जारी है।पिछले दिनों भी एअरपोर्ट पर एक श्रीलंका नागरिक के पास से करोड़ों की ड्रग्स पकड़ी गयी थी,जो कॉफी पैकेट में छिपाकर लायी जा रही थी। उसमें भी पुलिस को नेटवर्क का मास्टर माइंड नहीं मिला था। और एक बार फिर कोकीन की बरामदगी के बावजूद बड़ी मछलियां गिरफ्त से दूर हैं।

गुजरात एटीएस ने किया आईएसआई की साजिशों को नाकाम

पंजाब के लिए वांछित आतंकी को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

गुजरात से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जिस पर पंजाब पुलिस ने हथियारों की तस्करी और आतंकवादी हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया है। एटीएस ने अपने बयान में कहा कि गिरफ्तार शख्स का नाम गुरप्रीत सिंह, जिसे गोपी बिल्ला के नाम से भी जाना जाता है। उसे पंचमहल जिले के हलोल शहर से गिरफ्तार किया गया। इस बात की जानकारी पंजाब पुलिस ने एटीएस को साझा की थी। एटीएस के बयान में आगे बताया गया कि गुरप्रीत सिंह को पंजाब पुलिस को सौंपा जाएगा। हाल ही में पंजाब के गुरदासपुर जिले में कुछ लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे, जिन पर ग्रेनेड विस्फोट और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी नेटवर्क की मदद करने का आरोप है।

प्रारंभिक जांच में ये बातें आई सामने

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस मामले के मुख्य आरोपी मनु अगवान और मनींदर बिल्ला फिलहाल मलेशिया में हैं। वे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर पंजाब में आतंक फैलाने के लिए लोगों की भर्ती कर रहे थे। उनका लक्ष्य पंजाब और अन्य राज्यों के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ग्रेनेड हमला कर आतंक फैलाना था।

पंजाब पुलिस को पूछताछ में मिली जानकारी

पंजाब पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार किए गए दो अन्य आरोपियों से पूछताछ के दौरान गुरप्रीत सिंह की भूमिका के बारे में जानकारी पाई। वह दो ग्रेनेड और दो पिस्तौल तस्करी करने और हमलों की साजिश में शामिल था। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद एटीएस की टीम हलोल पहुंची और पता चला कि गुरप्रीत सिंह एक फैक्ट्री में मजदूर का काम कर रहा था। उसे होटल से गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ के लिए ले जाया गया। पूछताछ में गुरप्रीत सिंह ने ग्रेनेड हमले की साजिश में अपनी भूमिका कबूल कर ली।

भ्रष्टाचार के मामले में गोहाना तहसीलदार पर गिरी गाज, सरकार ने डिमोट करके बना दिया नायब तहसीलदार

सोनीपत, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए गोहाना के तहसीलदार जीवेंद्र मलिक को नायब तहसीलदार पद पर डाउनग्रेड कर दिया है। गुरुग्राम में नायब तहसीलदार रहते हुए उनके खिलाफ एक मामले में चार्जशीट दायर की गई थी, जिसके आधार पर रूल-7 के तहत यह कार्रवाई की गई है। सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। अब वह सेवानिवृत्ति तक नायब तहसीलदार पद पर ही रहेंगे।

जानकारी के अनुसार, जीवेंद्र मलिक पटवारी रहते हुए रिश्वतखोरी के एक मामले में गिरफ्तार हुए थे। निचली अदालत ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्होंने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की, जो अभी विचाराधीन है। सरकारी कार्रवाई उसी मामले के आधार पर आगे बढ़ाई गई है।

'देश की सुरक्षा के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ कैसे'

नौगाम ब्लास्ट के बाद केजरीवाल ने पूछे सवाल

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात करीब 11.20 पर हुए एक घातक विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और करीब 32 लोग घायल हो गए। सुरक्षाकर्मियों ने थाने के आसपास के इलाके की घेर लिया है और जांच की जा रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने इस घटना को हादसा बताया है। विस्फोट के कारणों की जांच अभी जारी है। वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस घटना पर गहर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने सरकार से कई सवाल किए हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'देर रात श्रीनगर के एक पुलिस स्टेशन में हुए बम धमाके की ख़बर बेहद दुखद और चिंता बढ़ाने वाली है। कई बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हो गए और कई घायल हैं। परमात्मा शहीदों के परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें और घायलों को जल्द स्वस्थ करें। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। लेकिन सरकार से ये सवाल जरूरी है...आखिर देश में ये हो क्या रहा है? दिल्ली धमाके की गूंज अभी थमी भी नहीं थी और देश फिर एक धमाके से दहल गया। सरकार, सुरक्षा एजेंसियां, खुफिया तंत्र और गृह मंत्री आखिर क्या कर रहे हैं? देश की सुरक्षा के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ कैसे और क्यों होने दिया जा रहा है? देश जवाब चाहता है।'

जम्मू कश्मीर डीजीपी नलिन प्रभात ने बताया कि नौगाम का धमाका सिर्फ हादसा था। नौगाम थाने के बाहर अमोनियम नाइट्रेट रखा था, सैंपलिंग के दौरान विस्फोट हो गया। सैंपलिंग प्रक्रिया दो दिन से चल रही थी। हादसा कैसे हुआ, किसकी गलती से ब्लास्ट हुआ इसकी जांच की जा रही है।

विलुप्त गिद्ध भोजन की तलाश में

नैनीताल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में पाए जाने वाले गिद्ध भोजन की तलाश में एक हजार किलोमीटर तक की दूरी तय कर रहे हैं। सीटीआर और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के एक शोध में इस बात का चला है। शोध में गिद्धों की संख्या बढ़ने की भी संभावना भी जताई गई है। भोजन के लिए कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से निकलकर गिद्ध नेपाल तक की यात्रा कर रहे हैं।

देश से विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुके गिद्धों के संरक्षण के लिए सीटीआर ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साथ मिलकर एक शोध शुरू किया था। इसके लिए विगत वर्ष कॉर्बेट पार्क में झुंड में रहने वाले लगभग पांच गिद्धों पर रेडियो टैगिंग लगाए गए थे। इससे गिद्धों के रहन-सहन और बर्ताव के विषय में जानकारी मिल रही है। शोध में पता चला की कॉर्बेट पार्क के गिद्ध भोजन की तलाश में हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं। टैगिंग में सीटीआर से निकले गिद्धों की लोकेशन राजाजी नेशनल पार्क से लेकर सुदूर नेपाल तक मिली है। पक्षी प्रेमी एजी अंसारी ने बताया कि कॉर्बेट के आसपास पाए जाने वाले गिद्ध खुले मैदानी क्षेत्रों व आबादी के पास स्थित नदी किनारों में रहना पसंद करते हैं। बताया कि गिद्धों को भोजन की तलाश में आम तौर पर चार सौ से पांच सौ किलोमीटर दूरी तय करते हुए देखा गया है। शोध में गिद्धों के एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी करने का पता चला है।

'मकान मत गिराओ'

आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई पर बोलीं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने दिल्ली बम विस्फोट में लिप्त आतंकियों व उनके सफेदपोश मॉड्यूल के सदस्यों के मकान गिराए जाने व उनके परिजनों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में धमाका करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ,लेकिन उनके मकान गिराना, उनके अन्य परिजनों का जिनका इस घटना से कोई वास्ता नहीं हैं, सही नहीं है। पुलिस द्वारा जिस तरह से बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है, उससे लोगों में डर पैदा हो गया है। उल्लेखनीय है कि लाल किले के पास विस्फोट में लिप्त आतंकी डॉ। उमर नबी का कोइल पुलवामा स्थित मकान गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि को एक विस्फोट में ध्वस्त किया गया है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीडीपी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई के खिलाफ नहीं है, जो वास्तव में इस आतंकी कृत्य में शामिल हैं, लेकिन जिस तरह से छापामारी और गिरफ्तारियों का सिलसिला शुरू किया गया है, उससे लोगों में डर है। उन्होंने शामिल हैं, लेकिन व्यापक कार्रवाई आम नागरिकों में भय पैदा कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी कि 'कानून अपना काम करेगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी' का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी कार्रवाई कानूनी दायरे के भीतर में होनी चाहिए। दोषियों को सजा मिले, लेकिन जो निर्दोष हैं, उन्हें प्रताड़ित नहीं किया जाना चहिए। उन्होंने आतंकियों के घरों को गिराए जाने की निंदा करते हुए कहा कि उनके किए की सजा उनके निर्दोष परिजनों को नहीं दी जानी चाहिए।

उन्होंने दिल्ली बम विस्फोट में लिप्त आतंकी तत्वों के दोस्तों और परिचितों की अंधाधुंध गिरफ्तारी की भी निंदा करते हुए कहा कि यह गैरकानूनी है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी कहा कि आतंकियों के मकानों को गिराने से आतंकवाद खत्म नहीं होगा बल्कि लोगों में आक्रोश बढ़ेगा। उन्होंने आतंकी डॉक्टर गुलाम नबी के पुलवामा स्थित मकान को गिराए जाने पर बोलते हुए कहा कि इससे आतंकवाद समाप्त नहीं होगा।

ऐसे काम आतंकवाद के मूल कारणों को दूर करने में विफल रहते हैं और निर्दोष नागरिकों को मुख्यधारा से विमुख करने का खतरा पैदा करते हैं।

बीजेपी नेता का शव मिलने से हड़कंप

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के गंगापुर की घटना

छत्रपति संभाजीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर के गंगापुर में नरवाड़ी शिवार में बीजेपी नेता का शव मिलने से हड़कंप मचा है। मृतक की पहचान बीजेपी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष और भालगांव निवासी गणेश रघुनाथ टेमकर के रूप में हुई है।

हदियाबाद-नरवाड़ी मार्ग पर नलकांडी पुल के पास टेमकर का शव मिला। घटना की जानकारी सरपंच आसिफ पटेल और गौरव विधाटे ने गंगापुर पुलिस को दी। पोलिस निरीक्षक कुमारसिंह राठौड़ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को एम्बुलेंस से उपजिला अस्पताल में भेजा। फिलहाल टेमकर की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। गंगापुर पुलिस में मामल दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टरों ने घोषित किया शख्स को मृत

सरपंच आसिफ पटेल और गौरव विधाते ने बताया कि उन्होंने सड़क से गुजरते समय दुर्गंध आने पर आस-पास देखा तो किनारे पर झाड़ियों में एक शख्स को पड़े देखा। उन्होंने अपने साथियों को गाड़ी लेकर बुलाया और शख्स को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक जांच में ही डॉक्टरों ने उस शख्स को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि शख्स की मौत पहले ही हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मौके से मिले दस्तावेज और न्यूज फ्लैश होने के बाद मृतक की पहचान हुई। परिजन और समर्थक मौके पर पहुंचे। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम होने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

'जो जीता वही सिकंदर'

महागठबंधन की हार पर बोलीं सुप्रिया सुले, जानें नीतीश कुमार को लेकर क्या कहा

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है और इसके साथ ही बीजेपी ने भी इतिहास रच दिया है। बिहार चुनाव में इस बार बीजेपी 89 सीटें जीतने में कामयाब रही है, जबकि जदयू को 85 सीटें मिली हैं। वहीं, महागठबंधन 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया। इसी बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) की नेता और सांसद सुप्रिया सुले का भी बयान सामने आया है। बिहार चुनाव में एनडीए की जीत पर एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने बधाई दी। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जो जीता वही सिकंदर। उन्होंने कहा कि मैं नीतीश कुमार को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई देती हूं और हम अपनी हार का विश्लेषण करेंगे।

'जीत का असली श्रेय नीतीश कुमार को जाता है'

सुप्रिया सुले ने कहा कि बिहार में मिला एकतरफा जनादेश सभी के लिए हैरान करने वाला है, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस बड़ी जीत का असली श्रेय निवर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में जीत और हार हमेशा चलती रहती है। मैं नीतीश कुमार को इस शानदार जनादेश के लिए दिल से बधाई देती हूं। उन्होंने माना कि इस चुनाव में राजग ने विपक्षी गठबंधन से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।

'नीतीश कुमार ने ही पूरे चुनाव अभियान को आगे बढ़ाया'

एनसीपी-एससीपी नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर नीतीश कुमार पर भरोसा दिखाया है और मौजूदा नतीजों से यह बात साफ दिखती है। उनका कहना था कि नीतीश कुमार ने ही पूरे चुनाव अभियान को आगे बढ़ाया और इसलिए यह जीत मुख्य रूप से उनकी है। उन्होंने आगे कहा कि कई सर्वे कह रहे थे कि बिहार चुनाव में इस बार कड़ा मुकाबला होगा। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव कवर करने वाले कई पत्रकारों और प्रचार में काम कर रहे लोगों ने मुझे बताया कि बिहार के लोगों में नीतीश कुमार के लिए काफी सम्मान और प्यार है।

10.77 लाख खाताधारक 352 करोड़ रुपये जमा करा कर भूले, आरबीआई के विशेष फंड में जमा हुआ पैसा

शिमला, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बैंकों में 10.77 लाख खाताधारक 352 करोड़ रुपये जमा करवाकर भूल गए। बीते दस वर्षों से अधिक समय से बिना किसी लेन-देन के ये खाते अब निष्क्रिय श्रेणी में डाल दिए गए हैं। बैंकिंग नियमों के अनुसार वर्षों तक कोई दावा या गतिविधि न होने पर जमा राशि को भारतीय रिजर्व बैंक के विशेष फंड में ट्रांसफर कर दिया गया है। एसबीआई में सर्वाधिक 119 करोड़, पीएनबी में 69 और यूको बैंक में 36 करोड़ मिले हैं। आंकड़े दर्शाते हैं कि लोगों ने लंबे समय तक अपने खातों को अपडेट नहीं कराया, वहीं कई खाते ऐसी परिस्थितियों में निष्क्रिय हो गए जब खाताधारक स्थानांतरित हुए, बैंक बदल गए या पूरी तरह खाते को भूल बैठे। अब इस धनराशि को उनके हकदारों तक पहुंचाने के लिए राज्य स्तरीय बैंकर समिति ने प्रदेश में विशेष अभियान चलाया है।

बैंकों की टीमें खाताधारकों के पते, पुराने दस्तावेज, मोबाइल नंबर, नजदीकी शाखाओं से जुड़े रिकॉर्ड और आधार सत्यापन के आधार पर खाताधारकों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। जिलावार विश्लेषण में कांगड़ा सबसे आगे है, जहां 2.25 लाख निष्क्रिय खातों में 74.77 करोड़ रुपये जमा मिले हैं। इसके बाद शिमला, मंडी और सोलन जैसे बड़े जिलों में भी बड़ी संख्या में निष्क्रिय खाते पाए गए हैं, जिनमें करोड़ों रुपये मिले हैं। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और वह राशि वापस दिलाना है, जिस पर उनका हक है।

रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल सरकार के विभिन्न विभागों के 9,456 खाते भी लंबे समय से निष्क्रिय पड़े हैं, जिनमें 26.72 करोड़ जमा पाए गए। इन खातों में कई योजनाओं, विभागीय खर्चों या कार्यालयी गतिविधियों के तहत खोले गए खाते शामिल हैं, जिन्हें समय के साथ अपडेट नहीं किया गया। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के अभियान का असर भी दिख रहा है। अक्तूबर में 1,026 खाताधारकों की पहचान कर उन्हें उनके निष्क्रिय खातों से जुड़ी कुल 7.95 करोड़ रुपये की राशि लौटाई गई है। इस सफलता के बाद समिति ने नवंबर और दिसंबर में भी अभियान को तेज करने की रणनीति बनाई है।

सुविचार: अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

तेलंगाना 2030 तक भारत की 'एयरो-इंजन राजधानी' के रूप में उभरेगा : श्रीधर बाबू

मंत्री ने आईएसबी शिखर सम्मेलन में भाग लिया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना 2030 तक भारत की 'एयरो-इंजन राजधानी' बनने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) में आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत का सशक्तिकरण: भारत का एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण शिखर सम्मेलन' में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अग्रणी उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी एयरोस्पेस और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों द्वारा की गई मूलभूत पहलों ने तेलंगाना को एक रणनीतिक रक्षा केंद्र के रूप में विकसित होने में सक्षम बनाया है, जिससे राज्य को एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में लाभ मिला है। मंत्री ने कहा कि दुनिया भर में तेजी से हो रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रम और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों ने देशों को भारत जैसे विश्वसनीय और भरोसेमंद भागीदारों की ओर आकर्षित किया है, और तेलंगाना इस बदलाव का ध्यान और तैयारी के साथ लाभ उठाने का इरादा रखता है।

उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन पिछले साल 1.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, जबकि रक्षा निर्यात में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि ये रुझान भारत की क्षमताओं में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाते हैं। तेलंगाना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत, सरकार 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य में एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में एकीकृत कर रही है। राज्य में वर्तमान में 25 से अधिक प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ए एंड डी कंपनियां और 1,500 से अधिक एमएसएमई हैं जो वैश्विक बाजारों में तेलंगाना ब्रांड को मजबूत कर रहे हैं। तेलंगाना का एयरोस्पेस निर्यात 2023-24 में 15,900 करोड़ रुपये था, और 2024-25 के पहले नौ महीनों में ही बढ़कर 30,742 करोड़ रुपये हो गया, जो इस क्षेत्र के त्वरित विकास को दर्शाता है। श्रीधर बाबू ने उन प्रमुख निवेशों पर प्रकाश डाला जो राज्य की विनिर्माण क्षमता का विस्तार कर रहे हैं। आदिबटला में 425 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित टाटा-सफ्रान एयरो-इंजन सुविधा हाल ही में चालू हुई है।

राज्य में जल्द ही जेएसडब्ल्यू डिफेंस यूएवी निर्माण इकाई (800 करोड़ रुपये) और प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स की नई रक्षा उत्पादन सुविधा (500 करोड़ रुपये) चालू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि कई अन्य वैश्विक कंपनियां तेलंगाना में निवेश के लिए उन्नत चर्चाओं में हैं। इस शिखर सम्मेलन में हीरो एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील कांत मुंजाल, आईएसबी के डीन प्रो.पी. मदन, प्रो. चंदन चौधरी और उद्योग एवं शिक्षा जगत के अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए।

इंटरमीडिएट छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत

करीमनगर, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैदापुर मंडल के शिवरामपल्ली में शनिवार को इंटरमीडिएट की एक छात्रा रेड्डी अर्चना (17) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीणों के अनुसार, अर्चना सोमाराम मॉडल स्कूल में इंटरमीडिएट की छात्रा थी। शुक्रवार को परीक्षा देकर घर लौटने के बाद वह सामान्य और खुश दिख रही थी तथा परिवार के साथ समय बिताया। शनिवार सुबह परिवार के सदस्यों ने उसे घर में मृत पाया। अर्चना रेड्डी राजू और लावण्या की दूसरी बेटी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया। घटना की जांच जारी है।

ट्रांसजेंडर और यौनकर्मियों को गिरफ्तार किया गया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) ने रात्रिकालीन छापेमारी की जिसके परिणामस्वरूप एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के दौरान (5) ट्रांसजेंडर और (22) यौनकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। 4 पीड़ितों को बचाया गया और तीन पीआईटीए मामलों में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त, महिला एवं बाल सुरक्षा शाखा, साइबराबाद के. सृजना ने बताया कि साइबराबाद शी टीमों ने 140 फर्जी अभियान चलाए और 87 व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकतें करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। 82 मामलों में मामूली मुकदमे दर्ज किए गए और शेष व्यक्तियों को परामर्श दिया गया।

शी टीमों को विभिन्न माध्यमों से महिला पीड़ितों से 14 शिकायतें भी प्राप्त हुईं। परिवार परामर्श केंद्रों/ सीडीईडब्लू केंद्रों में पति-पत्नी के पारिवारिक विवादों में फंसे 28 परिवारों को फिर से मिलाने का प्रयास किया गया।

निवारक और जागरूकता उपायों के तहत, एएचटीयू और शी टीमों ने साइबराबाद में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए और लगभग 304 सदस्यों ने भाग लिया। उन्हें मानव तस्करी और (बाल तस्करी), छेड़छाड़, सोशल मीडिया उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल अधिकार, बाल श्रम, पीछा करना, भीख मांगना, साइबर बदमाशी, साइबर धोखाधड़ी आदि के बारे में जागरूक किया गया।

आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल में 'जागृत युवा- अपने मस्तिष्क को प्रशिक्षित करें' कार्यक्रम का समापन

बच्चों और शिक्षकों को अद्भुत सकारात्मक बदलाव दिखा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जागृत युवा मिशन के अंतर्गत आयोजित 'अपने मस्तिष्क को प्रशिक्षित करें' कार्यक्रम के 14 सत्रों का समापन समारोह आज कसरहट्टा स्थित आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल में आयोजित किया गया। बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समापन सत्र के दौरान, शिक्षकों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बच्चों के व्यवहार, आचरण, अनुशासन और पढ़ाई में रुचि में स्पष्ट सकारात्मक बदलाव देखे गए। शिक्षकों ने कहा कि इस कार्यक्रम ने बच्चों के विचारों को बदल दिया है और उनमें नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार किया है। इस अवसर पर दो-तीन अन्य स्कूलों के शिक्षक और प्रधानाध्यापिकाएं भी उपस्थित थीं और उन्होंने कार्यक्रम की प्रशंसा की। मारवाड़ी हिंदी विद्यालय ने विशेष रूप से, आगामी सत्र में इसे अपने विद्यालय में लागू करने की इच्छा व्यक्त की, जो इस कार्यक्रम की प्रभावशीलता का प्रमाण है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, डॉ. राजश्री सोनी (आयुर्वेद एवं समग्र प्रशिक्षक) ने बच्चों के लिए विशेष रूप से सरल भाषा में समझाया कि विचार और भावनाएं हमारे स्वास्थ्य, संबंधों, धन प्रवाह और सपनों की पूर्ति को प्रभावित करती हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही हम अपने मन में सही भावनाएं स्थापित करते हैं, हमारा जीवन बदलने लगता है- और यही सभी 14 सत्रों के पीछे का विज्ञान था। श्रीमती शीला तपारिया ने बच्चों को सिखाया कि 'जीवन में प्रगति केवल जीवित रहने की भावना से रचनात्मक भावना की ओर बढ़ने से ही संभव है'। स्मिता दिव्या गट्टानी ने मजाकिया ढंग से समझाया कि सही खेल और गतिविधियां बच्चों के मन पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। पीएसएसएम सोसाइटी की उपाध्यक्ष एन. माधवी ने सरल उदाहरणों के माध्यम से पिरामिड और ध्यान के महत्व को समझाया और कार्यक्रम की प्रशंसा की। कार्यक्रम से प्रभावित होकर, विद्यालय की प्रधानाचार्या रितु ने घोषणा की कि इस व्यापक प्रशिक्षण पद्धति को विद्यालय में स्थायी रूप से अपनाया जाएगा, जिससे बच्चों के समग्र विकास के लिए एक स्थायी आधार तैयार होगा। कार्यक्रम में अधिवक्ता दामोदर मूंदड़ा, किशन गोपाल जाजू, महेश शर्मा, बृज गोपाल कडेल, संपत तोषनीवाल, प्रेमलता राठी, इंदिरा पांडे, विष्णु कांता, मधुबाला मूंदड़ा, मोनिका शर्मा, उमा असोपा, विशाल झावर, मोनिका झावर आदि उपस्थित रहे। आंध्र प्रदेश स्वास्थ्य समिति की समन्वयक डॉ. राजश्री सोनी, पूजा बंग, अरुणा मालपानी, भावना बलदावा और वीना काबरा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए स्कूल बैग और पिरामिड कैप वितरित किए। शिक्षिका सावित्री ने बच्चों में देखे गए सकारात्मक बदलावों और अपने भीतर अनुभव किए गए बदलावों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य और दृष्टिकोण में भी सुधार किया है। 'अपने मस्तिष्क को प्रशिक्षित करें' कार्यक्रम ने आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल में शिक्षण और अधिगम को एक नई दिशा प्रदान की है। बच्चों के मन, भावनाओं और व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव ने इसे एक सफल और प्रेरक मिशन बना दिया है।

तेलंगाना-उत्तर पूर्व कनेक्ट उत्सव दो चरणों में

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उत्तर पूर्व कनेक्ट, एक तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव, 20 नवंबर से हैदराबाद के हाईटेक्स में दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, चरण-I (20-22 नवंबर, हाईटेक्स में) उत्सव 20 नवंबर को शाम 5.30 बजे हॉल I और हॉल II के बीच खुले क्षेत्र में शुरू होगा। तेलंगाना के राज्यपाल और मुख्यमंत्री, त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपालों और तेलंगाना के मंत्रियों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में(क) फोटो और पेंटिंग प्रदर्शनियां, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बिक्री काउंटर, नाटक, संगीत, नृत्य और फैशन शो, महिला सशक्तिकरण पर पैनल चर्चाएं और साहित्य पर चर्चाएं शामिल हैं। 22 नवंबर को शाम 5.30 बजे समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। तेलंगाना और पूर्वोत्तर राज्यों से कुल 600 प्रतिभागी इसमें भाग लेंगे। दूसरे चरण का महोत्सव 25 से 27 नवंबर तक राजभवन में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन सत्र 25 नवंबर को शाम 5.30 बजे राजभवन के लॉन में होगा, जबकि 26 नवंबर को स्वास्थ्य क्षेत्र पर केंद्रित पैनल चर्चाएं होंगी। समापन समारोह 27 नवंबर को होगा। तेलंगाना के राज्यपाल और मुख्यमंत्री, तथा कई पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री इसमें भाग लेंगे। लगभग 500 आमंत्रित अतिथियों और अधिकारियों के आने की उम्मीद है।

कविता ने केटीआर और हरीश राव की आलोचना की

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष कल्वाकुंतला कविता ने शनिवार को "जागृति जन्म बता" कार्यक्रम के तहत मेदक जिले के अपने दौरे के दौरान पूर्व मंत्रियों के.टी. रामाराव और टी. हरीश राव सहित कई बीआरएस नेताओं पर तीखा हमला बोला। एक सभा को संबोधित करते हुए, कविता ने आरोप लगाया कि बीआरएस सोशल मीडिया तक सीमित हो गई है, और उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स उपचुनाव में पार्टी की हार का कारण यही था। उन्होंने अपने भाई केटीआर को सोशल मीडिया से बाहर निकलकर लोगों से मिलने की सलाह दी। उन्होंने दावा किया, बीआरएस के हजारों कार्यकर्ता पहले से ही हमारे संपर्क में हैं। हमारा लक्ष्य सामाजिक तेलंगाना हासिल करना है। इसके अलावा, उन्होंने टिप्पणी की कि बीआरएस नेताओं ने कार्यकर्ताओं को मजबूत करने के बजाय अपनी निजी संपत्ति बढ़ा ली है, और जोर देकर कहा कि जागृति अपने पिता और पार्टी प्रमुख के. चंद्रशेखर राव से प्रेरणा लेकर तेलंगाना में मुख्य विपक्ष के रूप में काम करेंगी। कविता ने पिछली बीआरएस सरकार पर हरीश राव, गंगुला कमलाकर और नवीन राव जैसे वरिष्ठ पार्टी नेताओं को फायदा पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के संरेखण में बदलाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरसापुर के पूर्व विधायक मदन रेड्डी कौड़ीपल्ली एसटी लड़कों के छात्रावास के नाम पर 1.5 लाख रुपये किराया वसूल रहे थे और वर्तमान कांग्रेस सरकार से छात्रावास को तुरंत स्थानांतरित करने का आग्रह किया। आरआरआर परियोजना के लिए ज़मीन गंवाने वाले किसानों को 1 करोड़ रुपये प्रति एकड़ मुआवज़ा देने की माँग करते हुए, उन्होंने कहा कि अगर आर्थिक राहत संभव नहीं है, तो जमीन के बदले ज़मीन का मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर, जागृति नेता ने पूर्व उपसभापति पद्मा देवेंद्र रेड्डी की 'पार्टी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा' करने के लिए आलोचना की। कालेश्वरम परियोजना का जिक्र करते हुए, कविता ने कहा कि मेदक जिले में 1.5 लाख एकड़ जमीन पर 'पानी की एक बूंद' भी नहीं पहुंची है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य बनने के 12 साल बाद भी यह ज़िला उपेक्षित बना हुआ है।

हैदराबाद में सप्ताहांत पर्यटन अर्थव्यवस्था पर भारत का पहला सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने तेलंगाना पर्यटन विभाग, एनआईटीएचएम, अतुल्य भारत और प्रमुख रिसॉर्ट समूहों के सहयोग से शनिवार को यहां गच्चीबावली स्थित एनआईटीएचएम में सप्ताहांत पर्यटन अर्थव्यवस्था के निर्माण पर भारत का पहला सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन तेलंगाना पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक वल्लुरु क्रांति ने एफटीसीसीआई नेतृत्व और उद्योग प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। मुख्य भाषण देते हुए, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जयेश रंजन ने कहा कि 25 लाख से अधिक आईटी और लाइफ साइंसेज कर्मचारियों द्वारा बार-बार छोटे अवकाश की मांग के कारण सप्ताहांत पर्यटन प्रमुखता प्राप्त कर रहा है। उन्होंने उद्योग जगत से तेलंगाना की नई पर्यटन नीति 2025-2030 का लाभ उठाने और थीम आधारित पर्यटन अनुभव विकसित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर, क्रांति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अकेले हैदराबाद में लगभग दस लाख आईटी पेशेवर सप्ताहांत की छुट्टियों की तलाश में हैं और उन्होंने 150 संभावित स्थलों की पहचान करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि नीति लागू होने के बाद से राज्य ने पर्यटन परियोजनाओं में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है। सम्मेलन में ग्रामीण महिलाओं को विवाह नियोजन सेवाओं में प्रशिक्षण देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और एनआईटीएचएम परिसर में एक पुनर्जीवित झील का उद्घाटन किया गया। पर्यटन, आतिथ्य, विरासत, डिजिटल मीडिया और इको-पर्यटन क्षेत्रों के वक्ताओं ने सूक्ष्म-यात्रा, स्क्रीन पर्यटन और क्यूरेटेड सप्ताहांत सर्किट को बढ़ावा देने पर अपनी राय प्रस्तुत की। विशेषज्ञों ने बताया कि तेलंगाना में 150-200 किलोमीटर के दायरे में लगभग 460 सप्ताहांत गंतव्य हैं, जो इसे सप्ताहांत पर्यटन क्लस्टर विकसित करने के लिए आदर्श बनाते हैं। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो हैदराबाद को "भारत की सप्ताहांत पर्यटन राजधानी" के रूप में स्थापित करने की भारत की पहली संरचित राष्ट्रीय स्तर की पहल थी।

जुबली हिल्स में हिंसा पर केटीआर का कड़ा बयान

कांग्रेस को चेतावनी-गुंडागर्दी बंद नहीं की तो जनता देगी जवाब

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के बाद हुई हिंसा पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने कांग्रेस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शनिवार को उन्होंने रहमत नगर में बीआरएस कार्यकर्ता राकेश से मुलाकात की, जिन पर कांग्रेसियों ने कथित तौर पर हमला किया था। केटीआर ने कहा कि अगर कांग्रेस अपनी गुंडागर्दी नहीं रोकती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी।

उन्होंने कहा कि बीआरएस ने अपने दस साल के शासन में, कई उपचुनाव जीतने के बावजूद, कभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले नहीं किए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस फर्जी वोट, गुंडागर्दी और पैसों के सहारे चुनाव जीती है। केटीआर ने यह भी बताया कि कांग्रेस ने नतीजे आने के तुरंत बाद विजय रैली निकालकर अहंकार दिखाया है और लोग सब देख रहे हैं। राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच उन्होंने मंगलवार को जुबली हिल्स के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक बुलाने की घोषणा भी की।

शिक्षक पर छात्राओं से दुर्व्यवहार का आरोप

कंकरबोड जिला परिषद हाई स्कूल में पोक्सो केस दर्ज

महबूबाबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद शहर पुलिस ने कंकरबोड जिला परिषद हाई स्कूल में सामाजिक अध्ययन पढ़ाने वाले शिक्षक इनुगुर्थी रवि के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि शिक्षक पिछले दस दिनों से छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार कर रहा था और उन्हें धमका रहा था कि वे इस बारे में किसी को न बताएं।

शुक्रवार को आयोजित अभिभावक बैठक के दौरान अभिभावकों और स्कूल के प्रधानाध्यापक के बीच विवाद हो गया। एक अभिभावक ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी से दुर्व्यवहार की जानकारी मिलने पर प्रधानाध्यापक कोट्या नाइक को इसकी सूचना दी थी। प्रधानाध्यापक ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन तीन दिन बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया। नगर सीआई महेंद्र रेड्डी ने बताया कि अभिभावकों की शिकायत पर आरोपी शिक्षक रवि के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

ओयू में बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर बैठक

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय में बुनियादी ढांचे के विकास और इसे विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय में बदलने के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक सरकार के सलाहकार केशव राव के मार्गदर्शन में हुई। अनुमानित लागत 1000 करोड़ रुपए है। इस उद्देश्य से गठित समिति के सभी सदस्यों के साथ-साथ शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें शामिल हुए। यह बैठक समिति द्वारा आईएसबी और आईआईटी हैदराबाद जैसे प्रमुख संस्थानों के क्षेत्रीय दौरों के बाद आयोजित की गई है।

बैठक में उस्मानिया विश्वविद्यालय में छात्र-केंद्रित बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित पहले मसौदा प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इन योजनाओं का उद्देश्य शैक्षणिक अनुसंधान और मनोरंजन सुविधाओं से युक्त एक स्थायी परिसर का निर्माण करना है। टीजीईडब्ल्यूआईडीसी के प्रबंध निदेशक और उनकी टीम ने प्रस्तावित प्रारंभिक लेआउट और संरचनाओं पर प्रस्तुतियां दीं। समिति एक सप्ताह के भीतर योजनाओं के विस्तृत विवरण के साथ बैठक करेगी।

दुब्बका में विकास कार्यों के लिए 15 करोड़ रुपये जारी

तीन झीलों के बांधों और वार्डों में ड्रेनेज कार्य जल्द शुरू होंगे

सिद्दीपेट, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बका के विधायक कोत्ता प्रभाकर रेड्डी ने बताया कि रामसमुद्रम, पेड्डा चेरुवु और येदुल्ला चेरुवु के बांधों पर काम जल्द शुरू किया जाएगा। इसके लिए हाल ही में स्वीकृत सरकारी धन में से नगर प्रशासन विभाग ने दुब्बका नगरपालिका को 15 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि दुब्बका के 20 वार्डों में विकास कार्यों के लिए प्रत्येक वार्ड में 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा तीनों झीलों के बांधों के लिए 5 करोड़ रुपये का उपयोग होगा। यह जानकारी उन्होंने शनिवार को सिद्दीपेट में 141 सीएमआरएफ चेक वितरित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए दी। प्रभाकर रेड्डी ने बताया कि इन फंडों से वार्ड स्तर पर जल निकासी के कार्य भी शुरू किए जाएंगे। साथ ही सरकार ने धर्मजीपेट से चेरुवापुर तक होने वाले कार्यों के लिए 4 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

Year of Estd. 1999

AGROHA BANK

AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad – 500002 Ph-040-24511322

E-mail - customercare@agrohabank.com Website - agrohabank.com

Notice to Shareholders: -

Special Notice of Extra Ordinary GENERAL-BODY MEETING

The special Notice is hereby given to the members that Extra -ordinary Special General-Body meeting of the AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED, (T.A. No.1473) will be held on **08.12.2025, Monday at 7.30 P.M.** at **Royalton Hotel, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad,** to transact the following business:

AGENDA

1. To consider, and approve, the Board Resolution Passed unanimously by board of Directors for considering Amalgamation of Agroha co-operative Urban Bank, Ghansi Bazar with Agrasen co-operative Urban Bank Ltd, Siddiamber Bazar Hyderabad in terms of RBI - RBI/DOR/2020-21/75 Master Direction- DOR.MAM. No.49/09.16.901/2020-21 DATED March,23,2021
2. In terms of section 44A read with section 56 of Banking Regulation Act, 1949, shareholders are required to pass the resolution by two -thirds both in number and value present in the meeting called for the purpose.
3. To authorize the Board of Directors / Chairman/ CEO to submit the scheme of Amalgamation for approval to RBI and Registrar of Co-operative Societies, Govt of Telangana.
4. To authorize the board of Directors, Chairman, CEO to implement the scheme of Amalgamation as approved by RBI.
5. To discuss and approve the swap Ratio for shares of Agroha Bank to Agrasen Bank as 1:1 as offered by Agrasen Bank.
6. To approve appointment of Statutory Auditor for conducting audit of Balance sheet and Profit and Loss account , prepared as at close of business on the date proceeding to the effective Date.
7. Any other subject that may be placed before the General Body Meeting with relation to Process of amalgamation, the consent of the Chair.

(BY ORDERS OF THE BOARD OF DIRECTORS)

Place: Hyderabad
Date : 06/11/2025

Sd/-
(RATAN GUPTA)
Chairman

Note : Shareholders are requested to bring their I D Proofs, for the admission on the Meeting.

MEENAKSHI

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन दोस्तों की मौत

लखीमपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। खीरीलखीमपुर खीरी के भीरा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन दोस्तों को रौंद दिया। हादसे में तीनों की मौके पर मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक कई फीट उछलकर दूर जा गिरी। बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद कार नहर में जा घुसी। उसमें सवार लोग मौके से भाग निकले। हादसा के बाद भीरा थाना क्षेत्र में हुआ। अंधेरा होने के चलते काफी देर तक कोई मदद को नहीं पहुंचा। बाद में राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। टक्कर के बाद कार सवार गाड़ी छोड़कर मौके से भाग गए। हादसे में मरने वाले युवकों की पहचान रोहित गुप्ता, हासिब और संदीप शुक्ला के रूप में हुई है।

रोहित पड़रिया गांव का रहने वाले थे। तीनों एक ही बाइक से पलिया से खीरी लौट रहे थे। रोहित गुप्ता, अपने घर में अकेले कमाने वाले थे। रोहित अपने पिता प्रहलाद गुप्ता के साथ पड़रिया तुला बस ड्राइवर टीबा कंपनी में काम करते थे। हाल ही में वह अपने घर पड़रिया लौट रहे थे, तभी गढ़ी फर्म के पास सामने से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जताई आपत्ति

कहा- ट्रायल कोर्ट हिंदी या अंग्रेजी में लिखें फैसले, न हो दोनों का मिश्रण

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्देश में कहा कि अधीनस्थ अदालतें निर्णय हिंदी या अंग्रेजी में लिखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे आंशिक अंग्रेजी और आंशिक हिंदी में फैसले नहीं लिख सकतीं। दहेज हत्या मामले में अभियुक्त को बरी करने संबंधी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, न्यायालय (संख्या 10) आगरा के फैसले को चुनौती देने वाली वेद प्रकाश त्यागी की आपराधिक अपील खारिज करते हुए न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा व न्यायमूर्ति डा. अजय कुमार (द्वितीय) की खंडपीठ ने इसे अनुचित प्रथा का 'उत्कृष्ट उदाहरण' बताया। खंडपीठ ने निर्णय को उचित कार्रवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने और राज्य भर के सभी न्यायिक अधिकारियों को प्रसारित करने का निर्देश दिया है।

खंडपीठ ने कहा कि निचली अदालतों में फैसले लिखने की द्विभाषी प्रणाली अस्तित्व में है। निचली अदालतों के पीठासीन अधिकारी निर्णय हिंदी या अंग्रेजी में लिखने के लिए स्वतंत्र हैं,

लेकिन इसका अर्थ आंशिक रूप से अंग्रेजी और आंशिक रूप से हिंदी में फैसला लिखना नहीं हो सकता। हिंदी भाषी राज्य के नाते राजभाषा में फैसले लिखने का मुख्य उद्देश्य यह है कि आम वादी समझ सकें और अपने दावे को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए दिए गए कारणों को भी जान जाएं। इस संबंध में 11 अगस्त, 1951 और दो दिसंबर 1972 के आदेशों का हवाला देते हुए खंडपीठ ने कहा, 'देवनागरी लिपि में हिंदी, उच्च न्यायालय के अधीनस्थ सभी आपराधिक अदालतों की भाषा है। न्यायिक अधिकारियों को हिंदी या अंग्रेजी में निर्णय लिखने की अनुमति है, लेकिन दोनों का मिश्रण नहीं हो सकता।'

कोर्ट का कहना था कि विवादित निर्णय 54 पृष्ठों और 199 अनुच्छेदों में है। इनमें 63 अनुच्छेद अंग्रेजी व 125 हिंदी में थे जबकि 11 अनुच्छेदों में दोनों भाषाएं थीं, कहीं-कहीं तो आधा वाक्य हिंदी और आधा अंग्रेजी में था। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि हिंदी निर्णय में उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अंग्रेजी अंश उद्धृत करना (और इसके विपरीत भी) स्वीकार्य है, लेकिन न्यायिक अधिकारी को उसका अनुवाद उपलब्ध कराना होगा ताकि तर्क बोधगम्य रहे।

यदि कोई निर्णय अंग्रेजी में है और मृत्यु पूर्व कथन हिंदी में है तो निश्चित रूप से ऐसे मृत्यु पूर्व कथन को निर्णय में शब्दशः उद्धृत किया जा सकता है। पीठासीन अधिकारी को गवाह के साक्ष्य के कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक अंश हिंदी में दर्ज करने की स्वतंत्रता है। प्रश्नगत मुकदमे में खंडपीठ ने सबसे पहले अधीनस्थ न्यायालय के उस निष्कर्ष की जांच की जिसमें अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए, 304-बी और दहेज निषेध अधिनियम की धारा 4 के अपराधों से बरी कर दिया गया था।

कोर्ट ने कहा कि दहेज के लिए क्रूरता साबित नहीं हुई। दो गवाहों ने शादी के बाद दिए गए आभूषणों-पैसों के बारे में विरोधाभासी बयान दिया। दोनों डाक्टरों ने कहा है कि अंकिता को उसके पति रवि ने अस्पताल में भर्ती कराया था। बिलों का भुगतान करने के साथ ही अस्पताल में था। निचली अदालत के निष्कर्ष साक्ष्यों के उचित मूल्यांकन पर आधारित है।

बिहार चुनाव के नतीजों पर अवधेश प्रसाद का बड़ा बयान, चुनाव आयोग की वजह से जीता एनडीए

लखनऊ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने तीखी प्रतिक्रिया दी हैं। उन्होंने इस जीत में चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि जनता ने बदलाव का मन बनाया था लेकिन, चुनाव आयोग की वजह से ऐसा नतीजा आया है। अवधेश प्रसाद ने कहा कि- बिहार चुनाव में बड़े पैमाने पर लोकतंत्र को खरीदा गया, जब चुनाव की घोषणा होती है और पूरे राज्य में आचार संहिता लागू होती है, तब सरकार की ओर से महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये जमा किए जाते हैं। यह लोकतंत्र के लिए और लोकतंत्र का जो मान्यताएं हैं, आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया गया है। इसमें चुनाव आयोग की बहुत अहम भूमिका रही। इसके कारण इस तरह का नतीजा आया।

सपा सांसद ने कहा किया कि जनता ने पूरी तरह से बदलाव का मन बना लिया था। हम गए थे वहां पर।हमारे नेता माननीय अखिलेश यादव ने सभाएं भी की थी, लोगों में चर्चा थी कि हमें सरकार को बदलना है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनाना है। चुनाव आयोग का लेकिन, इस तरह का जो आचरण रहा। इस पर पाबंदी न लगाना, सरकार को पैसे डालने से नहीं रोकना, इसी वजह से एनडीए की चुनाव में जीत हुई और बिहार चुनाव के ये नतीजे आए।

सपा सांसद ने एसआईआर पर भी सवाल उठाए और कहा कि एसआईआर के बारे में जो लगातार समूचा विपक्ष आवाज उठाता रहा है। लोकसभा से लेकर सड़कों तक और तमाम जगहों पर वोट जिसकी संख्या सैकड़ों हजारों में नहीं लाखों में है उनके वोट काटे गए हैं। चुनाव आयोग पूरी तरह से इस पर मौन रहा है। इस तरह से सहमति रही कि लाखों-लाख वोट काट दिए गए, कुल मिलाकर इस जीत में चुनाव आयोग की भूमिका थी और कोई दूसरा कारण नहीं था।

जंक्शन पर खड़ी थी मालगाड़ी

अचानक आखिरी डिब्बे से उठने लगा धुआं... रेलवे टीम की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

बरेली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली जिले में शनिवार सुबह बरेली जंक्शन पर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्लेटफॉर्म नंबर एक पर खड़ी मालगाड़ी के आखिरी डिब्बे से अचानक धुआं निकलने लगा। यह देख वहां मौजूद यात्री इधर-उधर भागने लगे। प्लेटफॉर्म पर खड़े रेलवे कर्मचारी भी तुरंत एक्टिव हो गए और स्थिति को संभालने में जुट गए। पानी से आग को बुझा दिया गया है, लेकिन मालगाड़ी में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दरअसल, मालगाड़ी प्लेटफॉर्म-1 पर खड़ी थी और आगे बढ़ने की तैयारी में थी। तभी एक कर्मचारी की नजर पीछे वाले डिब्बे पर गई, जहां से तेज धुआं उठ रहा था। उसने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी। धीरे-धीरे धुआं इतना बढ़ गया कि आसपास के यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर डिब्बे में आग कैसे लग गई। इस बीच स्टेशन स्टाफ ने यात्रियों को प्लेटफॉर्म के उस हिस्से से दूर किया, ताकि किसी को चोट न पहुंचे। आरपीएफ टीम भी मौके पर पहुंची और सुरक्षा घेरा बना दिया।

रेलवे कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी कि आग को आगे फैलने से रोकना। इसलिए उन्होंने तुरंत निर्णय लेते हुए जलते हुए वैगन को बाकी मालगाड़ी से अलग कर दिया। यह काम सावधानी से किया गया, ताकि कोई हादसा न हो। जैसे ही बोगी अलग हुई, कर्मचारियों ने पानी की बाल्टियों से डिब्बे पर पानी डालना शुरू किया। फायर उपकरण भी इस्तेमाल किए गए। उनकी तेज कार्रवाई की वजह से धुआं धीरे-धीरे कम होने लगा और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया।

भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को किया निलंबित, पार्टी विरोधी बयान पर हुई कार्रवाई

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की बिहार इकाई ने पार्टी के कद्दावर नेता रहे आरके सिंह को पार्टी से निलंबित कर दिया है। आरा लोकसभा सीट से पूर्व सांसद रहे आरके सिंह पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। भाजपा ने उनसे पूछा है कि उन्हें पार्टी से क्यों न निष्कासित किया जाए? बता दें कि निलंबित किए गए भाजपा नेता आरके सिंह बिहार विधान परिषद में एमएलसी हैं।बता दें कि नौकरशाही छोड़कर राजनीति में आए पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री आरके सिंह ने बीते दिनों बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया था।

पार्टी ने कारण बताओ नोटिस किया जारी

भाजपा की तरफ से जारी आधिकारिक पत्र में लिखा गया है, 'आपकी गतिविधियां पार्टी के विरोध में हैं। ये

अनुशासन के दायरा में आता है। पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है। इससे पार्टी को नुकसान हुआ है। पत्र में आगे लिखा गया कि, आपको पार्टी से निलंबित करते हुए कारण पूछा जा रहा है कि आपको पार्टी से क्यों नहीं निष्कासित किया जाए ? पत्र मिलने के एक सप्ताह के अंदर आप अपनी स्थिति स्पष्ट करें।'

आरके सिंह पर क्यों गिरी गाज?

दरअसल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और आरा के पूर्व सांसद आरके सिंह ने अपने ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ प्रत्याशियों को वोट नहीं देने की अपील की थी।

आरके सिंह ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर एनडीए उम्मीदवारों पर निशाना साधा था। इस वीडियो में आरके सिंह ने कहा था कि मैं आपसे निवेदन करता हूं कि किसी भी आपराधिक पृष्ठभूमि या भ्रष्ट व्यक्ति को वोट न दें। चाहे वह आपकी जाति या समुदाय का ही क्यों न हो। जो लोग ऐसे व्यक्ति को वोट करते है उन्हें चुल्लू भर पानी में डूब जाना चाहिए। यदि हम अपराधियों को चुनेंगे तो बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला कायम रहेगा, और विकास का सपना कभी पूरा नहीं होगा। बिहार कभी विकास नहीं करेगा।

सम्राट चौधरी पर भी बोला था हमला

इस वीडियो में आरके सिंह ने राज्य के मौजूदा डिप्टी सीएम और तारापुर से एनडीए प्रत्याशी सम्राट चौधरी को लेकर कहा कि उनपर हत्या का आरोप और उम्र के सर्टिफिकेट फोर्जरी कर के बेल पर बाहर होने का आरोप एक पार्टी ने खुलेआम लगाया जिसका जवाब आज तक नहीं दे सके हैं। वहीं जनसुराज के नेता प्रशांत किशोर के आरोपों पर अपनी ही पार्टी के नेताओं को घेरा था और कहा कि प्रशांत किशोर ने जिन पर आरोप लगाए हैं, वह साफ-साफ इसका जवाब दें या अपना इस्तीफा दे दें।

'तालाब में उतरने का तमाशा करने वालों को जनमत ने डुबो दिया', राहुल गांधी पर कपिल मिश्रा का तंज

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि तालाब में उतरने का तमाशा करने वालों को जनमत ने डुबो दिया।

दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, तालाब में उतरने का तमाशा करने वालों को जनमत ने डुबो दिया। जनादेश स्पष्ट है कि तमाशा नहीं विकास की ताकत को चुना गया है। बेगुसराय विधानसभा सीट पर जहां राहुल गांधी तालाब में उतरे थे, वहां कांग्रेस उम्मीदवार अमिता भूषण 30 हजार से ज्यादा वोटों से हार गईं। भाजपा उम्मीदवार कुंदन कुमार ने एक लाख से ज्यादा वोट हासिल कर जीत दर्ज की। बता दें कि राहुल गांधी ने बेगूसराय में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार के दौरान आम मछुआरों के बीच जाकर तालाब में मछलियां पकड़ी थीं।

'कब तक बकवास करते रहोगे'

एसआईआर और ईवीएम को लेकर अखिलेश पर भड़के ओवैसी

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की बंपर जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एक तरफ महागठबंधन से जुड़े सपा प्रमुख अखिलेश यादव जैसे नेता अपनी हार का ठीकरा ईवीएम और एसआईआर पर फोड़ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता उनको नसीहत देते दिख रहे हैं। बिहार में ओवैसी की पार्टी ने पांच सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता को एआईएमआईएम को वोट देने के लिए धन्यवाद देना चाहता मैं उन 5 सीटों पर जीत हासिल करने वाले सभी उम्मीदवारों और पार्टी सदस्यों को इतनी मेहनत करने के लिए धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। हम बिहार की जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी धन्यवाद करना चाहता हूं। हम सीमांचल के कल्याण के लिए काम करेंगे।

अखिलेश यादव पर किया हमला

इसके साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा, मैं इतना बड़ा राजनेता नहीं हूं लेकिन मुझे नजर आ रहा था कि ये नतीजे आ सकते हैं। हां इतनी उम्मीद नहीं थी कि ये लोग 200 के पास चले जाएंगे। अब उनको सोचना है, अगर वह वही पुराना रिकॉर्ड शुरू कर देंगे कि ओवैसी जिम्मेदार है तो बहुत अच्छा है, शुक्रिया है। मेरा गाना बजाते रहो।

'वो बीजेपी को क्यों नहीं रोक पा रहे, जरा सोचें'

उन्होंने आगे कहा, अफसोस की बात है कि अखिलेश यादव अभी भी कर रहे हैं कि इस कामयाबी के लिए बिहार का एसआईआर जिम्मेदार है, यह अफसोस की बात है। हम भी नहीं चाहते थे कि एनडीए जीते हमने पूरी कोशिश की, आप सीटें देने को तैयार नहीं थे, इसके बाद भी हमने पूरी कोशिश की। अब उनको सोचना है कि वो लोग बीजेपी को क्यों नहीं नहीं रोक पा रहे। एआईएमआईएम चीफ ने कहा, अगर आप वाकई में कुछ सुधार करना चाहते हैं तो कब तक आप ईवीएम और एसआईआर के बारे में बकवास बातें करेंगे। इसको छोड़िए और देखिए कि आपकी कमजोरी कहां है? अगर आप इस तरह से सोचते रहेंगे कि हम राजा हैं और जनता प्रजा है और वो वोट डालेगी तो ऐसा नहीं होने वाला है। वो जमाना खत्म हो चुका है।

ट्रैक्टर से टकराकर घर में घुसी स्कूल बस, कई बच्चे जख्मी- स्कूल जाते वक्त हुआ हादसा

बस्तीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के भोड़सर गांव के पास शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। छात्रों को लेकर जा रही एक स्कूल बस ट्रैक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अनियंत्रित बस सड़क किनारे स्थित एक मकान में घुस गई। हादसे में तीन छात्राएं घायल हो गईं, जिनमें रोशनी पुत्री सूर्य प्रकाश निवासी तुरकौलिया, नव्या पुत्री प्रभुदीन प्रजापति निवासी चकदहा तथा फातिमा निवासी कुसौरा थाना कलवारी शामिल हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार बच्चों में चीख-पुकार सुनकर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। तुरंत बच्चों को बस से बाहर निकाला गया। सूचना पर चौकी इंचार्ज करहली सर्वेश कुमार मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए व्यवस्था कराने के साथ ही बस और ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद मुरादाबाद में हाई अलर्ट

मुरादाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए हालिया ब्लास्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे उत्तर भारत में चौकसी बढ़ा दी है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में पुलिस ने किराएदारों के डोर-टू-डोर सत्यापन अभियान की शुरुआत की है। यहां बड़ी संख्या में उद्योगों से जुड़े लोग और छात्र-छात्राएं देश-विदेश से आते हैं। इस विविध जनसंख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने बाहरी व्यक्तियों की निगरानी और सत्यापन को सख्त करने का फैसला लिया है।

दिल्ली धमाके के बाद मुरादाबाद पुलिस ने शहर के सभी थाना क्षेत्रों में खास सतर्कता बरतने के आदेश दिए हैं। दूसरे जिलों और राज्यों से आने वाले किराएदारों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस की टीमें देर शाम से लेकर रात तक शहर के अलग-अलग इलाकों में भ्रमण कर मकान मालिकों से किरायेदारों के पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र और बैकग्राउंड की जानकारी जुटा रही हैं। अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी आवास में संदिग्ध व्यक्ति बिना उचित दस्तावेजों के न रह सके। इस अभियान का मकसद अपराध और आतंकवाद से जुड़े तत्वों पर पूरी तरह से काबू में रखना है। ताकि मुरादाबाद जैसे औद्योगिक शहर में शांति व्यवस्था कायम रहे।

पुलिस प्रशासन के मुताबिक यह अभियान रोज शाम 5 बजे से 7 बजे तक और फिर रात 9 बजे से 11 बजे के बीच चलाया जा रहा है। इसी दौरान शहर में प्रवेश करने वाले संदेहास्पद वाहनों की भी सघन चेकिंग की जा रही है। मुरादाबाद में पहले भी आतंकवाद से जुड़े कुछ संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं। इसलिए मौजूदा हालात को देखते हुए पुलिस किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहती। खुफिया एजेंसियां भी लगातार अलर्ट मोड पर हैं।

कत्ल कर आधा घंटे में किए टुकड़े

लाश ठिकाने लगाने के बाद चार बार धुली बस; मोनू ने इसलिए प्रेमिका को मारा

नोएडा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे किनारे सेक्टर-82 कट के पास सिर और हाथ कटा महिला का शव मिलने के बाद पुलिस उसकी शिनाख्त में उलझी रही। इसके बाद सेक्टर-49 थाने से मुखबिर की कॉल से जांच को दिशा मिली। महिला के बच्चों ने बिछुआ से पहचान की, उसके बाद कानून के हाथ आरोपी तक पहुंचे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सेक्टर-49 के थाना प्रभारी ने एसीपी-1 प्रवीण सिंह को रात में फोन कॉल कर बताया कि एक महिला के लापता होने की सूचना है लेकिन इसकी शिकायत नहीं मिली है। टीम महिला के घर पर पहुंची। वहां पर यह सामने आया कि प्रीति लापता है जिसके दोनों बच्चे घर पर नहीं थे। आस-पड़ोस के लोगों से पुलिस को पता चला कि प्रीति की नजदीकी मोनू सिंह से है। पुलिस मोनू के घर पहुंची। यहां पर पुलिस के पहुंचने के बाद प्रीति-मोनू के रिश्ते की कड़ी जुड़ चुकी थी। बाद में बच्चे सामने आए। प्रीति के बच्चों ने बताया कि उनकी मां बृहस्पतिवार से लापता है। इससे जांच फिर उलझी लेकिन मोनू नहीं मिला इससे संदेह बरकरार रहा। बरौला गांव के सीसीटीवी फुटेज पुलिस ने खंगाले जिसमें प्रीति के बुधवार शाम के बाद नहीं लौटने की जानकारी मिली। इसके बाद फिर मोनू पकड़ा गया। मोनू ने पहले यह बताया कि वह मैगी खिलाने के लिए सेक्टर 100 के पास लेकर गया था। इसके बाद जानकारी नहीं है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में उस बस को तलाश जो

मोनू चलाता है। पुलिस को यह बस सेक्टर-100, 104, 98 और जहां पर शव मिला उस सड़क से जाती हुई दिखी। इसके बाद अन्य जगहों की सीसीटीवी ट्रेल भी निकाली। इस तरह पुलिस को कई जवाब मिल गए थे। पुलिस के मुताबिक इसके बाद पूछताछ में मोनू टूट गया और उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोनू ने सेक्टर-105 में बस रोकने के सवाल पर जानकारी दी है कि उसने सेक्टर-100 के पास से एक पराठा और महिला के लिए मैगी बनवाई थी। यह खाने के लिए ही बस सेक्टर-105 में रोकी थी। वहां पर प्रीति ने मैगी खाई भी नहीं थी और साथ रहने का दबाव बनाने के लिए झगड़ा करने लगी। डीसीपी ने बताया कि जिस बस में महिला की हत्या कर शव काटा गया वह एसी बस थी। सभी शीशे बंद थे। सड़क से गुजरने वाले लोगों को बस के शीशे बंद होने से कोई आवाज नहीं सुनाई दी। हत्या के दौरान महिला की चीख निकली होगी। नोएडा जोन की पुलिस इस खुलासे के लिए लगाई गई थी। एसीपी प्रवीण सिंह ने ऑपरेशन-82 से व्हॉट्सएप ग्रुप बनाया था।

गांजा तस्कर फिजिक्स का टीचर रहा है

बोरियों में 2 करोड़ भरकर ले गई पुलिस, मां बोली- बड़े बेटे ने फंसा दिया

प्रतापगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में जिस गांजा तस्कर के घर से पुलिस 2 करोड़ कैश बोरियों में भरकर ले गई। वह फिजिक्स का शानदार टीचर रहा। मानिकपुर में राजेश मिश्रा के घर से 11 बोरी नोट मिले। अलग-अलग कमरों में फैले नोट गिनने में पुलिस को 24 घंटे लगे थे। पुलिस राजेश की पत्नी, बेटा-बेटी के अलावा दो पड़ोसियों को भी अपने साथ ले गई। राजेश मिश्रा के घर में मां और राजेश का नाबालिग बेटा है। बाकी लोग फरार हैं। मां रामकली का कहना है- बड़े बेटे श्याम और उसके बेटे चिंटू ने राजेश को फंसा दिया। राजेश के यहां गांजा-स्मैक का धंधा बीते 50 सालों से चल रहा था। पहले पिता भी इसी धंधे में रहे। अब राजेश भी इसमें शामिल हो गया था। राजेश ने इस गलत काम को छिपाने के लिए कभी स्कूल में पढ़ाया तो कभी बेटे को हार्डवेयर की दुकान खुलवा दी। लेकिन फोकस हमेशा गांजा-स्मैक और ड्रग्स के धंधे पर ही रहा।

जहरीला जंगली पदार्थ खाने से 30 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, 10 की हालत बेहद नाजुक

श्रावस्ती, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में खेत घूमने गए 30 बच्चों ने रण के जहरीले जंगली बीज को मूंगफली समझकर खा लिया। जिससे देर रात सभी बच्चों की अचानक हालत खराब होने लगी। बच्चों की हालत खराब देख परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल भागे जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से 10 बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। ये घटना श्रावस्ती जनपद के भिनगा के केशवपुर की है, जहां 30 बच्चे देर शाम को जंगली क्षेत्र में गए थे। ये बच्चे जंगल में लकड़ी लाने गए थे, इसी दौरान उनकी नजर जंगल में मौजूद रण के बीज पर पड़ गई, जिसके बाद बच्चों ने इन बीजों को मूंगफली समझकर खा लिया। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि ये बीज कितने खतरनाक हो सकते हैं। देर रात को अचानक इन बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी।

देर रात अचानक बिगड़ी बच्चों की तबीयत

बच्चों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई, जिसके बाद उनकी हालत और बिगड़ने लगी, एक साथ इतने बच्चों की तबीयत बिगड़ने की खबर के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिजन आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इतने सारे बच्चों की तबियत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। इस घटना को लेकर पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि बच्चों ने रण का जहरीला बीज खा लिया था, जिसकी वजह से उनकी तबीयत बिगड़ गई, इलाज के दौरान 20 बच्चों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है लेकिन, 10 बच्चों की तबीयत अब भी गंभीर बनी हुई है।

डॉक्टर लगातार उन पर नजर बनाए हैं। इस घटना को लेकर इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर एम एम सोनकर ने बताया कि सभी बच्चों ने जहरीला पदार्थ खाया था। इन सभी बच्चों का जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। हालात अभी पहले से बेहतर हैं। जल्द ही बच्चों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

कोलकाता एचसी बोला- नाबालिग भी अग्रिम जमानत ले सकते हैं:

जुवेनाइल कानून में मनाही का जिक्र नहीं; अभी 18 प्लस वाले ही हकदार

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता हाईकोर्ट ने कहा कि अब किसी भी अपराध में आरोपी नाबालिग भी एंटीसिपेटरी बेल के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले सिर्फ बालिग आरोपियों को ही गिरफ्तारी से पहले जमानत लेने का हक था। तीन जजों की डिवीजन बेंच ने कहा कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट तब लागू होता है जब नाबालिग पकड़ा जाता है और उसे जुवेनाइल बोर्ड के सामने पेश किया जाता है। लेकिन अग्रिम जमानत तो गिरफ्तारी से पहले का अधिकार है, ताकि किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुरक्षित रहे। यह फैसला जस्टिस जय सेनगुप्ता, जस्टिस तीर्थंकर घोष और जस्टिस बिवास पटनायक की बेंच ने दिया।

देश के किसी भी हाईकोर्ट की तरफ से सुनाया गया इस तरह का यह पहला फैसला है। यह मामला उन चार नाबालिगों की याचिका से शुरू हुआ, जिन्हें पश्चिम बंगाल के रघुनाथगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों में गिरफ्तारी का डर था। मुद्दा यह था कि क्या जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 उन्हें अग्रिम जमानत (धारा 438) का अधिकार देता है या नहीं। इस बात पर जजों की अलग-अलग राय थी इसलिए एक सिंगल जज ने इसे बड़ी पीठ के पास भेज दिया था, ताकि फैसला हो सके।

तीन जजों का फैसला- 4 पॉइंट में

2 जज सहमत: जस्टिस जय सेनगुप्ता और जस्टिस तीर्थंकर घोष ने फैसले पर सहमति देते हुए कहा कि अगर यह मान लिया जाए कि नाबालिगों को अग्रिम जमानत नहीं मिलेगी, तो इसका मतलब होगा कि बच्चों से वह अधिकार छीन लेना जो बालिगों को मिलता है, और यह बात बच्चों की भलाई वाली सोच के खिलाफ है।

संविधान में दी गई व्यक्तिगत आजादी को कम करने का कोई इरादा लॉ बनाने वालों का नहीं था। इसलिए जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, जो बच्चों की भलाई के लिए बना है, उसे ऐसा कानून नहीं माना जा सकता जो बच्चों को किसी दूसरे फायदे वाले कानूनी अधिकार जैसे अग्रिम जमानत से रोके, जब तक कि एक्ट में इसे साफ-साफ मना न किया गया हो।

अगर किसी नाबालिग को अग्रिम जमानत दी जाती है, तो कोर्ट ऐसे बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा नियम बना सकता है, ताकि यह जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के काम में दखल न दे। जेजे बोर्ड का अधिकार तभी शुरू होता है जब बच्चा गिरफ्तार किया जाता है।

1 जज असहमत: हालांकि, तीसरे जज जस्टिस बिवास पटनायक इससे सहमत नहीं थे। उनका कहना था कि नाबालिगों को अग्रिम जमानत देने की अनुमति से जेजे एक्ट द्वारा बनाई गई बच्चों की सुरक्षा वाली व्यवस्था कमजोर हो सकती है। एक्ट में गिरफ्तारी के बाद बच्चों के लिए एक खास, कल्याण-आधारित जांच प्रक्रिया तय की गई है और अग्रिम जमानत इसे प्रभावित कर सकती है।

जानिए क्या है एंटीसिपेटरी बेल

एंटीसिपेटरी बेल सीआरपीसी की धारा 438 के तहत मिलती है। इसका मतलब है गिरफ्तारी से पहले मिलने वाली जमानत। अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि पुलिस उसे किसी मामले में गिरफ्तार कर सकती है, तो वह पहले से ही कोर्ट (सेशन कोर्ट या हाई कोर्ट) में जाकर जमानत मांग सकता है। कोर्ट अगर जमानत दे दे, तो पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकती या गिरफ्तार करे भी तो तुरंत जमानत पर छोड़ना पड़ेगा।

जलगांव की केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, 12 लोगों को बचाया गया

जलगांव, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में एक कैमिकल फैक्ट्री मं भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री आग की लपटों में घिर गई। जलगांव नगर निगम की दमकल टीम और शहर के आसपास की 5 से 10 अन्य दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर पहुंची। आग बुझाने का प्रयास जारी है। जिला कलेक्टर रोहन घुगे ने कहा कि एक केमिकल कंपनी में आग लग गई। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हम सरकार और नगर निगम प्रशासन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस इलाके में हर समय कम से कम दो दमकल गाड़ियां मौजूद रहें। जानकारी के अनुसार, दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन भारी मात्रा में ज्वलनशील केमिकल होने की वजह से आग को कंट्रोल करना मुश्किल हो रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेकिन आग से काफी नुकसान होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के आग में फंसे होने की जानकारी सामने नहीं आई है। आग लगने के दौरान इमारत के अंदर 12 लोग थे और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

कोलकाता के कॉलेज में मचा हड़कंप

समुदाय विशेष के खिलाफ दीवारों पर लिखे नफरती संदेश

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी में लाल किले के सामने हुए कार ब्लास्ट में विशेष समुदाय के डॉक्टरों के नाम सामने आए हैं। सभी डॉक्टर मिलकर देश में बड़ी आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। इनका नाम उजागर होने के बाद कोलकाता विश्वविद्यालय में सनसनीखेज घटना घटी है। दिल्ली ब्लास्ट के कुछ दिन बाद ही कोलकाता के एक विश्वविद्यालय पर समुदाय विशेष के लिए नफरत भरी बातें लिखने का मामला सामने आया है। कुछ लोगों ने विश्वविद्यालय की दीवारों पर हेट स्पीच से जुड़े नारे उकेरे हैं, जिसका कुछ लोग विरोध भी कर रहे हैं।

दीवारों पर लिखा नफरती संदेश

यह मामला कोलकाता के भारतीय सांख्यिकी संस्थान का है। कैंपस में स्थित ब्वॉयज हॉस्टल की दीवारों पर चॉक से लिखा है, कुत्ते और मुस्लिम न आएं। वहीं, कूड़ेदान पर लिखा गया, मुस्लिमों के लिए सिर्फ यही जगह सही है। इसके अलावा सीवी रमन हॉल के दरवाजे पर लिखा गया, मुस्लिमों को अंदर आने की अनुमति नहीं है।

कैंपस में विरोध प्रदर्शन

कैंपस में लगे इन नारों के खिलाफ कई लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। इसमें कुछ अभ्यार्थी भी शामिल हैं। उनका कहना है, अपनी धार्मिक नफरत को यहीं फेंक दो हॉस्टल के मुख्य द्वार पर संविधान का अनुच्छेद 15 लगाया गया है। बता दें कि अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग, रंग और जन्मस्थल के आधार पर भेदभाव करने के खिलाफ एक मौलिक अधिकार है। विरोध प्रदर्शन करने के अलावा कई छात्रों ने 13 नवंबर को डीन से भी इसकी शिकायत की। डीन बिस्वब्रत प्रधान ने छात्रों की मांग पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं।

डीन ने दी चेतावनी

बिस्वब्रत प्रधान का कहना है, संस्थान इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करता है। एक विशेष समुदाय के दिल को ठेस पहुंचाने के आरोप में कॉलेज प्रशासन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

तमिलनाडु की केंद्र से अपील

तमिल राजा 'पेरुम पिडुगु' मुथरायर के सम्मान में जारी करें डाक टिकट

चेन्नई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि तमिल इतिहास के गौरवशाली शासक 'पेरुम पिडुगु' मुथरायर के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया जाए। राज्य सरकार का मानना है कि इससे तमिल शासन, संस्कृति और राजनीति की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में बड़ी मदद मिलेगी। तमिलनाडु के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री एस। वी। मेय्यानाथन ने यह आग्रह केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को लिखे पत्र में किया। उन्होंने कहा कि डाक टिकट जारी होने से न सिर्फ इस महान राजा की उपलब्धियां सामने आएंगी, बल्कि तमिलनाडु और देश के बाकी हिस्सों के बीच भावनात्मक एकता भी मजबूत होगी।

कौन थे 'पेरुम पिडुगु' मुथरायर?

मेय्यानाथन ने बताया कि मुथरायर वंश के इस महान वीर को न्यायप्रिय शासक, दक्ष प्रशासक, योद्धा और कला-कृषि के संरक्षक के रूप में जाना जाता है। 8वीं शताब्दी में उन्होंने तिरुचिरापल्ली क्षेत्र पर शासन किया। सेंथलाई, नार्थमलै और कावेरी के उत्तरी तट के पास मिलने वाले अनेक अभिलेख उनके शासन की गवाही देते हैं।

कृषि और सिंचाई में बड़ा योगदान

पत्र में यह भी उल्लेख है कि मुथरायर की तरफ से शुरू की गई सिंचाई परियोजनाओं ने पूरे क्षेत्र को उपजाऊ 'अन्न भंडार में बदल दिया था। उनके नाम के साथ जुड़ा उपनाम 'पेरुम पिडुगु' जिसका अर्थ है 'महान गर्जन', दर्शाता है कि उस समय लोग उन्हें कितने सम्मान से देखते थे।

लोकगीतों और उत्सवों में आज भी जीवित यादें

तिरुचिरापल्ली, पुदुकोट्टई और तंजावुर जिलों में आज भी कई लोकगीत, परंपराएँ और मंदिर-उत्सव मुथरायर की स्मृति को जीवित रखते हैं।

डिजाइन और दस्तावेज उपलब्ध कराने को तमिलनाडु तैयार

राज्य सरकार ने कहा है कि वह अभिलेखीय दस्तावेज, विशेषज्ञ सुझाव और डिजाइन सामग्री समेत हर तरह का सहयोग देने को तैयार है। सरकार को उम्मीद है कि केंद्र इस मामले में सकारात्मक प्रतिक्रिया देगा और जल्द ही डाक टिकट जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

दिल्ली ब्लास्ट: दर्जन भर डॉक्टरों के फोन धमाके के बाद से बंद, जांच एजेंसियां तलाश में जुटीं

नई दिल्ली/फरीदाबाद/नूंह, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लाल किले के पास हाल ही में हुए बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ा सुराग मिला है। गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों के साथ-साथ डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी कि सीडीआर से एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसियों ने डॉक्टरों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है। इसमें अल फलाह यूनिवर्सिटी से पढ़े और वहां काम करने वाले डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है।

इनमें से कई डॉक्टरों के फोन उमर के बम धमाके के बाद से बंद हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस कर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश की जा रही है, जो जैश से जुड़े इन संदिग्धों के संपर्क में थे। दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए ब्लास्ट की जांच अब हरियाणा के नूंह तक पहुंच गई है। नूंह के अब तक 5 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं,

इंस्टा पर उगला जहर: वक्फ बोर्ड चेयरमैन को जान से मारने की धमकी

आरएसएस के पथ संचलन का किया था स्वागत; केस दर्ज

उज्जैन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ। सनवर पटेल और डायरेक्टर फैजान खान को सोशल मीडिया पर गंभीर धमकियां मिलने के मामले में पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक टिप्पणियां और 'गर्दन काटने' जैसी धमकी दिए जाने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस 2023 की धारा 296ए, 351(3) और 351(4) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है। 5 अक्तूबर 2025 को उज्जैन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पथ-संचलन निकाला गया था। वक्फ बोर्ड द्वारा इस जुलूस का स्वागत किया गया, जिसके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए।

इन पोस्ट्स पर इंस्टाग्राम आईडी 'ताज अंसारी .3110' और 'फैज़ल खान बाबा' से आपत्तिजनक और धमकी भरे कमेंट किए गए।

आरोपियों ने धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली भाषा का इस्तेमाल करते हुए बोर्ड के चेयरमैन और डायरेक्टर को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लिखा है।। तू है, तू ज़िंदगी में मुनाफ़िक है। इंशाअल्लाह कल मुस्लिम मेजॉरिटी आएगी और सबसे पहले तुम्हारी गर्दन उड़ाई जाएगी। डायरेक्टर फैजान खान ने 11 अक्टूबर को थाना महाकाल में आवेदन देकर धमकी मिलने की शिकायत की थी। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक शंकरलाल कनोजे द्वारा की गई। प्रारंभिक जांच में दोनों इंस्टाग्राम अकाउंटों से की गई टिप्पणियों की पुष्टि होने पर पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया। वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉ। सनवर पटेल को राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है। वे सामाजिक और धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय रहते हैं।

आरएसएस पथ-संचलन के स्वागत का वीडियो अपलोड होने के बाद से ही उन्हें और डायरेक्टर को आपत्तिजनक टिप्पणियाँ और धमकियाँ मिल रही थीं। मामले में नामजद दोनों युवकों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस प्रकरण में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका रही है या नहीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कार्रवाई तेज कर दी गई है।

बीडीओ को थप्पड़ मारना पड़ा भारी, डीएसपी सुनील जसरोटिया निलंबित

जम्मू, 15 नवंबर (एजेंसियां)। नगरोटा विधानसभा उप-चुनाव की डयूटी पर तैनात बीडीओ नगरोटा अजहर खान को बीच सड़क पर थप्पड़ मारने के बाद सूर्खियों में आए गांधी नगर के तत्कालीन एसडीपीओ सुनील सिंह जसरोटिया को निलंबित कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने जसरोटिया के निलंबन के आदेश जारी करते हुए उन्हें पुलिस मुख्यालय में अटैच किया है। हालांकि, इस थप्पड़ कांड का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद ही दस नवंबर को जसरोटिया को गांधी नगर के एसडीपीओ के पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय में अटैच कर दिया गया था और इस पूरे मामले की जांच गृह विभाग ने शुरु कर दी थी। वहीं, जांच के बाद गृह विभाग ने एक कदम और आगे जाते हुए एसडीपीओ जसरोटिया को निलंबित किए जाने के आदेश जारी कर दिए।

जसरोटिया पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव डयूटी पर तैनात बीडीओ नगरोटा अजहर खान को गांधी नगर पुलिस लाइन के पास उस समय बीच सड़क पर पीटना शुरू कर दिया, जब बीडीओ का वहां किसी मिनीबस चालक के साथ विवाद हो गया था। अजहर खान नगरोटा विधानसभा में हो रहे उप-चुनाव में बतौर ट्रांसपोर्ट इंचार्ज नियुक्त किए गए थे और वह अपनी उसी डयूटी के चलते गांधी नगर आए थे। सीसीटीवी फुटेज में भी बीडीओ को थप्पड़ मारते हुए उनका सीसीटीवी फुटेज जब सामने आया तो उन्हें गांधी नगर के एसडीपीओ के पद से हटाते हुए पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट के निर्देश दिए गए थे। जसरोटिया की जगह एसडीपीओ बसोहली डीएसपी कुलजीत सिंह को गांधी नगर का नया एसडीपीओ नियुक्त किया गया था।

हीरो रियलिटी कंपनी के डायरेक्टर मुंजाल पर एफआईआर

होम्स प्रोजेक्ट में धोखाधड़ी का आरोप; 4 फ्लैट के 2.40 करोड़ लिए, काम पूरा नहीं किया

लुधियाना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। लुधियाना में हीरो रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर सुनील कांत मुंजाल और सेल्स हेड निखिल जैन के खिलाफ दर्ज की गई है। मामला फ्लैट्स के नाम पर धोखाधड़ी का है। थाना सराभा नगर में दर्ज कराई गई एफआईआर में शिकायतकर्ता का आरोप है कि कंपनी ने 4 फ्लैट्स के नाम पर 2।40 करोड़ रुपए ले लिए, लेकिन समय से काम पूरा नहीं किया। जब उसने शिकायत की तो कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे उसे मानसिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

फिलहाल, शिकायत पर पुलिस ने कंपनी के डायरेक्टर और सेल्स हेड के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।लुधियाना के न्यू माधोपुरी निवासी फालिताश जैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने हीरो होम्स, लुधियाना प्रोजेक्ट में कंपनी से चार 4 फ्लैट खरीदे थे। फ्लैट खरीदने के लिए कंपनी हीरो रियलटी प्राइवेट लिमिटेड दफ्तर ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट नई दिल्ली में करीब 2 करोड़ 41 लाख 13 हजार 602 रुपए का भुगतान किया था।

इसकी सभी रसीदें भी उसके पास है। फालिताश जैन का आरोप है कि कंपनी ने पूरी रकम हासिल करने के बावजूद फ्लैट्स का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया। इस तरह कंपनी ने उनके साथ साजिश के तहत धोखाधड़ी की। उसने कई बार डायरेक्टर और सेल्स हेड को शिकायत भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गया। उसका पैसा भी फंसने से आर्थिक नुकसान भी हुआ। फालिताश जैन ने इस मामले की शिकायत पुलिस के सीनियर अधिकारियों को दी।

उसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की और उसके बाद कंपनी के डायरेक्टर सुनील कांत मुंजाल और सेल्स हेड निखिल जैन के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 (अमानत में खयानत), 420 (धोखाधड़ी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

बीएमसी चुनाव में कांग्रेस का यह फैसला बढ़ा देगा उद्धव ठाकरे की टेंशन! कर दिया बड़ा ऐलान

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी रमेश चेन्निथला की मौजूदगी में शनिवार, 15 नवंबर को मुंबई कांग्रेस का बड़ा शिविर आयोजित हुआ। यहां आगामी मुंबई महापालिका चुनाव को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। बिहार विधानसभा चुनाव में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब मुंबई में अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। काफी समय से मुंबई कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता यह मांग कर रहे थे कि पार्टी को महाविकास आघाड़ी के सहारे नहीं, बल्कि अपने बूते चुनाव लड़ना चाहिए।

आज हुए शिविर में इसी मांग पर मुहर लगती दिखाई दी। रमेश चेन्निथला ने कहा कि बीएमसी चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला प्रदेश कांग्रेस कमेटी लेगी, लेकिन स्थानीय नेतृत्व की राय का सम्मान किया जाएगा। कांग्रेस शिविर में माहौल तब बदला जब नेताओं ने 'एकला चलो रे' का नारा लगाया। इससे साफ संकेत मिला कि कांग्रेस अब मजबूत संगठन निर्माण और स्वतंत्र रणनीति के साथ चुनाव में उतरने का मन बना चुकी है। सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा, "2026 को लक्ष्य बनाकर यह शिविर आयोजित किया गया है। कांग्रेस पार्टी ने हमें कहा था कि स्थानीय स्तर पर गठबंधन को लेकर निर्णय लें। हमने आज स्पष्ट कहा कि मुंबई में हमें अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहिए।" हालाँकि, कांग्रेस ने गठबंधन के सभी रास्ते बंद नहीं किए हैं। वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि आरपीआई गुट और राष्ट्रवादी कांग्रेस जैसे वैचारिक रूप से करीबी दलों से सीट समझौते या सीमित साझेदारी पर बात हो सकती है। लेकिन बीएमसी में कांग्रेस अपनी ताकत आजमाना चाहती है।

मुंबई कांग्रेस अब 227 वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारने की योजना बना रही है। इसके लिए बूथ स्तर पर नए संगठनात्मक ढांचे और रणनीति पर काम शुरू हो चुका है। कांग्रेस ने मुंबई में आक्रामक और आत्मनिर्भर चुनावी मुकाबले का बिगुल बजा दिया है।

पाकिस्तान गई सरबजीत कौर का सच क्या

भारत से धार्मिक यात्रा पर निकली थी, अब इस इनपुट से एजेंसियां अलर्ट

अमृतसर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। गुरु धामों में माथा टेकने गए भारतीय जत्थे के साथ पाकिस्तान गई पंजाब की एक महिला के लापता होने का मामला अब बड़े रहस्य में बदल गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने पाकिस्तान में एक युवक से निकाह कर लिया है, जिसके बाद वह जत्थे के साथ वापस भारत नहीं लौटी। सूत्रों के मुताबिक, कपूरथला की रहने वाली सरबजीत कौर नाम की महिला धार्मिक यात्रा पर जाने वाले जत्थे में शामिल हुई थी। इमीग्रेशन जांच के दौरान उसने अपने फॉर्म में राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर वाला कॉलम खाली छोड़ा था, जो अब जांच का मुख्य बिंदु है। जत्थे के अधिकतर सदस्य पहले ही भारत लौट आए थे, जबकि वह न तो 13 नवंबर को लौटने वाली सूची में शामिल थी और न ही किसी अन्य जत्थे के साथ वापस आई।

जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक इनपुट में पता चला है कि महिला एक जट्ट समुदाय के युवक के संपर्क में थी और दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते थे। शक यह है कि वही युवक उसे पाकिस्तान ले गया और वहां दोनों ने निकाह किया। भारत वापस न लौटना इसी वजह से बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। एसजीपीसी, पंजाब पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने महिला के लापता होने और निकाह की खबर की सत्यता की जांच शुरू कर दी है। पाकिस्तान स्थित अधिकारियों से भी संपर्क साधा गया है। इमीग्रेशन फॉर्म में महत्वपूर्ण कॉलम खाली छोड़ने और वापसी सूची में नाम न होने से कई गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

कपूरथला में तीन केस दर्ज

कपूरथला के तलवंडी चौधरियां के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) निर्मल सिंह ने बताया कि कपूरथला के अमनीपुर गांव की रहने वाली सरबजीत कौर उस जत्थे का हिस्सा थीं जो पाकिस्तान के ननकाना साहिब गए थे। वह वापस नहीं लौटीं। पुलिस इस संबंध में जांच कर रही है।।। कपूरथला के विभिन्न पुलिस थानों में उसके खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

'क्राइम ब्रांच पर भरोसा नहीं', आप गोवा प्रमुख पालेकर ने मामले की न्यायिक जांच की मांग की

पणजी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। गोवा में कथित कैश-फॉर-जॉब्स घोटाला एक बार फिर सुर्खियों में है। आरोपी पूजा नाईक के नए आरोपों के बाद आम आदमी पार्टी ने कहा है कि उन्हें क्राइम ब्रांच की जांच पर भरोसा नहीं है और मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। गोवा आप प्रमुख अमित पालेकर ने शुक्रवार को कहा कि जिस मंत्री पर आरोप लगाए गए हैं, उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए ताकि जांच निष्पक्ष हो सके। उनके शब्दों में, 'हमें क्राइम ब्रांच पर कोई भरोसा नहीं। इस मामले में न्यायिक जांच जरूरी है।'

पूजा नाईक, जिन्हें पिछले साल इस घोटाले में गिरफ्तार किया गया था और अब जमानत पर बाहर हैं, ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। उनका दावा है कि इस घोटाले में एक राज्यमंत्री, एक आईएएस अधिकारी और एक इंजीनियर शामिल हैं। पूजा नाईक ने खास तौर पर राज्य मंत्री और एमजीपी नेता सुदीन धवलीकर पर सीधे आरोप लगाए हैं। हालांकि सुदीन धवलीकर ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है।

पूजा नाईक का आरोप है कि मंत्री ने उन्हें दो अधिकारियों से मिलवाया था। इन अधिकारियों ने सरकारी नौकरियां देने के नाम पर 17.68 करोड़ रुपये लिए थे। शुरुआत में कुछ लोगों को नौकरी दी गई, लेकिन बाद में काम बंद कर दिया गया और न पैसे लौटाए गए, न नौकरियां मिलीं। नाईक ने यह भी कहा कि वह एमजीपी दफ्तर में स्टाफ के तौर पर काम करती थीं, इसलिए उनकी उनसे मुलाकात होती रहती थी। मामले में सफाई देते हुए सुदीन धवलीकर ने कहा कि उनका इस पूरे मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

अध्यात्म और सामाजिक सेवा के आलोक : पुट्टपर्थी साईं बाबा

अतुल कुमार

आध्यात्मिक गुरु जीवन के पथ प्रदर्शक होते हैं . जीवन के उस पाठ को बताते हैं जिससे ज़िंदगी सुख ,स्वस्थ और समृद्धशील हो . " गुरु " शब्द मूल रूप से संस्कृत से आया है . " गु " (अज्ञान) "रु " (अज्ञानता को दूर करने वाला ज्ञान) दोनों शब्दों के मेल से " गुरु " शब्द बना है .उनका मुख्य ध्येय लोगों को भ्रम के अंधेरे से निकाल आत्म – साक्षात्कार की ओर ले जाना है . एक सच्चा गुरु शिष्य का हाथ पकड कर उसे ईश्वर से जोडने का काम करता है . जिससे जीवन – कैरीयर और प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो .उन्हीं आध्यात्मिक गुरुओं में एक महान गुरु पुट्टपर्थी साईं बाबा हुए . बताया जाता है कि वह भक्तों की विपत्ति के समय उनकी पुकार जल्दी से सुनते . सच्चे मन से उनको याद करने पर उनकी तस्वीर से अपने आप भभूत निकलती . कहा भी गया कि " गुरु कृपा होती है तो कोई हरा नहीं पाता है /मुसीबत कितनी भी बडी हो तो डरा नहीं पाता है // सत्य साईं बाबा के जीवन दर्शन ,अध्यात्म और अलौकिक शक्तियों ने यही किया .

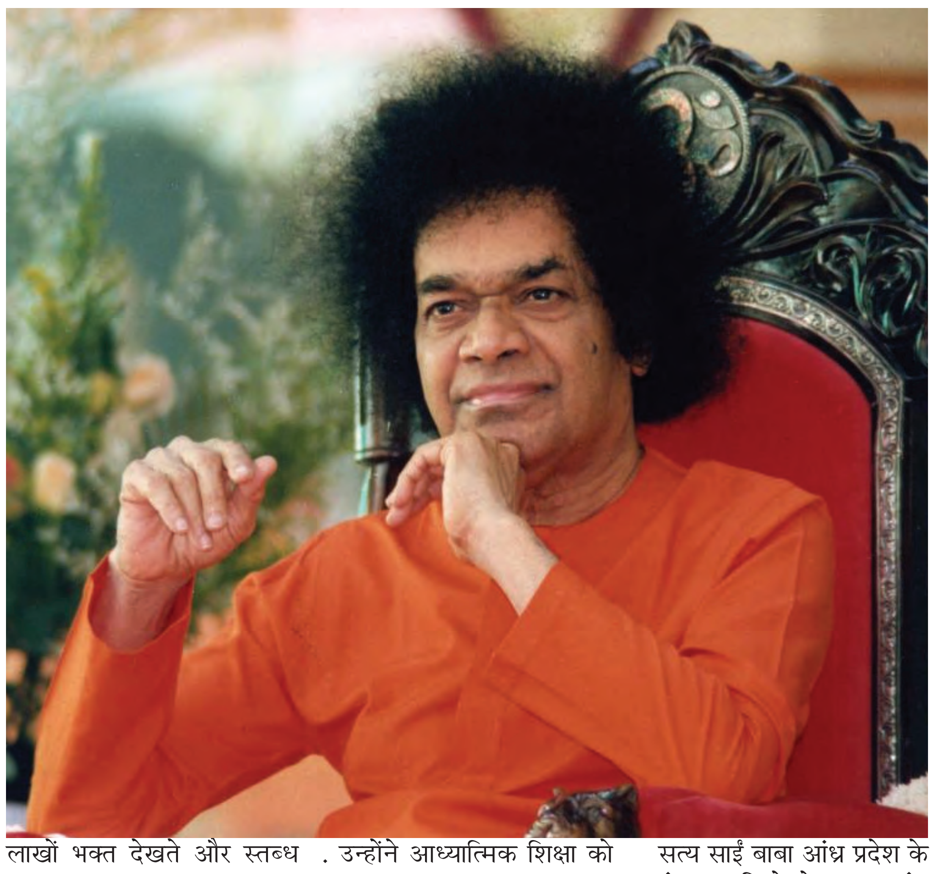

पुट्टपर्थी साईं बाबा दुनिया के सबसे प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरुओं में से थे .उनका सारा जीवन मानवता के लिये समर्पित था .प्रेम ,अहिंसा और निस्वार्थ सेवा का संदेश दिया . उनका मूल संदेश है कि ईश्वर एक है और सभी धर्मों का सार प्रेम और सेवा है उन्होंने प्रेम ,सत्य ,अहिंसा ,शांति और सेवा के पंचशील के सिद्धांत पर बल दिया और कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य यही होना चाहिये . सत्य साईं बाबा के पूरे विश्व भर में करोडों अनुयायी हैं . विश्व के 148 देशों में सत्य साईं केंद्र स्थापित हैं . जहां साईं भक्त सत्य साईं बाबा के आध्यात्मिक नियमों का पालन करते हुए बाबा के संदेशों का प्रसार कर रहे हैं .

बताया जाता है कि 23 मई 1940 को 14 वर्ष की आयु में बाबा ने अपने अवतार होने की घोषणा की उन्होंने कहा कि " मैं शिव शक्ति स्वरूप , शिरडी साई का अवतार हूं. यह कह कर उन्होंने मुट्ठी भर चमेली के फूलों को हवा में उछाल दिया जो धरती पर गिरते ही तेलुगू में "साईं बाबा " लिख गये ." छोटी आयु में अपना घर छोड दिया और कहा कि भक्तों की पुकार उन्हें बुला रही है और उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य उनकी प्रतीक्षा कर रहा है . उनका मानना था कि विभिन्न मतों को मानने वाले अपने – अपने धर्मों को मानते हुए .अच्छे मानव बनें . पूरे देश में मुफ्त ओपन हार्ट सर्जरी की व्यवस्था साई बाबा के अस्पताल में है .

बाबा के सेवा कार्यों ने अपनी अलग पहचान स्थापित की देश विदेश के नामी गिरामी चिकित्सक बाबा के अस्पतालों में मुफ्त सेवाएं देते हैं और उसे अपना अहोभाग्य मानते हैं . बाबा के सामाजिक कार्यों की सूची अंतहीन है. श्री सत्य साईं हायर सेकेंडरी स्कूल ,सत्य साईं इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग की तीन प्रमुख शाखाएं प्रशांति निलियम ,अनंतपुरम , वृंदावन हैं जिसके अंतर्गत कला, विज्ञान ,गणित भाषा ,एम बी ए ,टेक्नालाजी , पीएचडी ,स्पोर्ट्स और रिसर्च की सुविधाएं उपलब्ध हैं . बाबा का व्यक्तित्व चुंबकीय और चमत्कारिक था .जिसको लाखों भक्त देखते और स्तब्ध होते . उनका असली नाम सत्यनारायण राजू था जिनका जन्म 23 नवंबर 1926 को पुट्टपर्थी आंध्र प्रदेश में हुआ था .यह उनका जन्म शताब्दी वर्ष है . उन्होंने आध्यात्मिक शिक्षा को सामुदायिक सेवा से जोडा समाज ,सरकार और संस्था के (35 माडल) के माध्यम से शिक्षा ,स्वास्थ्य और पोषण के माध्यम से बडे पैमाने पर काम किया .

सत्य साईं बाबा आंध्र प्रदेश के अनंत पुर ज़िले के सुदूर गांव पुट्टपर्थी के पेदू वेंकप्पा राजू एवं ईश्वरम्मा की आठवीं संतान थे बताया जाता है कि जिस क्षण बाबा ने जन्म लिया तब घर में रखे सारे वाद्य यंत्र स्वतः बजने लगे . और एक रहस्यमयी नाग बिस्तर के नीचे से फन निकाल कर छाया करता पाया गया .सत्यनारायण भगवान की पूजा का प्रसाद ग्रहण करने के बाद शिशु का जन्म हुआ था इसलिये शिशु का नाम सत्यनारायण रखा गया .बचपन से ही वह प्रतिभा संपन्न थे और ईश्वर स्तुति में आठ वर्ष की उम्र से भजन लिखने लगे .जैसे " साईं साईं बोल " ' हे मां साईं मां " " लागी रे लगन मोहे " " मनसा भजरे गुरुशरणम " " कृष्ण श्री हरि कृष्ण ' और " साईं सत्य स्वरूप हैं " इत्यादि .

उन्होंने अपने प्रवचनों को 16 " वाहिनियों " (धाराओं) के रूप में लिखवाया . जो भगवद गीता ,ध्यान ,और शिक्षा जैसे विषयों पर आधारित हैं . उनके प्रवचनों का संकलन " सत्य साईं बोलते हैं "श्रृंखला के रूप में प्रकाशित हुआ .कहा कि " हमें अपने अंदर के ईश्वर को खोजना है .बाहरी दिखावे में नहीं बल्कि निःस्वार्थ सेवा और विनम्रता से खुद को सुधारते हुए . क्यो कि जीवन एक यात्रा है और अंततः हम स्वयं से स्वयं तक पहुंचते हैं जहां ईश्वर हर पल हमारे साथ होते हैं " . छोटी – छोटी चीज़ों के लिये प्रार्थना करने के बजाये हमें ईश्वर से वही मांगना चाहिये जो वह हमारे लिये सबसे अच्छा समझते हैं क्यों कि वह ही हमारी ज़रूरतें जानते हैं .दुनिया को सुधारने के पहले हमें खुद को सुधरना चाहिये .इससे दुनिया में एक मूर्ख कम होगा और हमारी साधना बढेगी .

जल आपूर्ती के लिये बडी परियोजनाओं को चलाया जो कई स्थानों पर फैली हैं .समस्त मानव जाति के कल्याण की प्रतिज्ञा ली .जो लोग जीवन की राह में भटक गये हैं उनके उद्धार को प्रमुखता दी . गरीबों के दुखों को दूर करने और उनकी कमी को पूरा करने को लक्ष्य बनाया और भक्तों को सही रास्ते पर चलने की शिक्षा दी . 24 अप्रेल 2011 को संसार त्यागा . अपने असंख्य श्रद्धालुओं में अपार श्रद्धा से पूजे गये . अध्यात्म और समाज सेवा को प्रमुखता दी . उनका अभिमत था कि दोनों से मानव हित होगा . इस मत पर ज़ोर दिया कि सत्य , सदाचार ,शांति ,प्रेम और अहिंसा के मूल्यों को सदा संरक्षित और पोषित किया जाए . जिससे साथी मनुष्यों की निःस्वार्थ सेवा हो ,और प्रकृति के साथ सामंजस्य को बना जीवन को खुशहाल बनाया जा सके .

काव्य कुंज

विजय गान

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

नीले सैल पर लगी कचनार
पुष्प-सी खिली प्यारी।
नीले- नीले वसन धारे
बिजली -सी बढती जाती
ललाट पर चमकते उनके
शौर्य की बिंदी न्यारी
एक -एक, चार छः की गिनती
करती मानो तुणीर से बाण निकलते
बॉल और बल्ले के बीच सामंजस्य बिठाती
स्थिर तन स्थिर मन से गंतव्य की ओर नजरे गड़ाती
एक नया इतिहास रचती हमारे देश की बेटियां ॥
ऊर्जा से भरी बेधड़क, बेखौफ,
धैर्य व विश्वास की जामा पहने
दृष्टि अर्जुन -सी एकाग्र गेंद की भाषा जानती समझती
अपने धुन में चलती,
सबके विश्वास को अपने विश्वास में बदलती
कुछ कर गुजरने के जज्बों के साथ आगे बढ़ती
मैच के मैदान में सहस्त्र आंखों की गिनती में
विजय श्री की कामना लिए आगे-आगे बढती।
शत -शत नमन उन मनीषियों को
जिनकी साहस सहजता, सरलता,
संतुलन सामर्थ्य, समर्पण
वह साहस जिसमें पीछे न हटने का भाव हो
दिलाता है वह स्वर्णिम क्षण जिसकी गौरव गाथा,
इतिहास के पन्नों में गढ़ जाती है ।
गौरव के पल यूं ही नहीं आते वो ताजगी फुर्ती
खेल पर पकड़,
समझदारी साथ-साथ चलने की ईमानदारी
एक नहीं ग्यारह हों तो बात बने की धुन,
दिलाती है ऐसी जीत।
तभी तो उन नीली परियों को
सब की नजरों में इतना ऊंचा उठा दिया
कि नीला आसमान भी बोल उठा !! विजयी भवः

जब चाँद हासिल हो जाता है...

प्रियंका सौरभ

जब तक चाँद आसमान में था,
वह सपना था —
हर रात के सन्नाटे में
आशा की एक उजली बूँद-सा टपकता था।
उसकी ओर देख
मन में एक मीठी अधूरी चाह उठती थी
कि बस एक बार उसे छू लूँ,
अपने हिस्से की रौशनी पा लूँ।
पर जब चाँद पास आया,
जब उसकी ठंडक हथेलियों पर उतरी
तो लगा, वह भी साधारण है,
थोड़ा रुखा, थोड़ा अधूरा।
अब उसकी चमक में वो मोह नहीं,
वो आकर्षण नहीं,
जिसकी खातिर रातें जागी थीं।
हर खूबसूरती, जब मिल जाती है,
तो अपनी जादूगरी खो देती है।
शायद इसलिए प्रेम दूर से सुंदर लगता है,
और हासिल होकर थक जाता है।
शायद इसलिए
चाँद को आकाश में रहना चाहिए
और हमें उसकी ओर
सिर्फ़ देखना चाहिए।

मैं दिया हूं...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

कभी कभार कुछ आदतन
बेवजह बीच में कूद जाते हैं
मध्यस्थता के लिए आवाज़
बुलंद करते हैं
हालांकि ,
खिताब महंगा भी पड़ता है
छींके से लटका दिया जाता है
पॉजिटिव एटीट्यूड स्पष्ट है
फिर भी न जाने क्यों बवाल है
मैं दिया हूं , मेरी दुश्मनी तो सिर्फ अंधेरे से है
हवा तो बेवजह ही मेरे खिलाफ है
हालांकि जो भी हो, कारण से अनजान नहीं हैं
पारदर्शिता में कोई सवाल नहीं है
न हूं न हां, सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है
भविष्य को नजरबंद कर दिया जाता है
न जाने किस दिशा में ले जाएंगे
प्रश्नचिन्हों का व्याकरण है
मैं दिया हूं...
हार्दिक इच्छा
सर्वे भवन्तु सुखिनः का दीप जलाना चाहता हूं
वसुधैव कुटुंबकम् मार्ग प्रशस्त करना चाहता हूं
न जाने क्यों बीच दीवार तनी सी है
कुछ भी पूछो , रक्त से शमशीर सनी सी है
किसी भी तर्क से चलूं ,
जी का जंजाल है
मैं दिया हूं...

वही देशभक्त क्रांतिकारी कहलाता है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

सर पे कफ़न और कर्तव्य साधना ,
संग ले चलता है जो,
वही देशभक्त ,
क्रांतिकारी कहलाता है।।
बहु मुश्किलों की आँधियों को
,मुट्ठी में बाँध बढ़ता है जो,
वही देशभक्त ,
क्रांतिकारी कहलाता है।।
हिल उठा देख सिंहासन जिसे व स्वयं आगे चलता है जो,
वही देशभक्त , क्रांतिकारी कहलाता है।।
अंधविश्वास की बेड़ियों को तोड़ ,सदा आगे बढ़ता है जो,
वही देशभक्त ,क्रांतिकारी कहलाता है।।
क्रूर होकर भी जो अहं को , खूटियों पर टाँग दे
सभी दिल में देशराग के , हुनर को झट टाँक दे
इंसानियत के यज्ञ में , भवगीता को जो बाँच दे
भाषाओं के गुलदस्ते को , एक सूत्र में बाँध दे
बुद्ध-राम औ कृष्ण के,विचारों का मंथन कर,बढ़ता है जो,
वही देशभक्त , क्रांतिकारी कहलाता है।।
सुप्रेम को पूजा समझ कर , धर्म को आधार दे
जो हृदय की वर्तिकाओं में,व्योम सा विस्तार दे
जो क्षितिज की सीमाओं को , दूर से ही नाप ले
दुश्मन की रण- योजना को , पूर्व में ही भाँप ले
दस्तावेज,व्यक्त कर संवेदना , नव वक्त पे लिखता है जो,
वही देशभक्त , क्रांतिकारी कहलाता है।।
अपमान माँ भारती का, न भूलकर भी सह सके
देख कर बेचैन धरती,जिन्दा न खुद भी रह सके
भारत पर हर हाल , मिटने के लिए तैयार हो
जो हृदय इंसानियत के ,नव राग का आधार हो
हरित किसान क्रांति की , आवाज़ पर मुहर लगाता है जो,
वही देशभक्त , क्रांतिकारी कहलाता है।।

जख्म

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

जख्म सह कर भी हम मुस्कुराते रहे
दर्द को अपने दिल में छुपाते रहे ।
चैन फिर भी ना आया तेरी रूह को
एक से बढ़ के तुम एक पीड़ा देते रहे।
मैंने उसको भी अपने लगाया गले
फिर भी तुमको कहा ना कभी कुछ प्रिय ।
चैन आया नही दिल को मेरे कभी
फिर भी हँसते सदा मुस्कुराते रहे ।
तुमसे ये भी सहन हो सका ना कभी
तुम मेरी रूह को छलनी करते रहे । ।
तुमने चाहा हमेशा दुःखी देखना
सजदा फिर भी सदा हम यूं करते रहे ।
रास ये भी नहीं आया तुमको प्रिय
मेरी राहों में कांटे बिछाते रहे । ।
आरियां दिल पे तूने चलाई बहुत
फिर भी हम प्रेम के गीत गाते रहे ।
देख इसको भी तुम बौखला से गए
साजिशें जमके फिर तुम तो करने लगे । ।
दिल के सुख चैन सब ही खत्म कर दिए
फिर भी संगीत को हम सजाते रहे ।
इतना करके भी जब तेरा जी ना भरा
चाल पे चाल फिर तुम तो चलने लगे । ।
भूलकर भी गली मेरे आना नहीं
हम मिलेंगे ना अब तुमको उस मोड़ पर
छोड़ आए वो गलियां पुराने सभी
हाथ जिस दिन छुड़ा कर चले तुम गए । ।
ख्वाब मे भी ना आना कभी तुम प्रिय
भूल बैठी मैं तुमको सदा के लिए ।
रहना खुशहाल तुम अपने अपनों के संग
ये दुआ तुमको हरदम हम देते रहे । ।
जख्म सहकर भी हम मुस्कुराते रहे
दर्द को अपने दिल में छुपाते रहे ॥

ग़ज़ब

हेमंत सुराना,
उदयपुर

ग़ज़ब का तमाशा है उम्मीद का,
ठगे जा रहे हैं रोज़
फिर भी एक आशा है,
फिर भी एक अपेक्षा है
ना नींद पूरी होती,
ना ख्वाब पूरे होते
खुशी जल्दी में रहती,
गम ठहर जाते
कई उम्मीदें यहाँ टूटी है,
कई ख्वाब यहाँ जले हैं
अजब गज़ब इस दुनिया का नजारा
प्यार में जन्नत दिखा देते,
नफरत में औकात भी
मुस्कुराहट में दर्द छुपा लेते,
नया कल दिखा कर आज को छीन लेते
वाकिफ़ अगले पल से नहीं,
वादे जिंदगी भर के कर लेते
साथ छोड़ देते, मगर जिद नहीं,
याद करते हैं, मगर बात नहीं
उदास होने का कोई सबब नहीं,
बड़े गज़ब ये किरदार है,
बड़े गज़ब ये किरदार है ।

मानवीय संबंध

संजीव ठाकुर,
रायपुर

मानवीय संबंध जैसे ओस की बूँद।
कभी लगता जीवन के हर पल
अपने हो जाते,
जब कोई आँख बिना
बोले मुस्कुरा देती ,
जब किसी की हथेली
से छूकर गुजरती हवा,
अंतस में एक खुशबू
नम,नर्म,अनकही।
मानवीय संबंधजैसे ओस की बूँद,
जो गिरती नहीं, बस थिरकती किसी पंखुड़ी पर
उसका होना ही है कविता , उसका मिट जाना
एक अधूरी पंक्ति।
रिश्ते तितलियों के पंख , रंगों से भरे, हल्के
छू लो तो उड़ जाते, देखो तो मन में बस जाते।
कभी दीपक की लौ-सामौन स्पर्श करते ,
कभी चाँदनी की कोमल धारा बन
आँखों में उजाला भर देते इनके बिना जीवन सूना ,
जैसे स्याही बिना अक्षर,या धड़कन बिना ध्वनि।
पर जब स्वार्थ की हवा चलती ,
तो सब कुछ बिखर जाता
मोती अपने धागे से, पंखुड़ियाँ अपने फूल से,
भँवरे भी तब गीत भूल जाते और उस क्षण,
मन में बस एक नमीं उतरती
जो भीतर तक चुप हो जाती ।
फिर भी, कोमल मुस्कान का एक स्पर्श
फिर से जगाता उजाला, जैसे टूटी हुई दीवार
पर चढ़ आता सूरज, बस इतना ही काफी
कि जीवन फिर अंकुरित हो,
और आत्मा, बिना किसी शब्द के,
कह उठे अब भी प्रीत है शेष
मैं अब भी जीवित हूँ।

सोने- पे- सुहागा

टी तारासिंह
हैदराबाद

कुछ सपने टूट गये
दिल को मायूस कर गये
रूला कर गये , दर्द दे गये
अखियो के आंसू रूकते नही
सपने जो सजाकर रखे थे
सबके सब टूट गये
अगर सपने सबके सब सच होते
तो दिल मायूस न होता
कभी न रोते , कभी दर्द न होता
अखियो मे हमेशा खुशियां रहती
जीवन भर हसते ओर खुश रहते
ओर गिला किससे कुछ भी नही करते
गिला है अब बस उमर ढल जाने का
जीवन मे साथ हो कोई हमसफर का
तो जिंदगी सोने- पे - सुहागा हो जाती ।।

तुम

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

तुम मेरा आज हो
और कल भी तुम्हीं,
तुम हो कविता मेरी
और गज़ल भी तुम्हीं।
तुमको यों छोड़कर
क्यों मैं तीरथ करूं,
तुम हो संगम मेरा
गंगाजल भी तुम्हीं।
न है तुम सा कोई और न होगा कभी,
तुम हो ओरिजिनल और नक़ल भी तुम्हीं।
मैंने झेली हैं दुश्वारियां बेमिसाल,
मेरी दुश्वारियों का हो हल भी तुम्हीं।
ज़िन्दगी की क्रिकेट में अम्पायर
हो तुम, बैट हो तुम मेरा बाल भी हो तुम्हीं।
चौके छक्के तो स्कोर हो न सके,
तुम हो सिंगल मेरा और डबल भी तुम्हीं।
मैथ्स मैंने पढ़ाया है बरसों
मगर, प्रश्न हो तुम मेरा और हल भी तुम्हीं।
ली है ईश्वर ने अपनी परीक्षा
बहुत,मैं तो असफल रहा पर सफल हो तुम्हीं।
ध्यान एक एक मेरे पल का रखती
हो तुम, तुम हो एकल मगर हो सकल भी तुम्हीं।
खेत में ज़िन्दगी के पड़ीं बीज बन,
तुम हो खेती मेरी और फ़सल भी तुम्हीं।
तुमने बग़िया सजाई है मन की मेरे,
जान भी हो मेरी और दिल भी तुम्हीं।

चंचल-चपल लड़कपन

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

न कोई मुखौटा है,
न ही कोई बनावटीपन,
ताज़ा तरीन
और मासूम सा है चुलबुलापन,
अठखेलियां करता,
इठलाता सा ये बचपन,
चंचल-चपल-निश्छल
सा है ये लड़कपन।
होता, शुद्ध स्वच्छंद वायु के वेग सा यह स्पंदन,
नहीं होता भाव और भाषा में कोई दोगलापन,
जो दिल में आया वो कह दिया,
जो मन को है भाया, वो कर लिया।
न कोई उलझन,न कोई परेशानी,
न कोई शिकवा,न कोई नाफरमानी,
है एक रूबाई, एक ग़ज़ल, एक मधुर संगीत,
होती लड़कपन की बड़ी शोख सी कहानी।।
कितना अद्भुत है शैशव और यौवन के,
मध्य का ये सुमधुर अंतराल,
क्या खूब होता,ग़र ये मासूमियत, ये भोलापन,
उम्र के हर पड़ाव के साथ रहता बरकरार,
निरंतर साथ चलता हम सभी के,
यह सुनहरा -रुपहला बाल्यकाल ।।।

मेरे इष्ट देव

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

इष्ट देव दिल में बसे है मेरे।
रात दिन जपूं नाम मैं तेरे।
कोई एक नाम नहीं है प्रभु का,
सहस्त्रों नाम है जग में तेरे।
हरेक दुःख से मुझे उबारे।
एक तुम हो सच्चे सहारे।
बाकियों से नाता दिखावे का,
तुम ही मेरे प्रीतम प्यारे।
सभी रिश्ते झूठे हैं।
गरज खत्म तो टूटे है।
गरीबी में कोई साथ नहीं देता,
तुम ही मेरे खूंटे है।
कहां जाऊं किधर जाऊं।
तुम ही मेरे अपने हो।
तेरी माया तेरा संसार,
सब ही बस सपने हो।
कोटि कोटि प्रणाम चरणों में।
पड़ी हूं कान्हा के कदमों में।
वंदन अभिनंदन स्वीकार करो,
बहकी हुई हूं दुनिया के सदमों में।
मेरी नैया तारो राम।
भंवर में फंसी उबारो राम।
आओ बैठो खीर पवाओ राम।
दुनिया से मुझे नहीं कोई काम।

चिराग जलाता जा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

रात बाकी और है
आस की डोर है,
न घबरा रात से,
उजाले की ओर है,
आधी बीत गई,
आधी बीत जाएगी,
सूर्य की नई किरणें,
नया सवेरा लाएगी,
आज मजबूर तो क्या,
नयन नींद दूर तो क्या,
सोने को पड़ी जिंदगी,
अभी चाहिए संजीदगी,
तूफ़ान को झेलना है,
बाधा से मुँह न फेरना है,
दे कठिन इम्तिहान,
धैर्य का दामन थाम,
तिमिर भगाने को चिराग जलाता जा।

मासिक है तो जगत है

सुनिल चौरसिया,
उत्तरप्रदेश

खून खून सब एक है,
हो मासिक या आज।
मासिक से जीवन खिले,
इस पर करना नाज़।।
मानस मंदिर में जले,
मासिक के लघु दीप।
कुल का दीपक जल उठे,
सावन मोती सीप।।
जस रजनी की कोख से, भया उषा का लाल।
तस मासिक के स्रोत से, जीवन-सुमन रसाल।।
मासिक है तो जगत है, मासिक से सब होय।
मासिक में मनवा रमे, बिनु मासिक मन रोय।।
दुःख में पीड़ा होत है, दुःख चाहे ना कोय।
दुखद मासिक सुखद लगे, यह दुःख सबको होय।।
रूह राजी रह रज में, रोज़ रज़ा में राज।
राजा अंक सूना, जब, सजे न रज का साज़।।
मासिक में भी धर्म है, करें धर्म के काज।
सावन पावन खून ही, रखे कोख की लाज।।

फिर वही बच्चे बन जाएँ

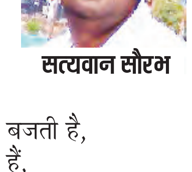

सत्यवान सौरभ

कभी गुल्लक में खनकते थे सपने,
अब स्क्रीन पर
फिसलते हैं उँगलियाँ।
कभी मिट्टी में
खिलती थी ख़ुशबू,
अब ए.आर. में
दिखती हैं तितलियाँ।
पाठशाला की घंटी अब
ऑनलाइन नोटिफ़िकेशन सी बजती है,
शरारतें 'इमोज़ी' में सिमटती हैं,
हँसी अब 'रील' में सजती है।
चॉक-डस्ट उड़ती थी, जब मास्टर जी पढ़ाते थे,
अब टैबलेट चमकता है, जब बच्चे सिर झुकाते हैं।
खेल के मैदान में जोश की आवाज़ गूंजती थी,
अब "गेम-ज़ोन" में साइलेंट जीत मिल जाती है।
पर फिर भी —
हर मासूम आँख में वही जिज्ञासा है,
हर धड़कन में वही भविष्य की भाषा है।
बस ज़माना बदल गया है थोड़ा,
पर 'बालपन' आज भी सबसे प्यारा रिश्ता है।
चलो, आज बाल दिवस पर
एक पल को फिर वही बच्चा बन जाएँ,
मिट्टी में उँगली घुमाएँ,
और दिल से खिलखिला जाएँ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

ज्यादा सीटें जीतकर भाजपा ने परिदृश्य बदल दिया

बिहार चुनाव के नतीजों से अगर कोई एक सबक सभी राजनीतिक दल सीख सकते हैं तो वो यह है कि मतदाता अत्यधिक नकारात्मकता और लोकप्रिय नेताओं पर हमले पसंद नहीं करता। चुनावों के दौरान, सबसे मुखर नेता राहुल गांधी थे, जिन्होंने वोट चोरी को लेकर खूब हंगामा किया और प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत हमले किए।

वे बिहारी मतदाताओं को बता रहे थे कि आपके वोट ने उसे चुना है, जिसे आपने वोट नहीं दिया था! चूंकि 2020 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर बहुत कम मतदाताओं का वैसा मानना था, जैसा राहुल बता रहे थे, इसलिए उन्हें एहसास हुआ कि वे अति कर रहे हैं।

दूसरा बिंदु यह है कि इस बार चुनाव सर्वेक्षणकर्ताओं ने दिशा तो सही बताई, लेकिन मतदाताओं के मूड की गहराई को समझने में चूक की। सच तो यह है कि जब मतदाता मन बना लेता है तो वह निर्णायक रूप से एक ही दिशा में जाता है। इस मामले में महिलाओं का वोट- जो इस बार पुरुषों से ज्यादा था- निर्णायक रूप से नीतीश को गया। चूंकि प्रधानमंत्री की महिला मतदाताओं के बीच भी सकारात्मक छवि थी, इसलिए लड़ाई का फैसला अनिवार्य रूप से जातिगत सीमाओं से परे महिला मतदाताओं ने किया है। सवाल यह है कि मतदाताओं ने एक बार फिर ऐसे मुख्यमंत्री को क्यों चुना, जो कई बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं?

इसके जवाब में मतदाताओं की मंशा पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता होगी। लेकिन एक बात उनके मन में जरूर आई होगी : जब राज्य विकास के मोर्चे पर कुछ नतीजे दिखाने लगा है, तो ऐसे विपक्षी गठबंधन को चुनकर सारे लाभ खोने का जोखिम क्यों उठाया जाए, जो पूरे समय केंद्र से लड़ता रहेगा? बिहार को केंद्र और राज्य दोनों को एक ही दिशा में खींचने की जरूरत है।

दो और बातें ध्यान देने योग्य हैं। पहली, 2020 में जब चिराग पासवान ने नीतीश विरोधी अभियान शुरू किया था, तो उसके विपरीत इस बार एनडीए के सभी सहयोगी एकजुट होकर काम कर रहे थे। यह इंडिया गठबंधन के विपरीत था, जिसमें कांग्रेस और राजद के बीच सीएम के चेहरे को लेकर लंबे समय तक मतभेद रहे थे। दोनों सहयोगी अलग-अलग मुद्दों पर जोर दे रहे थे। इससे भी बुरी बात यह है कि एआईएमआईएम ने सीमांचल में मुस्लिम वोट का एक बड़ा हिस्सा छीन लिया। यह तथ्य कि कांग्रेस को एआईएमआईएम से भी कम सीटें मिलीं, अपनी कहानी खुद बयां कर देता है।

इस बार के चुनाव में प्रशांत किशोर एक नया चेहरा थे। चुनाव से पहले उन्हें खूब प्रचार-प्रसार तो मिला, लेकिन वे बुरी तरह से फ्लॉप हो गए। वे एक भी सीट नहीं जीत पाए और चुनाव से पहले की उनकी सभी साहसिक भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं। ये नतीजे बताते हैं कि मीडिया में छाए रहने से बात नहीं बनती।

चुनाव से पहले, प्रशांत किशोर कई टीवी और यूट्यूब चैनलों पर बता रहे थे कि उनके उदय से कौन प्रभावित होगा और नीतीश कुमार कैसे चुनाव हार सकते हैं। हुआ ठीक उल्टा। मीडिया ने उन्हें उकसाया और वे उसके झांसे में आ गए। खुद चुनाव नहीं लड़ने के उनके फैसले से भी उनकी छवि को कोई फायदा नहीं हुआ। या शायद हो सकता है कि उन्होंने पहले ही खतरे का अंदाजा लगा लिया हो।

लेकिन बिहार चुनाव से सबसे ज्यादा फायदा भाजपा को हुआ है। अब दिल्ली में उसके गठबंधन को कोई खतरा नहीं है, जिसमें जदयू एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। लेकिन साथ ही, जदयू पर अपनी बढ़त बनाकर उसने यह भी साफ कर दिया कि नीतीश के बाद बिहार में वही मुख्य राजनीतिक धुरी बनेगी।

हालांकि, जदयू से ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद भाजपा नीतीश को अस्थिर नहीं करना चाहेगी, क्योंकि उनकी मौजूदगी उसे बिहार में अल्पसंख्यकों तक पहुंचने का मौका देती है। भाजपा अभी कोई दांव नहीं लगाना चाहेगी। लेकिन वह शायद कुछ बड़े मंत्रालय और 2029 में लोकसभा सीटों का बड़ा हिस्सा मांग सकती है।

तेजस्वी के लिए सबक गंभीर हैं। नीतीश की सुनामी में न सिर्फ उन्होंने अपनी सीटें गंवाई, बल्कि चुनाव से कुछ हफ्ते पहले तक राहुल गांधी के पीछे रहकर उन्होंने साफ तौर पर एक गलती की। उन्हें अभी बहुत कुछ सीखना है कि किस पर भरोसा करना है और किसे दरकिनार करना है।

अब दिल्ली में भाजपानीत गठबंधन को कोई खतरा नहीं है, जिसमें जदयू एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। साथ ही, जदयू पर अपनी बढ़त बनाकर भाजपा ने यह भी साफ कर दिया कि नीतीश के बाद बिहार में वही मुख्य राजनीतिक धुरी बनेगी।

बिना लहर के जीतने की कला

मोदी-नीतीश की जोड़ी ने बिहार चुनाव में कैसे कर दिया कमाल?

भारतीय चुनावों को आम तौर पर एक ही तरीके से समझाया जाता है, किसी के जीतने या हारने को 'लहर' से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि जब बड़ा जनमत बदलता है या कोई नेता अचानक बेहद लोकप्रिय हो जाता है, तभी बड़ी जीत मिलती है। लेकिन बिहार का 2025 चुनाव इस पुराने ढांचे को चुनौती देता है। यहां एनडीए ने भारी जीत तो हासिल की, लेकिन बिना किसी लहर के। हर सीट पर मुकाबला कड़ा था, फिर भी परिणाम एकतरफा निकला।

यह वही बदलाव है जो महाराष्ट्र और हरियाणा में दिखाई दे चुका है। बीजेपी अब बड़े तेवर या तीखी लहरों के भरोसे जीतने वाली पार्टी नहीं रह गई है। वह अब मेहनत, सूझ-बूझ और रणनीति के सहारे करीबी मुकाबलों में भी बाजी मारने लगी है। जैसे टेस्ट मैच की टीम पिच और हालत को समझकर धैर्य से खेलती है, पर आखिर में टी-20 अंदाज में तेजी से मैच खत्म कर देती है। बिहार में भी यही हुआ- बूथ स्तर पर अनुशासन, वोटिंग मैनेजमेंट, और काउंटिंग के आखिरी राउंड तक दबाव बनाए रखते हुए जीत हासिल हुई।

इस चुनाव को असल में मध्य मतदाता ने तय किया यानी वह मतदाता जो न ज्यादा शोर मचाता है, न सोशल मीडिया पर राय देता है, न लगातार राजनीति की बात करता है। वह न ज्यादा कट्टर होता है, न बहुत भावुक। उसे स्थिरता चाहिए—विश्वसनीय कल्याण योजनाएं, कानून-व्यवस्था, और महिलाओं की सुरक्षा। इस बार एनडीए ने उसे वही भरोसा दिया। महागठबंधन ने गुस्से और असंतोष को तो उठाया, भीड़ भी जुटाई, पर मनाने की कला में कमी रह गई। शिकायतों को उठाना और लोगों को समझा लेना- दोनों अलग बातें हैं। इस चुनाव में भरोसा जीतने वाला ही जीता।

बिहार का चुनाव बड़ा संकेत

बिहार का चुनाव एक और बड़ा संकेत देता है। 2024 के राष्ट्रीय नतीजों के बाद बीजेपी ने अपनी राजनीति शांत ढंग से बदली है। अब वह यह मानकर नहीं चल रही कि नरेंद्र मोदी हर जगह एक ही तरह का असर डालेंगे। पार्टी अब ज्यादा क्षेत्रीय, ज्यादा संघीय और ज्यादा लचीली रणनीति अपनाने लगी है। हर राज्य की अपनी राजनीतिक भाषा होती है, महाराष्ट्र अलग, हरियाणा अलग, बिहार बिल्कुल अलग। बीजेपी ने खुद को इन भाषाओं के मुताबिक ढालना सीख लिया है—जैसे एक ही ब्रांड अलग देशों में अलग स्वाद का बर्गर बेचता है, पर ब्रांड वही रहता है।

बीजेपी-जेडीयू की जुगलबंदी

बिहार में यही हुआ। जनता के सामने कहानी पेश करना जेडीयू ने संभाला, और संगठनात्मक काम बीजेपी ने किया। महिलाओं की योजनाएं, ईबीसी और महादलितों को एकजुट करना, पोस्टल बैलेट का मैनेजमेंट, और उन सीटों पर कड़ी मेहनत जहां जीतें-हारें कुछ सौ वोटों का फर्क हो। यही एनडीए की असली ताकत बनी।

भरोसे का नाम नीतीश कुमार

इस जीत में एक नाम बार-बार उभरता है नीतीश कुमार। भले ही विरोधियों ने उन्हें हल्का समझ लिया था, पर वे स्थिरता, महिलाओं की सुरक्षा और बुनियादी व्यवस्था के प्रतीक के रूप में घूमे। उनके नाम पर साइकिल, स्कूली यूनिफ़ॉर्म, गैस सब्सिडी, और सुरक्षा की भावना अब भी महिला मतदाताओं को भरोसा देती है। एनडीए की जीत को नीतीश के लंबे समय में बनाए सामाजिक गठजोड़ की पुनर्पुष्टि भी समझना चाहिए।

एनडीए का प्रदर्शन सबसे मजबूत कहां रहा?

एक और बात साफ़ दिखाई दी। एनडीए का प्रदर्शन वहां सबसे मजबूत रहा जहां मुकाबला कड़ा था: शहरी इलाक़े, उच्च मतदान वाले बूथ, और महिलाएं अधिक संख्या में वाले क्षेत्र। यह साफ संकेत है कि एनडीए अब एक नई चुनावी कला पर काम कर रहा है। ऊपर से रणनीति, नीचे से क्षेत्रीय रंग, और पूरी तरह पेशेवर तरीके से वोटों को वोट में बदलना। बिहार का यह चुनाव बताता है कि अब राजनीति सिर्फ भीड़, नारे या उग्र बहसों से नहीं जीती जाती। यह नए दौर की राजनीति है-ज्यादा संघीय, ज्यादा धरातल से जुड़ी, ज्यादा तकनीकी। यहां मतदाता भावनाओं से कम और भरोसे से ज्यादा प्रभावित होता है खासकर वह शांत, मध्यम, जोखिम-नापसंद मतदाता, जिसे स्थिरता चाहिए।

बिहार में महागठबंधन की हार का क्या होगा असर?

2014 और 2019 लोकसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद विपक्षी पार्टियां हताश हो चुकी थीं। ऐसे में उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले खास रणनीति तैयार की। उस समय देशभर की विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया ब्लॉक बनाया, जिसका आम चुनाव में खासा असर भी नजर आया। कई राज्यों में इंडिया गठबंधन ने मजबूत दावेदारी की। हालांकि, उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक की मजबूती पर सवाल उठने लगे। ऐसा इसलिए क्योंकि गठबंधन के बावजूद इंडिया ब्लॉक में शामिल दल कई सीटों पर भिड़ते नजर आए।

चाहे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हो या दिल्ली या फिर बिहार, सभी राज्यों में चुनाव नतीजों ने विपक्षी गठबंधन को जोर का झटका दिया। जिस तरह से बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, उसके इंडिया गठबंधन की मुश्किलें बढ़ती भी दिख रही हैं।

इस गठबंधन के सामने 'इंडिया' के विचार को फिर से परिभाषित करने की चुनौती खड़ी हो गई है। यह गठबंधन कई प्रतिस्पर्धी सहयोगियों से भरा है। इसने ऐसे फॉर्मूले निकाले जिससे सदस्य एक-दूसरे का समर्थन कर सकें, भले ही कभी-कभी उनके बीच मतभेद उभर आते थे।

कहां चूक गया महागठबंधन

पिछले साल झारखंड और जम्मू-कश्मीर में इस फॉर्मूले ने काम किया। हालांकि, महाराष्ट्र में यह गठबंधन शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के बीच आपसी झगड़े के कारण सफल नहीं हो सका। बिहार में विपक्षी गठबंधन के लिए एक बड़ी परीक्षा थी। यहां मुख्य भूमिका निभाने वाली आरजेडी को कांग्रेस, वामपंथी दलों और जातिगत समीकरणों पर आधारित पार्टियों को साथ लेकर जेडीयू-बीजेपी गठबंधन को चुनौती देनी थी। लेकिन यह प्रयास विफल रहा।

बंगाल-तमिलनाडु पर क्या होगा असर

इस असफलता से विपक्षी दलों के सामने सवाल खड़े हो गए हैं, खासकर तब जब बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में इंडिया गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण मुकाबले इंतजार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस गठबंधन में कोई खास मदद नहीं कर सकती। उन्होंने 2024 के चुनाव की बात दोहराई, जब दोनों पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर एक ही गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद एक-दूसरे के खिलाफ लड़ी थीं।

ममता का पहले से ही है क्लीयर प्लान

कांग्रेस के सामने तत्काल चुनौती पश्चिम बंगाल को लेकर है। उसे यह तय करना है कि वह ममता बनर्जी पर निशाना साधे या बीजेपी पर। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच एक बड़ा वर्ग है, जो अल्पसंख्यक आबादी का है। यह कांग्रेस के लिए एक गंभीर दुविधा पैदा करेगा। कांग्रेस ने अन्य राज्यों में ऐसे 'धर्मनिरपेक्ष' प्रतिद्वंद्वियों को बीजेपी की 'बी-टीम' कहकर खारिज कर दिया है।

तमिलनाडु में क्या स्टालिन संग बनेगी बात

तमिलनाडु की स्थिति भी दिलचस्प है। वहां गठबंधन लगभग तय है। कांग्रेस के बड़े नेता और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के बीच अच्छे संबंध हैं। लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कांग्रेस पार्टी डीएमके के 'बड़े भाई' वाले रवैये से नाराज है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं की मांग है कि साझेदारी की शर्तों को फिर से फाइनल किया जाए। कांग्रेस का तर्क है कि अगर एआईडीएमके के नेतृत्व में कोई संयुक्त विपक्ष बनता है, तो उसका 8 फीसदी वोट डीएमके के लिए महत्वपूर्ण होगा।

कांग्रेस क्या त्याग के लिए होगी तैयार

ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ लोग बिहार में महागठबंधन की हार के पीछे सहयोगी दलों में विश्वास की कमी को ही मुख्य वजह मान रहे हैं। जिस तरह से चुनाव प्रचार और संयुक्त रणनीति की योजना में देरी हुई, कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीटों पर कड़ा मोल-भाव हुआ, इसे ही हार का जिम्मेदार ठहराया जा रहा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर इंडिया ब्लॉक को मजबूत उपस्थिति दर्ज करानी है और गठबंधन को पटरी पर लाने के लिए कांग्रेस को 2024 की तरह त्याग के मोड में लौटना पड़ सकता है।

हैदराबाद के निजाम की अधूरी प्रेम कहानी

मुमताज बेगम बन गईं थी अहम हिस्सा

हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान अपने समय के सबसे दौलतमंद और प्रभावशाली शख्स माने जाते थे। उनकी तस्वीर तक अमेरिका की टाइम मैगजीन ने अपने कवर पर छापी थी। लेकिन दौलत और ताकत के साथ-साथ उनके इश्क के किस्से भी कम चर्चित नहीं रहे। कहा जाता है कि निजाम का दिल अक्सर दरबारी कलाओं से जुड़ी महिलाओं पर आ जाता था। इसी दौरान उन्हें लखनऊ की मशहूर तवायफ मुमताज से गहरा प्रेम हो गया।

मुमताज की खूबसूरती और अदाओं ने निजाम को इस कदर दीवाना बना दिया कि उनका जिक्र हैदराबाद के दरबार से लेकर ब्रिटिश अधिकारियों की रिपोर्टों तक में मिलने लगा। उस समय उनकी दो शादियां हो चुकी थीं, लेकिन दोनों रिश्तों में समय के साथ दूरी आ गई। ऐसे में निजाम का ध्यान धीरे-धीरे संगीत, नृत्य और कलाओं से जुड़ी महिलाओं की ओर बढ़ने लगा। मुमताज के साथ उनका रिश्ता गहरा तो था, लेकिन शाही नियम और राजनीतिक दबावों के कारण यह प्रेम आगे नहीं बढ़ पाया। फिर भी ये इश्क आज भी इतिहास में एक चर्चित कहानी के रूप में याद किया जाता है। जो सिर्फ अधूरी ही रह गई।

उनके जीवन में आईं मुमताज बेगम, लखनऊ की वो तवायफ जिसने निजाम का दिल जीत लिया। मुमताज बेगम लखनऊ की प्रसिद्ध तवायफ थीं, जो सूफियाना संगीत और ठुमरी में संपूर्ण थीं। कहा जाता है कि 1910 के दशक में निजाम ने लखनऊ में एक दरबारी महफ़िल में उनकी गायकी सुनी। वो आवाज इतनी गूंजदार और दर्दभरी थी कि निजाम ने तुरंत कह दिया, "यह आवाज हैदराबाद की रातों में गूंजनी चाहिए।" किताबों के अनुसार निजाम की पहली मुलाकात मुमताज बेगम से सन 1912 में लखनऊ में हुई। उस समय निजाम करीबन 26 वर्ष के थे। मुमताज बेगम की उम्र लगभग 16-17 वर्ष थी। कहा जाता है कि वह उनकी सुंदरता, तहजीब और गायन-नृत्य कला पर इतने मुग्ध हुए कि उनसे प्यार करने लगे।

मुमताज बेगम बुलाई गई हैदराबाद

कुछ महीनों बाद निजाम मुमताज बेगम को गुप्त रूप से हैदराबाद लेकर आए। उनके रहने के लिए एक खास महलनुमा निवास तैयार किया गया, जिसे बाद में मुमताज मंजिल नाम दिया गया। यह इमारत आज भी अफजलगंज इलाके में वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज है, हालांकि समय के साथ इसकी हालत काफी खराब हो चुकी है।

हैदराबाद पहुंचने के बाद मुमताज बेगम हर शाम निजाम की निजी महफिलों का हिस्सा बनने लगीं। इन महफिलों में कव्वाली, ठुमरी, सूफियाना संगीत और शेर-ओ-शायरी का माहौल रहता था। मुमताज की आवाज और उनके व्यवहार ने निजाम को और दीवाना बना दिया। उन्होंने उनके लिए सोने-चांदी से जड़े खास गहने बनवाए, जिनमें कोहिनूर नकली कॉपी वाला एक अनमोल हार भी शामिल था।

इतिहासकारों के अनुसार, लखनऊ में मुमताज बेगम भले ही एक मशहूर तवायफ थीं, जिनकी महफिलों में रईस जमींदार, बड़े व्यापारी और ब्रिटिश अफसर आया करते थे, लेकिन निजाम से पहले उनके किसी खास प्रेम-संबंध का पुख्ता जिक्र नहीं मिलता।

ब्रिटिश अफसरों को इस इश्क पर हुआ एतराज

ब्रिटिश रेजिडेंट की 1933 की एक रिपोर्ट में दर्ज है कि "निजाम एक तवायफ पर अनुचित ध्यान दे रहे हैं, जो उनके निजी कक्ष में सूफी गजलें गाती है।" यह रिश्ता दरबार और अंग्रेज अधिकारियों के लिए असहज था, क्योंकि एक राज्य प्रमुख का तवायफ से प्रेम शासन की मर्यादा के खिलाफ माना जाता था। ब्रिटिश अफसर इसे राजगद्दी का अपमान तक समझते थे। मुमताज बेगम धीरे-धीरे निजाम की जिंदगी का हिस्सा बनती चली गईं। कहते हैं निजाम जब किसी राजनीतिक संकट से परेशान हुआ करते थे, तो सीधा मुमताज के पास भागते थे। वो उन्हें सूफी शेर सुनाती थी। प्यार में पागल निजाम ने उनके नाम पर एक वक्फ ट्रस्ट बनाया।

हालांकि निजाम ने कभी ऑफशियल रूप से मुमताज को ''बेगम'' का दर्जा नहीं दिया, वो ऐसा करना तो चाहते थे, लेकिन दरबार और ब्रिटिश सरकार को इससे कड़ी आपत्ति थी। वो ये भी मानते थे अगर उन्होंने तवायफ मुमताज को बेगम बना दिया तो सिर पर रखे ताज की बदनामी होगी। मुमताज एक तरह से हैदराबाद में ही बस गईं। निजाम के साथ रोज उनकी महफिलें देर रात तक जमा करती थीं। इस तरह लोग बातें बनाने लगे।

फिर एक दिन ऐसा आया जहां 1940 में मुमताज बेगम को हैदरबाद छोड़ने का आदेश दे डाला। क्योंकि निजाम पर राजनितिक चीजों पर ध्यान ना देने को लेकर आरोप लगने लगे। कहा जाने लगा निजाम इस कदर मुमताज के इश्क में पड़ गए कि उनका मन राजकाज में लगता ही नहीं था। खैर बुझे हुए मन के साथ निजाम ने मुमताज को विदा कर दिया, उदास मुमताज ने हैदरबाद को छोड़ दिया। इसके बाद निजाम उस्मान अली खान ने जीवन के आखिरी सालों तक में किसी और महिला को अपने महल में जगह नहीं दी थी।

ठहराव और बदलाव से जुड़े हैं बिहार चुनाव के अहम संदेश

बिहार चुनाव से कई ऐसे संदेश निकले हैं, जिनके दूरगामी असर होंगे। सच पूछा जाए तो इसमें देश की राजनीति के लिए ठहराव और बदलाव, दोनों के संदेश छिपे हैं। लेकिन ठहराव के लक्षण चिंता पैदा करने वाले हैं।

अनसुलझे सवाल: पहला लक्षण है चुनाव आयोग के प्रति विपक्ष का संदेह बना रहना। बिहार में स्पेशल इन्टेंसिव रिविजन (SIR) पर उठे सवाल सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी अनसुलझे रह गए। आयोग ने बाहर से आए नागरिकों को वोटर लिस्ट से निकालने को SIR का प्रमुख कारण बताया था। लेकिन विदेशी नागरिकता वाले लोगों की संख्या उंगलियों पर गिनने लायक भी नहीं निकली। आयोग ने विपक्ष की लगातार मांग के बावजूद वेबसाइट पर आसानी से पढ़ने लायक वोटर लिस्ट नहीं दी। यही नहीं, आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता को सख्ती से लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया। वैकल्पिक मीडिया

नाकाम : ठहराव के बिंदुओं पर चर्चा करते समय मीडिया कवरेज और विश्लेषण के स्थिर और एकतरफा हो जाने की चर्चा भी करनी पड़ेगी। बिहार के चुनावों में यह साफ दिखाई दिया कि मीडिया में एक पिछड़े राज्य की समस्या को लेकर जरूरी संवेदनशीलता का अभाव है। यह एकदम व्यक्ति केंद्रित है। मुख्यधारा के मीडिया को सत्ता के पक्ष में होने के आरोप से मुक्ति तो नहीं ही मिली, वैकल्पिक मीडिया भी लोकतंत्र और जनसरोकार की सशक्त आवाज बनने में कामयाब नहीं हुआ।

नया मतदाता वर्ग : राज्य के राजनीतिक और सामाजिक समीकरण में जो व्यापक बदलाव हुए हैं उनका असर देश की राजनीति पर भी दिखाई देगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अति पिछड़ों का एक मतदाता वर्ग तैयार किया है। जाति जनगणना के बाद यह वर्ग एक संगठित समूह के रूप में उभरने लगा है। मुकेश सहनी के नेतृत्व में VIP ने निषाद समूह की जातियों को इकट्ठा किया। आईपी गुप्ता के नेतृत्व में ततमा जाति के लोग जमा हुए। महागठबंधन ने उनकी उपस्थिति को स्वीकार तो किया, लेकिन RJD के यादव बहुल समीकरण में वे अभी तक फिट नहीं हुए हैं।

खास जाति की पार्टियां : फिर भी, अति पिछड़ों की पहचान के उभार से राजनीति में बड़े बदलाव आएंगे। राज्य में पहली बार जाति को आधार बना कर पार्टियां बनी हैं। पार्टी में किसी जाति की बहुलता होना एक बात है, लेकिन खास जाति की पार्टी होना और बात है। यह विचारधारा की राजनीति को कमजोर करता है।

घुसपैठिया और जंगलराज : बदलाव की राजनीति का मुकाबला BJP हिंदुत्व के जरिए करना चाहती है। उसने बिहार के चुनावों में दो ही मुद्दों पर जोर दिया। एक घुसपैठिया यानी बांग्लादेश से आने वाले मुसलमान और दूसरा जंगलराज। रोजगार के उसके कार्यक्रम भी निजी क्षेत्र के सहारे ही चलने वाले हैं, यह उसके घोषणापत्र से साफ है। विकास के इस मॉडल से बिहार के पिछड़ेपन में कोई अंतर नहीं आने वाला है।

वृश्चिक संक्रांति : सूर्य तुला से वृश्चिक में करेगा प्रवेश संक्रांति पर नदी स्नान और सूर्य पूजा करने की है परंपरा

16 नवंबर को सूर्य तुला राशि से निकलकर वृश्चिक राशि में प्रवेश कर रहा है, इसके बाद ये ग्रह 16 दिसंबर तक इसी राशि में रहेगा। ज्योतिष में सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहते हैं। संक्रांति का महत्व भी पर्व जैसा ही है, इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। वृश्चिक संक्रांति के साथ ही शरद ऋतु खत्म होती है और हेमंत ऋतु की शुरू हो जाती है। इस पर्व से मौसम बदलने लगता है। इसलिए इस संक्रांति पर नदी स्नान, व्रत-उपवास, पूजा-पाठ और जरूरतमंद लोगों को दान करने का विशेष महत्व है।

संक्रांति पर कर सकते हैं ये शुभ काम

वृश्चिक संक्रांति की सुबह सूर्योदय से पहले जागना चाहिए। स्नान के बाद उगते सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और जल में कुमकुम, फूल, चावल भी डालें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए उगते सूर्य को जल चढ़ाएं।

इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अगर नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। गंगाजल भी न हो तो सभी पवित्र नदियों का और तीर्थों का ध्यान करते हुए स्नान कर सकते हैं। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

संक्रांति पर सूर्य देव से जुड़ी चीजें जैसे गुड़, तांबा, लाल वस्त्र का दान करना चाहिए। जिन लोगों की कुंडली में सूर्य से संबंधित दोष हैं, उन्हें संक्रांति के दिन सूर्य पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। ऐसा करने से सूर्य देव के दोषों का असर कम हो सकता है।

जरूरतमंद को खाना खिलाएं। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं। किसी तालाब में मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर खिलाएं।

अब ठंड का असर बढ़ने लगेगा, ऐसे में जरूरतमंद लोगों को ऊनी कपड़ों का और कंबल का दान करें।

नौ ग्रहों का राजा है सूर्य

ज्योतिष में नौ ग्रह बताए गए हैं- सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि और राहु-केतु। सूर्य को इन नौ ग्रहों का राजा माना जाता है। ये ग्रह सिंह राशि का स्वामी है। यमराज, यमुना और शनिदेव सूर्य देव की संतानें हैं। यमराज और यमुना सूर्य-संज्ञा की संतानें हैं, जबकि शनिदेव सूर्य और छाया के पुत्र हैं। सूर्यदेव ने ही हनुमान जी को सभी वेदों का ज्ञान दिया था। इसलिए सूर्य को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है।

हेमंत ऋतु में बढ़ने लगती है ठंड

हेमंत ऋतु वर्ष की छह ऋतुओं में से एक है और हर साल नवंबर से दिसंबर महीनों में रहती है। इस समय मौसम में ठंडक बढ़ने लगती है और वातावरण में शुष्कता का अनुभव होता है। पेड़ों की पत्तियाँ झड़ने लगती हैं और सुबह-शाम की ठंडी हवा वातावरण को सुहावना बनाती हैं। इन दिनों में खान-पान और कपड़ों को लेकर सतर्कता रखनी चाहिए। ये ऋतु 15 जनवरी 2026 तक रहेगी, इसके बाद शिशिर ऋतु शुरू होगी।

मुरैना का रहस्यमयी ककनमठ मंदिर

जिसे एक रात में भूतों ने था बनाया!

भारत में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिनका निर्माण हजारों साल पहले हुआ था। इनमें से कुछ मंदिर इतने पुराने होने के बावजूद उनकी दीवारें आज भी मजबूती के साथ खड़ी हैं। ये मंदिर इतिहास और वास्तुकला दोनों में लोगों को बहुत आकर्षित करते हैं। लेकिन, कुछ मंदिर ऐसे भी हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनमें रहस्य या भूतों की कहानी जुड़ी हुई है। ऐसा ही एक मंदिर मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के सिहोनिया कस्बे में है, जिसे ककनमठ मंदिर कहा जाता है।

रहस्यमयी ककनमठ शिव मंदिर

यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और जमीन से लगभग 115 फुट ऊंचाई पर बना हुआ है। मंदिर थोड़ी खंडहर की स्थिति में है, लेकिन यहां जाने पर आपको शिवलिंग और कई टूटे-फूटे अवशेष दिखाई देंगे।

मंदिर तक पहुंचने के लिए थोड़ी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं और रास्ते में दोनों तरफ कई खंभे दिखेंगे। मंदिर में मौजूद मूर्तियां काफी पुरानी हैं, कुछ टूटी हुई भी हैं, जिन्हें माना जाता है कि पहले के शासकों ने नुकसान पहुंचाया था। कई अवशेष आज ग्वालियर के म्यूजियम में रखे हुए हैं।

11वीं सदी में मंदिर का निर्माण

इतिहास के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण 11वीं सदी में कछवाहा वंश के राजा कीर्ति राज ने करवाया था। कहा जाता है कि रानी ककनावती भगवान शिव की बहुत बड़ी भक्त थीं, इसलिए मंदिर का नाम उनके नाम पर रखा गया।

मौसम और समय की मार से कुछ हिस्से नष्ट हो गए हैं, लेकिन इसके बावजूद लोग भगवान शिव के दर्शन करने आते रहते हैं।

एक रात में भूतों ने बनाया मंदिर!

सबसे दिलचस्प बात है कि स्थानीय लोगों का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण एक रात में भूतों ने किया था। माना जाता है कि भूतों ने मिलकर मंदिर बनाना शुरू किया और जैसे ही सुबह हुई, उन्हें निर्माण बीच में ही छोड़ना पड़ा, इसलिए मंदिर आज भी अधूरा सा दिखाई देता है। यही वजह है कि इसे भूतों का मंदिर भी कहा जाता है। हालांकि, इस कहानी की कोई ठोस पुष्टि नहीं है। फिर भी ये रहस्य इसे और रोचक बनाता है।

घड़ी दक्षिण दिशा में भूलकर भी न लगाएं

अगर आपके घर की दक्षिण दिशा की दीवार पर घड़ी लगी है, तो उसे तुरंत हटा दें। वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों और यमराज की मानी जाती है। इस दिशा में समय देखना अशुभ होता है, जिससे जीवन में रुकावटें बढ़ सकती हैं। माना जाता है कि इस दिशा में घड़ी लगाने से परिवार की उन्नति रुक जाती है और घर के लोगों को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इस दिशा में घड़ी लगाना सख्त मना है।

इन दिशाओं में लगाएं घड़ी-मिलेगी तरक्की

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में पूर्व, पश्चिम या उत्तर दिशा में घड़ी लगाना बेहद शुभ माना गया है।

-उत्तर दिशा: धन, करियर और उन्नति से जुड़ी दिशा मानी जाती है। यहां घड़ी लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

-पूर्व दिशा: यह दिशा सूर्य की है, जो नई ऊर्जा और शुरुआत का प्रतीक है। इस दिशा में घड़ी लगाना जीवन में सकारात्मकता लाता है।

-पश्चिम दिशा: यहां घड़ी लगाने से स्थिरता और लंबे समय तक सफलता मिलती है।

अगर आप इन दिशाओं में सही घड़ी लगाते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और सुख-समृद्धि बढ़ती है।

मुख्य दरवाजे के ऊपर न लगाएं घड़ी

कई लोग घर के मेन गेट या दरवाजे के ऊपर घड़ी लगा देते हैं, लेकिन वास्तु के हिसाब से यह बहुत गलत माना गया है। ऐसा करने से घर में आने-जाने वाले लोगों की ऊर्जा प्रभावित होती है। साथ ही, इससे घर के माहौल में अस्थिरता आती है और पैसों की कमी भी बढ़ सकती है, अगर आप चाहते हैं कि घर में प्रवेश करते समय आपकी नजर घड़ी पर पड़े, तो उसे इस तरह लगाएं कि वो मेन गेट के सामने की दीवार पर हो, लेकिन उसकी दिशा दक्षिण बिल्कुल नहीं होनी चाहिए।

घर में कभी न लगाएं टूटी या बंद घड़ी

टूटी या रुकी हुई घड़ी वास्तु के अनुसार बहुत अशुभ मानी जाती है, अगर घड़ी का कांच टूटा हुआ है, या वह चल नहीं रही है, तो तुरंत उसे बदल दें। ऐसी घड़ी घर में नकारात्मक ऊर्जा लाती है और जीवन में रुकावटें बढ़ाती है।

इसके अलावा, धीरे चलने वाली घड़ी भी शुभ नहीं मानी जाती। यह तरक्की की रफ्तार को धीमा कर देती है और पैसों की दिक्कतें बढ़ा सकती है। इसलिए जब भी घड़ी की सेल खत्म हो जाए, तुरंत बदलवा लें ताकि घड़ी हमेशा सही समय दिखाए।

वास्तु के अनुसार शुभ घड़ी कैसी होनी चाहिए

घड़ी खरीदते समय सिर्फ डिजाइन और ब्रांड पर ध्यान न दें, बल्कि उसका आकार और रंग भी बहुत मायने रखता है।

-गोल, अंडाकार या अष्टकोणीय घड़ी घर में शुभ मानी जाती है।

-पेंडुलम वाली घड़ी (झूलने वाला पेंडुलम) सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है।

-सफेद, हल्का नीला या सिल्वर रंग की घड़ी शांति और स्थिरता का प्रतीक है।

इनमें से किसी भी आकार या रंग की घड़ी अगर सही दिशा में लगाई जाए तो घर में खुशहाली, तरक्की और अच्छे अवसर आने लगते हैं।

घड़ी का समय हमेशा आगे रखें

वास्तु के अनुसार, आपकी घड़ी का समय कभी पीछे नहीं होना चाहिए, अगर आप चाहें तो 1-2 मिनट आगे रख सकते हैं, लेकिन कभी भी पीछे नहीं। पीछे चलने वाली घड़ी से जीवन में रुकावटें आती हैं और इंसान हमेशा पिछड़ता रहता है। वहीं, आगे चलने वाली घड़ी सकारात्मक संकेत देती है और सफलता की ओर बढ़ने में मदद करती है। इसलिए समय को हमेशा सही या थोड़ा आगे रखना शुभ माना गया है।

6, 15 या 24 तारीख को जन्म लेने वाले बच्चे

किसी भी महीने की 6, 15 या 24 तारीख को जन्मे बच्चे का मूलांक 6 होता है। मूलांक 6 का स्वामी ग्रह शुक्र है, जो भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। अंक ज्योतिष से जानते हैं कि कैसे होते हैं 6, 15 या 24 तारीख को जन्म लेने वाले लोग?

6, 15 या 24 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 6

अंक ज्योतिष में 1 से लेकर 9 तक मूलांक होते हैं, जो नवग्रह से जुड़े होते हैं। जिनके जन्म की तारीख 6 है, उनका मूलांक 6 होगा। ऐसे ही जिनके जन्म की तारीख 15 है तो उनका मूलांक 1+5=6 होगा, ऐसे ही जिनके जन्म की तारीख 24 है तो उनका भी मूलांक 2+4=6 होगा। दो अंकों की संख्या को आपस में जोड़कर एक संख्या में लाते हैं, जो नंबर आता है, वह मूलांक होता है।

6, 15 या 24 तारीख को जन्म लेने वाले बच्चे

अंक ज्योतिष में मूलांक 6 का स्वामी ग्रह शुक्र है। शुक्र को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना जाता है। इसके बिना व्यक्ति के जीवन में भौतिक सुख और सुविधाएं नहीं मिलती हैं।

6, 15 या 24 तारीख को जन्म लेने बच्चों की आंखें बहुत सुंदर होती हैं। ये लोग बहुत ही आकर्षक होते हैं।

मूलांक 6 वाले बच्चे बहुत ही सुंदर होते हैं और वे अपनी उम्र से कम दिखते हैं। आप उनको देखकर उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगा सकते हैं।

6, 15 या 24 तारीख को जन्म लेने वाले बच्चों के जीवन में धन, सुख और सुविधाओं की कोई कमी नहीं होती है। यदि कुंडली में भी शुक्र मजबूत स्थिति में है तो ऐसे लोग बहुत ही ऐशोआराम वाली जिंदगी जीते हैं।

मूलांक 6 वाले लोग प्यार करने वाले होते हैं। यदि आप मूलांक 6 वालों की तारीफ करते हैं, तो वे बहुत खुश होते हैं। तारीफ सुनना पसंद करते हैं।

6, 15 या 24 तारीख को जन्मे लोग बहुत ही अच्छे कपड़े पहनते हैं, अच्छे से रहते हैं, मामूली चीजें पसंद नहीं होती हैं। ऐसे लोग लग्जरी लाइफ जीने में यकीन करते हैं और जीते भी हैं।

मूलांक 6 वाले लोग कला, मनोरंजन, गीत, संगीत, ग्लैमर की दुनिया में नाम कमाते हैं। आभूषण, गाड़ी, बड़े घर आदि खरीदना इनका शौक होता है।

मूलांक 6 वाले खुद सुंदर तो होते ही हैं, इनके लाइफ पार्टनर भी बहुत सुंदर होते हैं। ये लोग परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

इन लोगों का एक नकारात्मक पक्ष यह होता है कि कोई इनको मदद करता है तो वे उनको भूल जाते है। वे शायद ही उलटकर मदद करते हैं। यदि ये लोग फिटनेस का ध्यान नहीं देते हैं तो इनका वजन तेजी से बढ़ता है। इन लोगों को अच्छी मात्रा में पानी पीना चाहिए। इन्हें अपने गले, हार्ट और किडनी का ध्यान रखना चाहिए।

जहां भगवान राम ने स्वयं समंदर में स्थापित किए थे नवग्रह

हिंदू धर्म में नवग्रह को बहुत महत्व दिया गया है। अगर कुंडली में नवग्रह सही स्थिति में हैं तो जीवन का हर कार्य आसानी से हो जाता है, लेकिन ग्रहों की नीच की स्थिति मनुष्य के जीवन में भूचाल ला सकती है। क्या आप जानते हैं कि तमिलनाडु के एक गांव में समंदर से सटे तालाब में स्नान कर नवग्रहों को संतुलित करने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। साथ ही ये तालाब औषधियों से भरपूर होता हैं, जिससे चर्म रोग से संबंधित समस्या दूर होती है। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से ही सभी समस्याएं दूर होती हैं और घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

भगवान राम ने की थी तालाब की स्थापना

तमिलनाडु में देवीपट्टिनम में रामेश्वरम से 17 किलोमीटर की दूरी पर अनोखा नवग्रह मंदिर नवपाषाणम मंदिर है, जहां भक्त दूर-दूर से अपनी बीमारियों से छुटकारा पाने और नवग्रहों को संतुलित कराने के लिए आते हैं। देखने में ये सिर्फ थोड़ा सा तालाब है, जो तट के समीप बना है, लेकिन हिंदू धर्म में इसकी आस्था बहुत है। किंवदंती की मानें तो इस मंदिर और तालाब की स्थापना भगवान राम ने की थी। उन्होंने खुद रावण से युद्ध करने से पहले अपने हाथों से समंदर में नवग्रहों की प्रतिमाएं गोल चक्कर के रूप में स्थापित की थी और पूजा की थी। पूजा के बाद भगवान राम को वरदान मिला था कि पुल बनाने के दौरान उनकी वानर सेना को समंदर की लहरें नुकसान नहीं पहुंचाएंगी।

यहां स्नान करने से मिलती है रोगों से मुक्ति

भक्तों की इस तालाब को लेकर और भी मान्यता है। कहा जाता है कि तालाब का पानी अमृत समान है और इसमें नौ जड़ी-बूटियों के गुण हैं। यहां स्नान करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। भक्त तालाब का लेकर अपने घर भी जाते हैं। माना जाता है कि इन्हीं नौ जड़ी-बूटियों से तमिल शैव सिद्ध बोगर ने पलानी मंदिर में भगवान मुरुगन की मूर्ति बनाई थी और उन्हीं जड़ी-बूटियों के गुण इस तालाब के पानी में भी शामिल हैं।

देवी मां ने यहीं किया था राक्षस महिषासुर का वध

भक्त अपने पूर्वजों के तर्पण के लिए भी यहां आते हैं। पहले तालाब में मौजूद नौ प्रतिमाओं की परिक्रमा करते हैं और उन पर फूलमाला अर्पित कर अपने पितृ का दर्पण करते हैं। हालांकि तालाब में मौजूद प्रतिमाओं का कोई निश्चित आकार नहीं है और वे आधी पानी के नीचे और आधी पानी के ऊपर रहती हैं। कई बार समंदर का जलस्तर बढ़ जाने की वजह से प्रतिमाएं पूरी तरह डूब जाती हैं। समंदर तट से सटे तालाब के पास एक और देवी का मंदिर भी बना है, जिसे हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना गया है। कहा जाता है कि देवी मां ने यहीं पर राक्षस महिषासुर का वध किया था।

स्पष्टवादी होने और मुंहफट होने में बहुत बड़ा अंतर है

आजकल जेन-जी की बहुत चर्चा होती है। कुछ लोग कहते हैं कि ये पीढ़ी बहुत स्पष्टवादी है। लेकिन स्पष्ट बोलने और मुंहफट होने में अंतर है। अधिकांश युवा आज मुंहफट होते जा रहे हैं। जो भी मुंह में आया, बोल दिया। सामने कौन सुनेगा, इसकी उन्हें परवाह नहीं है।

ये पीढ़ी विज्ञान और तकनीक की जानकार है तो उसे मालूम होना चाहिए कि बोलना भी ब्रेन का साइंस है। अगर ये रोज थोड़े समय के लिए मेडिटेशन करे तो इनका एक न्यूरल पाथ-वे बनेगा और शब्द उस रास्ते से बाहर आएंगे। क्योंकि जब हृदय और मस्तिष्क की सही पेयरिंग होती है तो ये जोड़ीदारी वाणी को विनम्रता, मिठास और गरिमा प्रदान करती है।

इसके साथ सबसे बड़ा काम होता है, अनर्गल शब्द प्रकट नहीं होते। जब आप अनर्गल बोलेते हैं तो आपकी ऊर्जा डायवर्ट होती है। आप अकारण ऊर्जा खर्च करते हैं इसलिए चिड़चिड़े हो जाते हैं। थकान महसूस करते हैं। अपनी गलतियों का दोष भी दूसरों को देते हैं। शब्द बचाइए, ऊर्जा बचेगी। ऊर्जा बचेगी तो जो आप हैं, उस रूप में बच जाएंगे।

श्रद्धा कपूर-नोरा फतेही

दाऊद इब्राहिम की ड्रग पार्टी में आया कई सितारों का नाम, जल्द हो सकती है पूछताछ

बॉलीवुड की 'स्त्री' श्रद्धा कपूर, नोरा फतेही सहित कई स्टार्स का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी ड्रग पार्टियों की जांच में सामने आया है। हाल ही में, मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश किया, जिसे ड्रग की दुनिया का बादशाह कहे जाने वाला सलीम डोला चला रहा था। सलीम डोला डॉन दाऊद इब्राहिम का काफी करीबी माना जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, डोला दुबई से इस सिंडिकेट का संचालन कर रहा था। उसके बेटे, ताहिर डोला, जिसे इस साल अगस्त में यूएई से गिरफ्तार किया गया था ने केस से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। प्राप्त हुए दस्तावेजों के तहत ताहिर ने दावा किया है कि कई बॉलीवुड अभिनेता, मॉडल, रैपर, फिल्म निर्माता और दाऊद इब्राहिम के रिश्तेदार भारत और विदेश में आयोजित ड्रग पार्टियों में शामिल हुए थे।

श्रद्धा कपूर-नोरा फतेही समेत सामने आए कई नाम

अन्य लोगों के साथ, अभिनेत्रियां नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर और उनके भाई सिद्धार्थ कपूर पर भी इन पार्टियों में शामिल होने का आरोप है। इस मामले की रिमांड कॉपी के अनुसार, 'आरोपी नंबर 05 की आगे की जांच से पता चला है कि वह देश और विदेश में ड्रग पार्टियों का आयोजन कर रहा है और उन पार्टियों में ड्रग्स की आपूर्ति कर रहा है'।

इसी रिमांड कॉपी के अनुसार आरोपी ने पहले देश और विदेश में अलीशा पारकर, नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर और उनके भाई सिद्धार्थ कपूर, जिशान सिद्दीकी, ओरी उर्फ ओरहान, अब्बास मस्तान, लोका और कई अन्य लोगों के साथ ड्रग पार्टियों का आयोजन किया है और खुद भी उनमें शामिल हुआ है। वो भारत में इन लोगों को ड्रग्स सप्लाई करता है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई क्राइम ब्रांच अब इन अभिनेताओं और अन्य हस्तियों को बयान दर्ज करने के लिए बुलाएगी। हालांकि श्रद्धा कपूर, नोरा फतेही, ओरी किसी की टीम की तरफ से अभी तक इस मामले में कोई रिएक्शन नहीं दिया गया है।

बदल गई माला बेचने वाली मोनालिसा

वायरल गर्ल का मॉडर्न अवतार कर देगा हैरान

महाकुंभ से वायरल हुईं मोनालिसा भोसले तो आपको याद ही होगी। अपनी कंजी और कजरारी आंखों की वजह से महाकुंभ के दौरान मोनालिसा खूब चर्चा में रही थीं और अब वह सोशल मीडिया स्टार बन चुकी हैं और जल्दी ही बॉलीवुड में भी अपनी शुरुआत के लिए तैयार है। मोनालिसा ने अब अपनी डेब्यू फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसके सेट से उनकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा शर्ट-पैंट पहने मॉडर्न लुक में दिखाई दे रही हैं और उन्हें इस अवतार में देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स का यही कहना है कि सोशल मीडिया कब किसकी किस्मत पलट दे, कुछ नहीं कहा जा सकता।

मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं मोनालिसा भोसले

बता दें, मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली मोनालिसा एक साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। मोनालिसा अचानक तब चर्चा में आ गईं,जब वह अपने परिवार का गुजारा चलाने के लिए महाकुंभ में रुद्राक्ष की माला बेचने गईं और वहीं किसी ने उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए, जो देखते ही देखते वायरल हो गए। मोनालिसा एक ही रात में इंटरनेट सेंसेशन बन गईं और महाकुंभ में लोग उनके साथ फोटो और वीडियो लेने के लिए लाइन लगाने लगे। बढ़ती भीड़ से परेशान होकर वे घर लौट आईं।

सेट पर मॉडर्न लुक में दिखीं मोनालिसा

सोशल मीडिया पर मोनालिसा की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें वह मॉडर्न लुक में नजर आ रही हैं। शर्ट-पैंट और आंखों पर चश्मा लगाए एक दम सेलिब्रिटी वाला फील ले रहीं मोनालिसा का ये अंदाज अब चर्चा में है। जहां एक तरफ कुछ उनकी वाहवाही करते दिखे तो वहीं कुछ सोशल मीडिया की पावर के बारे में बात करते नजर आए। इससे पहले भी फिल्म के सेट से मोनालिसा की कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे, जिनमें वह शूटिंग प्रेक्टिस करती नजर आई थीं।

वायरल होते ही फिल्म में मिला काम

महाकुंभ के दौरान मोनालिसा की बढ़ती पॉपुलैरिटी देख उन्हें कुछ फिल्ममेकर्स ने फिल्में ऑफर करना शुरू कर दिया। इसी बीच बॉलीवुड डायरेक्टर सनोज मिश्रा खुद उनके घर पहुंचे और उन्हें अपनी आने वाली फिल्म में साइन कर लिया। तभी से मोनालिसा सोशल मीडिया पर छा गईं और स्टारडम की राह पर चल पड़ीं और अब आए दिन चर्चा में बनी रहती हैं। पिछले दिनों मोनालिसा का म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था और अब वह जल्दी ही फिल्मों में भी अपने अभिनय का जादू बिखेरती नजर आएंगी।

सोनाक्षी सिन्हा ने पहली बार मस्जिद जाने का शेयर किया वीडियो

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। आए दिन ये कपल कहीं न कहीं घूमने जाता रहता है। जिसकी फोटोज और वीडियो शेयर करते रहते हैं। सोनाक्षी ने अपना व्लॉग भी शुरू कर दिया है। हाल ही में उन्होंने अपना एक व्लॉग शेयर किया है जिसमें वो मस्जिद जाने के लिए एक्साइटेड नजर आ रही हैं। कुछ समय पहले सोनाक्षी और जहीर मस्जिद गए थे जिसके बाद उन्हें बहुत ट्रोल किया गया था। इस व्लॉग के जरिए जहीर ने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया है। जिसके बाद हर किसी की बोलती बंद होने वाली है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल हाल ही में अबू धाबी गए थे।

ये दोनों एक प्रमोशनल ट्रिप के लिए अबू धाबी गए थे। इस ट्रिप का उन्होंने व्लॉग शेयर किया है जिसमें सोनाक्षी मस्जिद में जाने के लिए बहुत एक्साइटेड नजर आ रही है। इस बात पर जहीर ट्रोल्स को जवाब देते हुए कहते हैं- वो सोनाक्षी को धर्म परिवर्तन कराने के लिए नहीं लेकर जा रहे हैं व्लॉग में सोनाक्षी कहती हैं हम अबू धाबी में हैं। हमारी ये ट्रिप मजेदार होने वाली है। अबू धाबी टूरिज्म ने हमे शहर की खूबसूरती देखने के लिए बुलाया है। उन्होंने हमारे लिए कई प्रोग्राम ऑर्गनाइज करवाए है और उनका पहला स्टॉप शेख जायद ग्रैंड मस्जिद है। सोनाक्षी ने कहा- मैं बहुत एक्साइटेड हूं क्योंकि ये पहली बार होगा जब मैं मस्जिद के अंदर जाऊंगी। मैं मंदिर और चर्च गई हूं मगर मस्जिद नहीं गई हूं। इसके बाद जहीर कहते हैं- सफाई के लिए बता दूं, मैं इन्हें धर्मे परिवर्तन के लिए नहीं ले जा रहा हूं। हम उसे देखने जा रहे हैं क्योंकि वो बहुत खूबसूरत है। सोनाक्षी और जहीर का ये व्लॉग खूब वायरल हो रहा है।

राजकुमार-पत्रलेखा के घर आई राजकुमारी

फराह खान ने दिखाई बेबी शावर की अनदेखी तस्वीरें वरुण-कृति ने लुटाया प्यार

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ के बाद बॉलीवुड जगत का एक और चहीता कपल पेरेंट्स बन गया है। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेटी का स्वागत किया। कपल शादी के 4 साल बाद पेरेंट्स बना है। राजकुमार और पत्रलेखा की नन्ही परी का जन्म उनकी शादी की चौथी एनिवर्सरी के दिन हुआ। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर फैंस को ये गुड न्यूज सुनाई। आज 15 नवंबर को एक्ट्रेस पत्रलेखा ने अपनी को जन्म दिया। आज का दिन कपल के लिए बेहद खास है क्योंकि 4 साल पहले आज ही के दिन दोनों परिणय सूत्र में बंधे थे। कपल की बेटी के जन्म के बाद फराह खान ने सोशल मीडिया पर पत्रलेखा के बेबी शावर की अनदेखी फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में बॉलीवुड जगत के कई बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। फराह ने पोस्ट को कैप्शन दियाः 'बेबी आ गई है!! बधाई हो पत्रलेखा और राजकुमार। जीवन के इस सबसे खूबसूरत पलों को खूब एंजॉय करें।
और याद रखें किसी भी बेबी सलाह के लिए।। मैं हूं ना।।' वो आगे लिखती हैं हुमा कुरैशी अच्छा हुआ हमने समय से बेबी शावर कर लिया। फोटो के कैरोसेल में, फराह ने बेबी शावर की अनदेखी फोटोज की सीरीज शेयर की जिसमें सोनाक्षी सिन्हा, जहीर इकबाल, हुमा कुरैशी और उनके बॉयफ्रेंड रचित सिंह, उनके भाई साकिब सलीम, फराह खान सहित कपल के अन्य फ्रेंड्स भी नजर आ रहे हैं। बेबी शॉवर के लिए पत्रलेखा ने ब्राइट येल्लो काफ्तान ड्रेस पहनी थी। उनके पति राजकुमार येल्लो कलर की टी-शर्ट में उनके साथ ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। कपल की फोटोज में बच्चे के आने की तैयारी साफ झलक रही है।

उनके पीछ एक बड़ा सा टेडी बीयर रखा हुआ है और एक पालना है जिसे खूबसूरती से फूलों से सजाया गया था। राजकुमार राव और पत्रलेखा की राजकुमारी के आते ही सोशल मीडिया खुशी से झूम उठा। सोनम कपूर, वरुण धवन, नेहा धुपिया, अली फजल, कृति सेनन सहित कई सितारों ने कपल को बधाई दी है। अपनी बेटी के जन्म की खुशखबरी शेयर करते हुए राजकुमार ने लिखा आज उनकी शादी की चौथी एनिवर्सरी के मौके पर उन्हें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी मिली है। कपल के घर शादी के ठीक चार साल बाद किलकारी गूंजी है।

'रॉड्स मेरे शरीर के अंदर घुस जाती...' विवेक ओबेरॉय ने याद किया भयानक एक्सीडेंट बचे थे बाल-बाल

विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदसानी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 के प्रमोशन में बिजी हैं। ये फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को रिलीज होने में एक हफ्ता बचा है और इसका प्रमोशन जोरो-शोरो से चल रहा है। विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में उस एक्सीडेंट के बारे में याद किया जब वो मौत के मुंह से बाहर आए थे। ये एक्सीडेंट 2002 में रोड फिल्म की शूटिंग के दौरान हुआ था। विवेक के मैशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा- 'मैं राजस्थान में फिल्म रोड की शूटिंग कर रहा था। हम बीकानेर से जैसलमेर जा रहे थे। खूबसूरत रोड, खूबसूरत ड्राइव लेकिन वो रात में था। मैंने ड्राइवर को 15-20 बार कहा था कि थोड़ा धीरे-चलाओ क्योंकि रात है और विजिबिलिटी बहुत स्लो है। मैं फ्रंट सीट पर बैठा था और उस घटना के बाद से आज तक मैं फ्रंट सीट पर नहीं बैठा हूं।'

विवेक ने आगे कहा- 'मैंने अपनी सीट को रेकलाइन कर लिया था और अचानक से एक बहुत बड़ा क्रैश हुआ और बहुत तेज आवाज आई। रोड पर अचानक से एक ऊंट गाड़ी आ गई थी जो रॉड्स लेकर जा रही थी। वो रॉड्स विंडशील्ड को तोड़ते हुए कार के अंदर आ गई थीं और अगर मेरी सीट सीधी होती तो वो रॉड्स मेरे शरीर के अंदर घुस जाती। मैं कार से बाहर नहीं आ सकता था क्योंकि वो रॉड्स मेरे ऊपर थीं।लेकिन मुझे कोई चोट नहीं आई। मैं लगभग मर ही गया था। उसके बाद मैंने रात में सफर न करने का फैसला किया।'

मस्ती 4 की बात करें तो इसमें विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदासानी के साथ रूही सिंह, श्रेया शर्मा, एलनाज नोरौजी, शाद रंधावा, निशांत सिंह मलकानी और नतालिया जानोसजेक अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म को मिला जावेरी ने डायरेक्ट किया है।

फरहाना से खाना बनवाने के लिए शहबाज ने अपनाया ये नायाब तरीका

प्रोमो देख हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे आप

रियलिटी शो बिग बॉस 19 का एक नया प्रोमो रिलीज हुआ है। इसमें घरवालों के कैप्टन शहबाज बदेशा का अनोखा अंदाज देखने को मिल रहा है। शहबाज को फरहाना से किचन का काम करवाने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने अलग रूप धारण कर रखा है। इसे देख आप भी हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। देखें प्रोमो।

शो के नए प्रोमो में शहबाज बदेशा को महिला के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें वो अपने सिर पर साड़ी का पल्लू रखे दिख रहे हैं। आपको बताते चलें कि शहबाज, फरहाना भट्ट की मां के किरदार का नाटक कर रहे हैं।

वीडियो में शहबाज कहते हैं, 'आओ बेटा चलो खाना बना लो। बेटा अब्बूजान जग चुके हैं, चलों घरवालों के लिए खाना बना दो।' यह सुन फरहाना जोर-जोर से हंस रही हैं। आगे देखा जाता है कि फरहाना भट्ट ने कहा, 'पांच मिनट रूक जाओ मां।' फिर शहबाज ने कहा, 'मैं इतनी स्माइल के साथ बोल रही हूं। मेरे पिंक लिप्स देखो। मैं कैप्टन बना हूं, क्या-क्या करना पड़ रहा है।' यह सुन कुनिका सदानंद, अमाल मलिक सभी हंस पड़ते हैं।

बिग बॉस 19 के इस वीकएंड का वार में डायरेक्टर रोहित शेट्टी बतौर मेहमान आने वाले हैं। साथ ही वह कई प्रतियोगियों की क्लास भी लगाते दिखेंगे। शो से कोई प्रतियोगी बाहर भी हो सकता है। इस बार कौन घर से बाहर जाएगा, यह जल्द ही पता चल जाएगा। अब शो में गौरव खन्ना, तान्या मित्तल, शहबाज, मालती चाहर, अशनूर और कुनिका सदानंद, अमाल मलिक, प्रणीत मोरे बचे हैं।

'डाइनिंग विद कपूर्स' का ट्रेलर रिलीज

रणबीर और करीना का दिखा मस्ती भरा अंदाज; यूजर्स बोले- आलिया कहां है ?

बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपूर परिवार से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। हाल ही में इसका ट्रेलर सामने आया है। ट्रेलर में करीना कपूर से लेकर रणबीर कपूर तक बिल्कुल अलग अंदाज में दिखे। लेकिन आलिया भट्ट की गैर मौजूदगी फैंस को अखर गई। 'डाइनिंग विद द कपूर्स' के ट्रेलर की शुरुआत में पूरा कपूर परिवार राजकपूर की 100वीं जयंती के मौके पर एक साथ आता है। सभी बताते हैं कि परिवार को खाने-पीने का शौक है। रणबीर को अपने कजिन के साथ कुकिंग करते हुए भी देखा। सभी ने फैमिली से जुड़ी खास बातें शेयर कीं। रणबीर कपूर ट्रेलर में काफी मस्ती करते भी दिखे। वहीं करीना कपूर को गॉसिप जानने का शौक है, इस बात का खुलासा उनके कजिन ने किया। 'डाइनिंग विद द कपूर्स' के ट्रेलर में करीना कपूर के साथ सैफ अली खान भी नजर आए। वह कपूर खानदान के दामाद हैं। लेकिन रणबीर कपूर के साथ आलिया भट्ट नहीं दिखीं। कपूर परिवार के साथ एक्ट्रेस की गैरमौजूदगी फैंस को काफी खटकी। इस बात पर यूजर्स ने सवाल कर दिए। फैंस ने पूछा कि आलिया कहां है ? डॉक्यूमेंट्री 'डाइनिंग विद द कपूर्स' में कपूर परिवार के लोग कई बातों और यादों का जिक्र करेंगे। खासकर राज कपूर से जुड़ी यादें साझा की जाएंगी। यह डॉक्यूमेंट्री 21 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

9 साल बड़े बॉयफ्रेंड से शादी करेंगी तेजस्वी प्रकाश? करण कुंद्रा ने बीबी में किया था प्रपोज 1 वजह से करना पड़ा लंबा इंतजार

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की मुलाकात बिग बॉस में हुई थी और शो खत्म होने के बाद भी दोनों का रिश्ता कायम रहा। आज तक दोनों साथ हैं। इन दिनों ये कपल अपनी शादी को लेकर खबरों में बना हुआ है। लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो तेजस्वी प्रकाश अगले साल अपने 9 साल बड़े बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा से शादी कर सकती है। बीते काफी समय से दोनों की शादी की चर्चाएं तेज हैं। तेजस्वी प्रकाश ने हर्ष लिंबाछिया और भारती सिंह के पॉडकास्ट पर करण कुंद्रा संग अपने रिश्ते और अपनी शादी की प्लानिंग के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि करण ने बिग बॉस से निकलते ही उन्हें शादी के लिए प्रपोज कर दिया था, लेकिन एक्ट्रेस की मां चाहती थीं कि पहले वो दोनों अपना समय लेकर एक-दूसरे को अच्छे से समझ लें। एक्ट्रेस कहती हैं कि बिग बॉस खत्म होते ही करण कुंद्रा ने शादी की ख्वाहिश जताई थी, लेकिन उनकी मां का कहना था कि वो शो पर मिले हैं तो उन्हें एक-दूसरे को समय देना चाहिए।

टीवी से क्यों दूर हैं 'नागिन' फेम सुरभि चंदना? एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर कर किया खुलासा

'इश्कबाज' और 'नागिन' जैसे शोज़ से सुरभि चंदना ने खूब पॉपुलैरिटी हासिल की और वे टीवी की टॉप एक्ट्रेस बन गईं। हालंकि सुरभि चंदना काफी समय से टीवी से गायब हैं। वहीं अब एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर छोटे पर्दे से अपनी गैर मौजूदगी की असल वजह का खुलासा किया है।

इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया पोस्ट में, एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने सही कारणों से छोटे पर्दे से दूरी बनाई है। सुरभि ने बताया कि थिएटर के लिए उनके लंबे समय से चले आ रहे अट्रैक्शन और स्टेज के डर पर काबू पाने की उनकी इच्छा ने उन्हें इस मीडियम को और गहराई से तलाशने के लिए इंस्पायर किया। शनिवार को, सुरभि चंदना ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनके अपकमिंग स्टेज प्ले की झलक दिखाई गई है। अपने पोस्ट के कैप्शन में, उन्होंने एक्सेप्ट किया कि थिएटर ने उन्हें एक एक्टर के रूप में अपनी क्षमताओं पर सवाल उठाने पर मजबूर किया और यह भी कि क्या वह कभी लाइव परफॉर्म करने के डर का सामना कर पाएंगी। संजीवनी एक्ट्रेस ने लिखा है, "अब एक ऐसे स्पेस पर कदम रख रही हूं जहां कुछ भी एडिट, काटा या दोबारा नहीं लिया जा सकता है।

एक ऐसी दुनिया जहां हर इमोशन और हर सांस का एक्सपीरियंस किया जाता है। मंटो के दस्तावेज़ के साथ अपने थिएटर की शुरुआत की अनाउंसमेंट करते हुए, उन्होंने इसे एक नई आर्टिस्टिक जर्नी की शुरुआत कहा। साथ ही ये भी कहा कि वह आभारी, जमीन से जुड़ी हुई और आगे आने वाली चीजों के लिए तैयार महसूस करती हैं।

सुरभि ने आगे लिखा है, " "मेरी प्यारी वर्सेटाइल विजय लक्ष्मी का शुक्रिया, जिनकी मैं इज्जत करती हूं और जिनके ज़रिए मैं इन सभी प्यारे लोगों से मिली, हमारे निर्देशक और मेरे सभी रिहर्सल के दौरान मेरे मार्गदर्शक आदित्य, हमारी निर्माता प्रेरणा सिंह का, जिन्होंने सोचा कि मैं इसे पहली बार कर पाऊंगी, प्रीतम पिलानी कितने अच्छे इंसान हैं, मुझे बहुत अच्छा लगा कि आप एक टीम के रूप में हमें कैसे आगे बढ़ाते हैं! रंगशिला थिएटर और बाकी कलाकारों और क्रू की, मैं जीवन भर के लिए फैन हूं!

उन्होंने चेतावनी दी थी कि यह एक लत बन जाएगी और मुझे लगता है कि मैं एक और नाटक के लिए तैयार हूं। बता दें कि सुरभि चंदना को आखिरी बार वेब सीरीज "रक्षक – इंडियाज ब्रेव्सः चैप्टर 2" में देखा गया था, जिसका प्रीमियर फरवरी 2024 में हुआ था। इससे पहले, वह टेलीविजन पर "शेरदिल शेरगिल" शो में दिखाई दी थीं।

भारत-अंगोला संबंधों पर सहमति

मोजाम्बिक संग व्यापार वार्ता आगे बढ़ी, आंध्र प्रदेश बना निवेश का नया हब

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अंगोला के उद्योग व वाणिज्य मंत्री रुई मिगुएन्स डी ओलिवेरा भारत को एक बहुत मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में देखते हैं। उन्होंने केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ हुई अपनी बैठक का जिक्र किया। ओलिवेरा ने कहा कि यह एक बहुत ही उपयोगी बैठक थी। हमने इस बात पर विचारों का आदान-प्रदान किया कि अंगोला और भारत के बीच कैसे मजबूत संबंध बनाए जा

सकते हैं। यह बैठक हमारे लिए अपने संबंधों को बेहतर बनाने के तरीके तलाशने का एक अवसर थी। हम भारतीय अर्थव्यवस्था को, विशेष रूप से हाल के दिनों में, बहुत मजबूत देखते हैं, और इसमें काफी तेजी से वृद्धि हो रही है।

इसके अलावा गोयल ने मोजाम्बिक के व्यापार राज्य सचिव एंटोनियो ग्रिस्पोस के साथ द्विपक्षीय व्यापार पर भी बातचीत की। दोनों की मुलाकात सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के दौरान हुई। गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोजाम्बिक के व्यापार राज्य सचिव एंटोनियो ग्रिस्पोस से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और सहयोग बढ़ाने के लिए आगे के अवसरों पर चर्चा की।

हीरो रियिलटी कंपनी के डायरेक्टर मुंजाल पर एफआईआर

लुधियाना,15 नवंबर (एजेंसियां)। लुधियाना में हीरो रियिलटी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर सुनील कांत मुंजाल और सेल्स हेड निखिल जैन के खिलाफ दर्ज की गई है। मामला फ्लैट्स के नाम पर धोखाधड़ी का है। थाना सराभा नगर में दर्ज कराई गई एफआईआर में शिकायतकर्ता का आरोप है कि कंपनी ने 4 फ्लैट्स के नाम पर 2.40 करोड़ रुपए ले लिए, लेकिन समय से काम पूरा नहीं किया। जब उसने शिकायत की तो कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे उसे मानसिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। शिकायत पर पुलिस ने कंपनी के डायरेक्टर और सेल्स हेड के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। लुधियाना के न्यू माधोपुरी निवासी फालिताश जैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने हीरो होम्स, लुधियाना प्रोजेक्ट में कंपनी से चार 4 फ्लैट खरीदे थे।

इस हफ्ते सोना 4,694 रुपये महंगा होकर 1.25 लाख पहुंचा

चांदी 11,092 महंगी हुई, 2025 में गोल्ड 48,632 और सिल्वर 73,350 चढ़े

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में बीते तीन हफ्ते लगातार गिरावट के बाद चौथे हफ्ते बड़ी तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 07 नवंबर को सोना 1,20,100 प्रति 10 ग्राम पर था, जो 14 नवंबर तक 4,694 रुपए बढ़कर 1,24,794 रुपए पर पहुंच गया। 17 अक्टूबर को सोना 1,30,874 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था, यह उसकी सबसे महंगी कीमत है।

इस हफ्ते चांदी में भी बड़ी बढ़त रही। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन (07 नवंबर) 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 1,48,275 रुपए थी, जो इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 14 नवंबर तक 11,092 रुपए बढ़कर 1,59,367 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले 14 अक्टूबर को चांदी 1,78,100 पर पहुंच गई थी, जो इसकी सबसे ऊंची कीमत है।

इस साल अब तक सोने की कीमत

48,632 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,24,794 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान 73,350 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,59,367 रुपए प्रति किलो हो गई है।

शहरों में सोने के अलग दाम होने की 4 वजह

ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे: सोना एक फिजिकल चीज है, तो इसे ले जाने में खर्चा लगता है। ज्यादातर आयात हवाई जहाज से होता है। फिर सोने को अंदरूनी इलाकों तक पहुंचाना पड़ता है। ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में फ्यूल, सिक्योरिटी, गाड़ी, स्टाफ का पैसा वगैरह शामिल होता है।

सोने की खरीदारी की मात्रा: सोने की डिमांड शहर और राज्य के हिसाब से अलग-अलग होती है। साउथ इंडिया में भारत की कुल सोने की खपत का करीब 40% हिस्सा है। यहां सेलर्स बल्क में सोना खरीदते हैं जिससे दाम कम होते हैं। वहीं टियर-2 शहरों में दाम ज्यादा।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: जैसे तमिलनाडु में सोने का रेट ज्वेलर्स एंड डायमंड ट्रेडर्स एसोसिएशनतय करता है। इसी तरह देशभर में कई और एसोसिएशन हैं जो दाम तय करते हैं।

सोने का खरीद मूल्य: ये सबसे बड़ा फैक्टर है जो अलग-अलग शहरों में सोने के रेट्स को प्रभावित करता है। जो ज्वेलर्स ने स्टॉक सस्ते में खरीदा हो, वो कम रेट चार्ज कर सकते हैं।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524।

इंफोसिस का तिमाही बोनस जारी

औसत पेआउट 75 फीसदी, कर्मचारियों ने कहा- पिछले बार से है कम

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। आईटी क्षेत्र की कंपनी इंफोसिस ने सिंतबर तिमाही के लिए प्रदर्शन-आधारित भुगतान की घोषणा की। इसके तहत कर्मचारियों को उनके पात्र राशि का औसतन 75 प्रतिशत बोनस दिया है। हालांकि कर्मचारियों के अनुसार यह बोनस पिछली तिमाही में दिए गए बोनस से थोड़ा कम है। इस तिमाही बोनस चक्र के दौरान जॉब लेवल 4 के कर्मचारियों को प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग प्रतिशत में बोनस मिला है। कंपनी के स्टाफ के मुताबिक, 'उत्कृष्ट' रेटिंग वालों को 83%, 'प्रशंसनीय' वालों को 78.5% और 'अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले' श्रेणी में आने वाले कर्मचारियों को 75% बोनस दिया गया है। जॉब लेवल नीचे होने पर पेआउट में गिरावट देखी गई, सभी पात्र श्रेणियों का औसत 70.5% से 83% के बीच रहा। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि इस तिमाही में उनका बोनस अप्रैल-जून की अवधि में मिले बोनस से 5 से 7% कम है। उस तिमाही में, इन्फोसिस का औसत भुगतान 80% रहा, और व्यक्तिगत भुगतान 75% से 89% के बीच रहा। कंपनी ने इस बार जॉब लेवल 4, 5 और 6, जिनमें सॉफ्टवेयर इंजीनियर, टीम लीडर और सीनियर मैनेजर शामिल हैं तक बोनस बढ़ाया है। कुल 3.23 लाख कर्मचारियों में इन स्तरों का बड़ा हिस्सा शामिल है। सभी समूहों को उत्कृष्ट, प्रशंसनीय, अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले और एक गैर-लागू श्रेणी में बांटकर बोनस के लिए योग्य माना गया।

डेटा लेने से पहले कंपनियां बताएंगी क्यों लिया, क्या करेंगी

बच्चों का सोशल मीडिया अकाउंट पेरेंट्स की सहमति से बनेगा, डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लागू हुआ

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट 2023 अब नियमों के साथ पूरी तरह लागू हो चुका है। सरकार ने 14 नवंबर को इसके नियमों को नोटिफाई कर दिया है। ये नियम आम लोगों की प्राइवेसी को मजबूत करने के साथ-साथ इनोवेशन और डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देगा।

(डीपीडीपी) एक्ट को संसद ने 11 अगस्त 2023 को पास किया था। यह डिजिटल पर्सनल डेटा को हैंडल करने वाली कंपनियों (डेटा फिड्यूशरी) की जिम्मेदारियां तय करता है, जबकि लोगों को उनके अधिकार देता है।

बच्चों और दिव्यांगों के डेटा के लिए पेरेंट्स की सहमति जरूरी

बच्चों के लिए किसी भी रूप में उनके डेटा का उपयोग करने के लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। हेल्थकेयर, एजुकेशन या रीयल-टाइम सेफ्टी जैसे जरूरी मामलों में ही छूट मिलेगी। दिव्यांगों के लिए, जो लीगल डिसीजन नहीं ले पाते, उनके कानूनी गार्जियन से कंसेंट लेना पड़ेगा, जो कानून के तहत वेरिफाइड हो।

डीपीडीपी एक्ट की 5 सबसे जरूरी बातें

कंसेंट बिना डेटा नहीं ले सकते: कोई कंपनी या ऐप आपका पर्सनल डेटा कलेक्ट करने से पहले साफ-साफ बताएगी कि इसका क्या यूज होगा। बिना

आपकी इजाजत के ये नहीं कर सकतीं। अगर आप नहीं चाहते, तो डेटा शेयर न करें- ये आपका हक है।

डेटा सिर्फ जरूरी काम के लिए: कंपनियां आपका डेटा सिर्फ वही काम कर सकती हैं जो उन्होंने बताया। मिसाल के तौर पर, शॉपिंग ऐप सिर्फ ऑर्डर के लिए यूज करेगी, मार्केटिंग के लिए नहीं। अगर गलत यूज हो, तो आप शिकायत कर सकते हैं।

अपना डेटा कंट्रोल में रखें: आप कभी भी अपनी जानकारी देख सकते हैं, गलतियां सुधार सकते हैं, अपडेट कर सकते हैं या पूरा डेटा डिलीट करवा सकते हैं। कंपनियों को 90 दिनों के अंदर जवाब देना पड़ेगा।

डेटा लीक होने पर तुरंत खबर: अगर आपका डेटा चोरी या ब्रेक होता है, तो कंपनी को तुरंत घंटों में आपको आसान भाषा यानी आपके समझने लायक भाषा में बताना पड़ेगा- क्या हुआ, असर क्या हो सकता है और क्या कदम उठाए। इससे आप सतर्क रह सकेंगे।

शिकायत आसान, बोर्ड डिजिटल: कोई प्रॉब्लम हो तो डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड पर ऑनलाइन या ऐप से शिकायत करें। ये फ्री है और ट्रैकिंग आसान। अगर संतुष्ट न हों, तो TDSAT कोर्ट में अपील कर सकते हैं। छोटे बिजनेस के लिए भी कंप्लायंस आसान रखा गया है, ताकि सर्विसेज महंगी न हों।

डेटा ब्रेक और शिकायतों का क्या होगा?

अगर पर्सनल डेटा ब्रेक होता है, तो डेटा फिड्यूशरी को तुरंत अफेक्टेड लोगों को प्लेन लैंग्वेज में बताना पड़ेगा। जैसे- ब्रेक की नेचर, इसका क्या प्रभाव हो सकता है, क्या कदम उठाने चाहिए और किससे मदद लेनी चाहिए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त

महावीर निर्वाण संवत् -2551 सूर्योदय 06-18

कलियुग अवधि-432000 सूर्यास्त. 17-41

भोग्य कलि वर्ष-426874

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले

मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष रविवार 16 Nov

तिथि - द्वादशी 04-48 तक उपरान्त त्रयोदशी

नक्षत्र - हस्त 02-11 तक चित्रा

योग - विष्कुंभ 06-46 तक प्रीति

करण - कौलव 15-40 तक उप तैतिल

व्रत त्योहार: वृश्चिक मे अर्क १३-३७ से, सर्वार्थअमृत योग 07-01 से

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	04-16 बजे
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	06-25 बजे
मंगल	वृश्चिक में	धनु	08-39 बजे
बुध	वृश्चिक में	मकर	10-46 बजे
गुरु	कर्क में	कुंभ	12-45 बजे
शुक्र	तुला में	मीन	14-14 बजे
शनि	मीन में	मेष	15-50 बजे
राहु	कुंभ में	वृष	17-35 बजे
केतु	सिंह में	मिथुन	19-34 बजे
		कर्क	21-50 बजे
		सिंह	00-00 बजे
		कन्या	02-06 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-14 17-39

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
उत्पात	06-18 - 07-47	अशुभ	शुभ।	17-41 - 19-14	शुभ
चंचल	07-47 - 09-12	शुभ	अमृत	19-14 - 20-50	शुभ
लाभ	09-12 - 10-36	शुभ	चंचल	20-50 - 22-26	शुभ
अमृत	10-36 - 12-01	शुभ	रोग	22-26 - 00-01	अशुभ
काल	12-01 - 13-25	अशुभ	काल	00-01 - 01-37	अशुभ
शुभ	13-25 - 14-50	शुभ	लाभ	01-37 - 03-12	शुभ
रोग	14-50 - 16-14	अशुभ	उत्पात	03-12 - 04-48	अशुभ
उत्पात	16-14 - 17-41	अशुभ	शुभ	04-48 - 06-18-	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप समस्या पैदा नहीं करते, लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे। आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे। आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है। शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो): आप आत्मविश्वास से भरपूर हैं और सहजता से दूसरों को प्रेरित करते हैं, जिससे उदाहरण बनकर नेतृत्व करना आसान हो जाता है। प्रेरणा का एक उभार आपको साहसिक योजनाएँ शुरू करने या लंबित कार्यों को नए सिरे से करने के लिए प्रेरित करता है। आपकी गतिशील उपस्थिति समर्थन आकर्षित करती है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,): आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज आपको अपने कार्य संबंधों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। फिर भी, आपका दृढ़ संकल्प आपको मजबूत और केंद्रित रहने में मदद करता है। सहानुभूति आपके कार्यों का मार्गदर्शन करती है, और निरंतर प्रयास परिणाम लाता है। सावधानीपूर्वक योजना बनाना और धैर्य रखना आपको पढ़ाई और करियर दोनों में आगे बढ़ने में मदद करेगा, भले ही गति धीमी लगे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप अपने काम या पढ़ाई में रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरपूर हैं। रिश्ते सामंजस्यपूर्ण हैं, हालांकि मजबूत भावनाएं बड़े बदलावों को प्रेरित कर सकती हैं। निपुण महिलाओं से मार्गदर्शन महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। विकास के अवसरों की खोज करते समय संतुलित रहें। महत्वपूर्ण उन्नति की ओर ले जाने वाले परिवर्तनों को संभालने के लिए शांत निर्णय का उपयोग करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपकी नेतृत्व क्षमता दूसरों को आपकी आत्मविश्वास भरी ऊर्जा की ओर आकर्षित करती है। उत्साह पढ़ाई पर आपका ध्यान केंद्रित करता है, जबकि गहरा दृढ़ संकल्प आपको अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रखता है। जुनून आपके काम में तीव्रता लाता है, और नवाचार साहसिक उपलब्धियों की ओर ले जाता है। बस आवेगपूर्ण क्षणों के प्रति सचेत रहें, और आपकी ईमानदारी सम्मान अर्जित करेगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपके करियर को आत्मविश्वास और दयालुता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप दूसरों की ज़रूरतों के प्रति जागरूक रहते हुए दैनिक कार्यों में सबसे आगे रहते हैं। सहायक व्यक्ति, विशेष रूप से महिलाएँ, आज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। विचारशील संचार सहकर्मियों के साथ मजबूत, स्थायी बंधन बनाने में मदद करता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपका सहज ज्ञान काम पर चमकता है। आपकी बेहतरीन रचनात्मकता आपको दूसरों से अलग बनाएगी। अपनी सोच और भावना को एक समान रखें और इससे आप जानकारी को प्रभावी ढंग से आत्मसात कर पाएंगे। आप उदासी का अनुभव कर सकते हैं, जिससे आपको अपनी मानसिक ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत होगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है। आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपका करियर और पढ़ाई बोल्ड रचनात्मकता और सहज ज्ञान से भरपूर होगी। आप आकर्षण और विचारशील संचार के माध्यम से ध्यान आकर्षित करेंगे। जुनून आपकी प्रेरणा को बढ़ा सकता है, जिससे आप समूह सेटिंग में अधिक गतिशील बन सकते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव के प्रति सचेत रहें, लेकिन उन गर्मजोशी भरे संबंधों को अपनाएँ जो आपको काम और सीखने दोनों में आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा): आपका करियर पथ आत्मनिरीक्षण को आमंत्रित करता है क्योंकि आप महत्वाकांक्षा और भावनात्मक स्पष्टता के बीच संतुलन बनाते हैं। आपको ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जो आपके आत्मविश्वास की परीक्षा लेंगी और आपको अपने लक्ष्यों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करेंगी। नए विचार सामने आ सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आपके करियर और पढ़ाई को सकारात्मक ऊर्जा और नए अवसरों का समर्थन प्राप्त है। अंतर्ज्ञान आपको दूसरों के साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करता है, खासकर उन लोगों के साथ जो सफलता के लिए प्रेरित करते हैं। आत्मविश्वास और रचनात्मकता आपके काम का मार्गदर्शन करती है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हिडन चार्ज, कैंसिलेशन, ऐप टैक्सी की चालबाजियों से परेशान हैं लोग

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में ऐप टैक्सी इस्तेमाल करने वाले 10 में से 8 लोग 'डार्क पैटर्न्स' यानी ऐप की चालबाजियों से परेशान हैं।

स्थानीय मंडल सर्वे में यह बात सामने आई है कि टैक्सी एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स (जैसे ओला, उबेर आदि) पर यूजर्स को झांसा देना, जबरदस्ती कैंसल करवाना, बार-बार टोकना और ऐप के डिजाइन में हेरफेर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सर्वे में शामिल 59% ऐप टैक्सी यूजर्स का कहना है कि उन्होंने ड्रिप प्राइसिंग' का सामना किया है। मतलब राइड खत्म होने पर बिल में ऐसे चार्ज जोड़ दिए जाते हैं जिनके बारे में पहले नहीं बताया गया था।

आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ निवेश करेगा अडाणी ग्रुप

असम में भी 63,000 करोड़ के इन्वेस्टमेंट का ऐलान, विशाखापट्टनम में टेक पार्क बनाएगी कंपनी

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप ने आंध्र प्रदेश में अगले 10 साल में 1 लाख करोड़ रुपए निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश पोर्ट्स, सीमेंट, डेटा सेंटर्स, एनर्जी और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में होगा।

ग्रुप राज्य में पहले से ही 40,000 करोड़ निवेश कर चुका है। आंध्र प्रदेश इन्वेस्टर समिट में करण अडाणी ने $15 बिलियन के विजाग टेक पार्क का विजन पेश किया।

ये गूगल के साथ पार्टनरशिप में ग्रीन एनर्जी से चलने वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम होगा। वहीं, असम में भी अडाणी पावर और अडाणी ग्रीन 63,000 करोड़ इन्वेस्ट करेगा।

आंध्र प्रदेश में निवेश का प्लान

अडाणी ग्रुप आंध्र प्रदेश को भारत के अगले दशक के ट्रांसफॉर्मेशन का लॉन्चपैड बनाने का दावा कर रहा है।

यह निवेश मौजूदा 40,000 करोड़ के अलावा है, जो पोर्ट्स, लॉजिस्टिक्स, सीमेंट, इंफ्रा और रिन्यूएबल एनर्जी में गया। ग्रुप के मौजूदा ऑपरेशंस से राज्य में 1 लाख से ज्यादा डायरेक्ट और इंडायरेक्ट जॉब्स पैदा हो चुके हैं।

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडाणी ने समिट में विजाग टेक पार्क का प्लान बताया। यह दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन-पावर्ड हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम बनेगा, जिसमें गूगल पार्टनर होगा। करण अडाणी ने कहा, यह सिर्फ टेक पार्क नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सॉवरेन्टी का फाउंडेशन है। हम ग्रीन एनर्जी से चलने वाला सिस्टम बना रहे हैं।

अडाणी पावर लिमिटेड 48,000 करोड़ के निवेश से असम में 3,200 एमडब्ल्यू का ग्रीनफील्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट लगाएगी। यह भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर पावर जेनरेटर होगा। वहीं, अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड 15,000 करोड़ से 2,700 एमडब्ल्यू के दो पंप्ड स्टोरेज प्लांट्स (पीएसपी) बनाएगी। एजीइएल को 500 एमडब्ल्यू एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी का एलओए मिला है। ये प्रोजेक्ट्स राज्य में कुल 63,000 करोड़ का निवेश लाएंगे।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा, नॉर्थ-ईस्ट भारत की ग्रोथ स्टोरी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। हम 3,200 एमडब्ल्यू थर्मल पावर और 2,700 एमडब्ल्यू पीएसपी प्रोजेक्ट्स से एनर्जी सिक्योरिटी, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और जॉब क्रिएशन को बढ़ावा देंगे। उन्होंने फरवरी में नॉर्थईस्ट के लिए 50,000 करोड़ निवेश का वादा दोहराया। अडाणी ने असम को नॉर्थईस्ट कॉरिडोर के प्रोग्रेस का कैटेलिस्ट बताया।

टॉप-10 कंपनियों में 8 की वैल्यू 2.05 लाख करोड़ बढ़ी

एयरटेल की 55,653 करोड़ बढ़कर 11.97 लाख करोड़ पहुंची

मुंबई,15 नवंबर (एजेंसियां)। मार्केट वैल्यूएशन के हिसाब से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 8 की वैल्यू इस हफ्ते के कारोबार में 2,05,185.08 करोड़ (2.05 लाख करोड़) बढ़ी है। इस दौरान टेलीकॉम कंपनी एयरटेल टॉप गेनर रही। कंपनी की वैल्यू 55,653 करोड़ बढ़कर 11.97 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। दूसरे नंबर पर देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। इसकी वैल्यू 54,942 करोड़ रुपए बढ़कर 20.55 लाख करोड़ को पार कर गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भी इस दौरान अपने मार्केट कैप में 40,758 करोड़ जोड़े हैं। अगर आप इन शेयरों के निवेशक हैं तो आपको इस हफ्ते काफी फायदा हुआ होगा। क्योंकि शेयरों की वैल्यू बढ़ने के बाद

अगर आप बेचते हैं तो ज्यादा मुनाफा मिल सकता है। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है। मान लीजिए, कंपनी 'A' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ x 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी। कंपनियों की मार्केट वैल्यू शेयर की कीमतों के बढ़ने या घटने के चलते बढ़ता-घटता है।

कंपनी पर असर : बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर : मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वही, गिरावट से नुकसान हो सकता है, जिससे निवेशक शेयर बेचने का फैसला ले सकते हैं। टीसीएस का मार्केट कैप 12.43 लाख करोड़ से बढ़ता है, तो निवेशकों की संपत्ति बढ़ेगी, और कंपनी को भविष्य में निवेश के लिए ज्यादा पूंजी मिल सकती है।

फ्रांस में 1 लाख रुपये किलो आलू

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। इसकी लोकप्रियता का आलम यह है कि यह हर सीजन में खाया जाता है और इसे कंप्लीट फूड माना जाता है। रिटेल मार्केट में आलू की कीमत आजकल 25 रुपये प्रति किलो के आसपास है। लेकिन दुनिया के कई देशों में आलू की कीमत भारत से कई गुना ज्यादा है। एशियाई देशों में आलू सबसे महंगा दक्षिण कोरिया में है। कोरिया की राजधानी सोल में आपको एक किलो आलू के लिए 4.28 डॉलर यानी करीब 380 रुपये खर्च करने होंगे।

वैसे दुनिया का सबसे महंगा आलू फ्रांस में ले बोन्नोटे किस्म का माना जाता है। इसकी कीमत करीब 1 लाख रुपये किलो है। इतना महंगा होने का बावजूद लोग लाइन लगाकर यह आलू खरीदते हैं। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया में इसका सालाना उत्पादन केवल 100 टन है। हर साल यह आलू मई और जून में ही बिक्री के लिए आता है।

तेलंगाना में बड़े कैडर्स के नक्सलियों का सरेंडर

आजाद समेत 8 नक्सलियों ने डाले हथियार महीनेभर पहले 283 ने किया था आत्मसमर्पण

जगदलपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में नक्सली लीडर आजाद समेत अन्य 8 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। हालांकि, इनके समर्पण को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नक्सली आजाद तेलंगाना स्टेट कमेटी का लीडर है। ये छत्तीसगढ़ और तेलंगाना इन दोनों राज्यों में सक्रिय था। इस पर 40 लाख रुपए से ज्यादा का इनाम घोषित है।

आत्मसमर्पण करने वालों में बड़ा नाम कोय्यादी संबय्या उर्फ आजाद का ही है। आजाद कई दशकों से माओवादी संगठन में प्रमुख रणनीतिक भूमिका निभा रहा था। इसके अलावा, अब्बास नारायण उर्फ रमेश जो तकनीकी टीम का प्रभारी था इसने भी सरेंडर किया है। रमेश रामागुंडम इलाके में लंबे समय से सक्रिय था।

दरअसल, करीब 1 महीने पहले पोलित ब्यूरो मेंबर वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति समेत सीसीएम रूपेश ने सरेंडर किया था। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में इनके साथ कुल 283 नक्सलियों ने एकसाथ हथियार डाले थे। जिसके बाद अब लगातार नक्सल संगठन के बड़े लीडर्स सरेंडर कर रहे हैं।

पूर्व विधायक ने अपने खून से लिखी सीएम को चिट्ठी

बिजली बिल को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, कहा-400 यूनिट तक बिल आधा किया जाए

रायपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बढ़ते बिजली बिल को लेकर कांग्रेस का विरोध तेज हो गया है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को खून से लिखी चिट्ठी भेजकर बिजली बिलों में राहत की मांग की है। इसके साथ ही कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मुख्यमंत्री के नाम चिट्ठी लिखकर बिजली बिल हाफ योजना फिर से लागू करने की मांग की।

इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने फायर ब्रिगेड चौक पर इकट्ठा होकर बिजली बिलों में राहत की आवाज उठाई।

विकास उपाध्याय समेत कांग्रेस नेताओं ने खून से चिट्ठी लिखकर मुख्यमंत्री से यह अपील की है कि 400 यूनिट तक बिजली बिल आधा किया जाए। उनका कहना है कि, महंगाई और बढ़े हुए बिजली बिलों के कारण गरीब और

मध्यम वर्ग का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। विकास उपाध्याय ने कहा कि, भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान बिजली बिल हाफ योजना लागू करने का वादा किया था, लेकिन अब वादे पर अमल नहीं हो रहा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिहार चुनाव के दौरान एनडीए सरकार ने मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस पर कोई चर्चा नहीं की गई।

उपाध्याय ने भाजपा सरकार पर महतारी वंदन योजना के नाम पर जनता से 1000 रुपए लेने का आरोप लगाया और कहा कि यह रकम बिजली बिलों के जरिए वसूली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि, भाजपा सिर्फ चुनावी राजनीति करती है और जनता के विश्वास का फायदा उठाना जानती है। लेकिन अब जनता महंगी बिजली और बढ़े हुए बिलों के खिलाफ अपना विरोध खुलकर जताएगी।

इस विरोध प्रदर्शन में विकास उपाध्याय, पंकज शर्मा, कुमार मेनन, आकाश तिवारी, सुंदर जोगी, अशोक ठाकुर, देव कुमार साहू, और कई अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

घर आए रिश्तेदारों ने अलमारी से 14 तोला सोना चुराया

कांकेर में आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार कब्जे से 10 लाख के जेवर बरामद

कांकेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कांकेर जिले में घर आए रिश्तेदारों ने 10 लाख की चोरी कर ली। घटना 27-28 अप्रैल की रात की है। नाकापारा के रहने वाले नरेंद्र कुमार महेश्वरी अपने परिवार संग बाहर गए थे। घर पर कोई नहीं था। तभी नरेंद्र कुमार की भाभी की चचेरी बहन और जीजा ने मिलकर अलमारी में रखे गोल्ड चुरा लिए।

मामला चारामा थाना क्षेत्र का है। थाने में पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद दोनों गिरफ्तार कर लिए गए है। उनके कब्जे से कुल 107.770 मिलीग्राम सोने के आभूषण और गला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 10,32,990 रुपए आंकी गई है।

प्रार्थी नरेंद्र कुमार महेश्वरी, जो नाकापारा चारामा निवासी और स्वास्तिक स्टील ट्रेडर्स के संचालक हैं, ने 10 नवंबर 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल 2025 को वे अपनी पत्नी मधु महेश्वरी के साथ विशाखापट्टनम कंपनी ट्रिप पर गए थे। 5 मई 2025 को रात 8 बजे वापस

लौटने पर उन्होंने अपने कमरे की अलमारी खोली, तो उसमें रखे लगभग 14 तोला सोना और 70 ग्राम चांदी के जेवरात गायब मिले।

जांच के दौरान पता चला कि नरेंद्र महेश्वरी के कंपनी ट्रिप पर रहने के दौरान उनकी भाभी गायत्री महेश्वरी की चचेरी बहन लीना भूतड़ा उनके घर घूमने आई थी। लीना 27 और 28 अप्रैल 2025 को दो दिनों तक घर पर रुकी थी। प्रार्थी ने लीना भूतड़ा पर चोरी का आरोप लगाया।

चारामा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी लीना भूतड़ा और उसके पति मनोज भूतड़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान, लीना भूतड़ा के पास से सोने का एक लेडीज ब्रेसलेट और एक सोने की चेन बरामद हुई। वहीं, आरोपी मनोज भूतड़ा के पास से सोने का एक जेंट्स ब्रेसलेट और आभूषण की पहचान छिपाने के उद्देश्य से गलाकर रखा गया सोने का एक गोल बिस्कुट का टुकड़ा जब्त किया गया।

कुल 107.770 मिलीग्राम सोने के आभूषण और गला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 10,32,990 रुपए आंकी गई है। आरोपियों ने यह सारा सामान ग्राम बिरेतरा स्थित अपने घर में छिपाकर रखा था।

कथावाचक आशुतोष बिलासपुर में गिरफ्तार

कहा था- सतनामी होकर गाय काट रहे मूर्ख बवाल के बाद कथा स्थल से पकड़ ले गई पुलिस

बिलासपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सतनामी समाज को अपशब्द कहने पर तखतपुर पुलिस ने कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज को गिरफ्तार किया है।

आशुतोष चैतन्य ने कहा था कि कथावाचन के दौरान सतनामी समाज को मूर्ख और गाय काटने वाला समाज बताया था।

आशुतोष चैतन्य ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के तखतपुर में कितनी गायें कट रही हैं, आपको पता है? जो पहले सनातनी थे, वो आज सतनामी हो गए। उन मूर्खों को यह समझ नहीं आता कि सतनामी का मतलब क्या होता है। ये गायों को काट रहे हैं।

कथावाचक के विवादित बयान के बाद सतनामी समाज ने तखतपुर थाने का घेराव किया। कथावाचक की गिरफ्तारी की मांग की थी। बढ़ते विवाद के बाद

पुलिस ने आशुतोष चैतन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने 15 नवंबर को तखतपुर के कथा स्थल से अरेस्ट किया है। दरअसल, तखतपुर के टिकरी पारा में श्रीमद् भागवत कथा महापुराण चल रहा है। यहां आशुतोष चैतन्य महाराज कथावाचन कर रहे थे। 11 नवंबर को उन्होंने सतनामी समाज को लेकर कई अपशब्द कहे। वीडियो को यूट्यूब चैनल पर अपलोड भी कर दिया गया।

कथावाचक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सतनामी समाज भड़क उठा। 12 नवंबर को समाज के लोग बड़ी संख्या में तखतपुर थाने पहुंचे और घेराव कर दिया। इस दौरान समाज के लोगों ने कथावाचक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

करणी सेना अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर

रायपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत के खिलाफ रायपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। शेखावत ने सोशल मीडिया में लाइव आकर हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर का जुलूस निकालने का विरोध किया था।

शेखावत ने तोमर की कार्रवाई में शामिल पुलिसवालों और रायपुर एसएसपी के घर में घुसने की धमकी दी थी। इस धमकी के बाद मौदहापारा थाने में पुरानी बस्ती थाने के पूर्व थानेदार योगेश कश्यप ने शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत में इंस्पेक्टर योगेश कश्यप ने आपराधिक धमकी, लोक सेवक को धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने का जिक्र किया है। जिसके बाद मौदहापारा पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में 15 नवंबर को एफआईआर दर्ज कर की है। वहीं एफआईआर के बाद राज शेखावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर फिर धमकी दी है।

बता दें कि वीरेंद्र तोमर को रायपुर पुलिस की गिरफ्त में है। 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल में है। इस मामले में गृहमंत्री विजय शर्मा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में अपराधी कोई भी हो नहीं छोड़ा जाएगा। चाहे कोई भी हो। करणी सेना के प्रदर्शन और हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधु की गिरफ्तारी पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा है कोई भी सामाजिक संस्था अच्छे काम के लिए होती है। किसी अपराधी के पीछे खड़े होने के लिए नहीं। अपराधी अपराधी है, हर एक अपराधी किसी न किसी संस्था से होता है।

हाईकोर्ट के सिल्वर जुबली समारोह में पहुंचे न्यायमूर्ति सूर्यकांत

कहा-उच्च न्यायालयों को अस्पतालों के इमरजेंसी वार्डों की तरह त्वरित और सटीक प्रतिक्रिया देनी चाहिए

रांची, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के होने वाले चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि हाई कोर्ट को ऐसे संस्थानों के रूप में विकसित होना चाहिए जो अन्याय का अस्पताल के एमरजेंसी वार्ड की तरह तुरंत और कुशलता से जवाब दें।

रांची में झारखंड हाईकोर्ट के सिल्वर जुबली समारोह में बोलते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि अदालतों को संकट के समय तुरंत, सटीक और समन्वित राहत प्रदान करने के लिए सुसज्जित होना चाहिए।

उन्होंने कहा- "मेरा मानना है कि उच्च न्यायालयों को अपने संस्थागत विकास की कल्पना उसी तरह करनी चाहिए, जैसे एक

मॉर्डन हॉस्पिटल अपनी एमरजेंसी सेवाओं को डिजाइन करता है। ऐसी संरचनाओं के साथ जो संकट के समय तुरंत, निर्णायक और सटीक प्रतिक्रिया देने में सक्षम हों। जिस तरह एक एमरजेंसी वार्ड देरी बर्दाश्त नहीं कर सकता, उसी तरह हमारे न्यायालयों को भी उसी स्तर की तैयारी, दक्षता और समन्वित प्रतिक्रिया की आकांक्षा रखनी चाहिए।

इसका अर्थ है तकनीकी क्षमता को मजबूत करना, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, विशिष्ट विशेषज्ञता का निर्माण करना और यह सुनिश्चित करना कि न्यायिक प्रक्रियाएं उभरती परिस्थितियों के अनुसार तुरंत अनुकूलित हो सकें। केवल ऐसी दूरदर्शिता से ही न्यायपालिका समय पर और प्रभावी समाधान प्रदान करती रहेगी और हर चुनौती का उस गति और स्पष्टता के साथ सामना करेगी, जिसकी एक संवैधानिक लोकतंत्र मांग करता है। ये केवल प्रशासनिक विचार नहीं हैं, ये न्याय तक पहुंच के विकास में अगला कदम हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि संविधान ने न्याय प्रदान करने की एक ऐसी प्रणाली बनाई है, जो तीन स्तंभों पर आधारित है।

आईआईटी में छात्र की मौत, परिजन बोले-दवाई का ओवरडोज दिया

दुर्ग-भिलाई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भिलाई आईआईटी में छात्र सौमिल साहू की मौत के मामले में नया मोड़ सामने आया है। क्लासमेट और अन्य स्टूडेंट्स ने मैनजेमेंट और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

आईआईटी भिलाई के बीटेक स्टूडेंट्स के ग्रुप का एक चैट वायरल हो रहा है। जिसमें आरोप लगाया है कि सौमिल के पिता को छात्रों से बात करने तक नहीं दिया, पुलिस ने 50 किलो मीटर तक उनका पीछा किया। स्टूडेंट्स के चैट में सौमिल साहू के बुखार से लेकर उसकी मौत और उसके बाद सौमिल के पिता के शव ले जाने तक का पूरा अपडेट है। वहीं, परिजनों ने डॉक्टर पर दवाई का ओवरडोज देने का आरोप लगाया है। आईआईटी भिलाई में जहां पूरा प्रशासन दीक्षांत समारोह की तैयारियों में व्यस्त था, वहीं दूसरी ओर सौमिल की तबीयत बिगड़ने से उसके साथी चिंतित थे।

हाथियों से 4 महीने में 4.75 करोड़ का नुकसान

छत्तीसगढ़ में 247 हाथी, 100 बिलासपुर में कर रहे विचरण

बिलासपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर वनमंडल में जंगली हाथियों के कारण पिछले चार महीनों में 4.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। छत्तीसगढ़ में कुल 247 हाथी हैं, जिनमें से लगभग 100 हाथी अकेले बिलासपुर वन वृत्त के अलग-अलग क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं।

बिलासपुर वन वृत्त के वन संरक्षक मनोज पांडेय के मुताबिक, हाथियों से हुए नुकसान के लिए प्रभावितों को मुआवजा दिया गया है। इसमें जनहानि के लिए 90 लाख रुपए, जन घायल के लिए 87,380 रुपए, पशुहानि के लिए 1 लाख 3 हजार 600 रुपए, फसल क्षति के लिए 3 करोड़ 54 लाख 16 हजार 625 रुपए और अन्य संपत्ति हानि के लिए 29 लाख 33 हजार 779 रुपए की राशि शामिल है।

हाथियों के रहवास में अंधाधुंध उत्खनन और शहरीकरण के कारण बाधा उत्पन्न हुई है। इसी वजह से पड़ोसी राज्यों ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश से हाथियों के झुंड भोजन और पानी की तलाश में लगातार छत्तीसगढ़ पहुंच रहे हैं। राजनांदगांव से महाराष्ट्र के गढ़चिरोली से भी हाथी छत्तीसगढ़ आते हैं।

जानकारों के अनुसार, यहां का पारंपरिक महुआ, उससे बनी कच्ची शराब, धान के हरे-भरे खेत और चावल की खुशबू जंगली हाथियों को आकर्षित करती है। यह भी उनके मानव बस्तियों के करीब आने का एक प्रमुख कारण है।

जंगली हाथियों से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में सरगुजा और बिलासपुर सर्किल आते हैं। इनमें कोरबा, कटघोरा, धरमजयगढ़ और सरगुजा के सभी वनमंडल प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन क्षेत्रों में हाथियों का विचरण और मानव-हाथी संघर्ष एक गंभीर समस्या बन गया है।

बिलासपुर वन वृत्त द्वारा मानव-हाथी संघर्ष को कम करने, हाथियों के संरक्षण को बढ़ावा देने और गज गलियारों को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है।

मुख्य वन संरक्षक बिलासपुर वृत ने जनता से अपील की है कि हाथियों के देखे जाने पर सूचना तुरंत वन विभाग कार्यालय और हेल्पलाइन नंबर पर दें।

सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि वन विभाग सामुदायिक सहयोग और वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से हाथियों के संरक्षण तथा मानव सुरक्षा को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ रहा है।

बड़े बेटे को लालू ने हटाया, बेटी ने खुद छोड़ा परिवार

पिता का जीवन बचाया था रोहिणी आचार्य ने

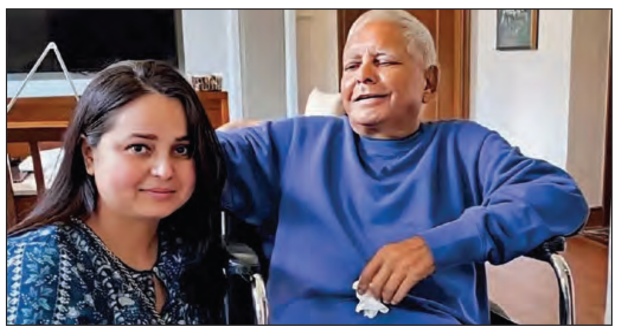

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, देश के भूतपूर्व रेल मंत्री और बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बहुत दिन नहीं हुए, जब लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार और पार्टी से निकल बाहर किया था। अब उनकी सबसे चर्चित बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान करते हुए परिवार से भी दामन छुड़ा लिया है। रोहिणी आचार्य तब सबसे ज्यादा चर्चा में आई थी, जब उन्होंने अपने पिता को किडनी दान कर उनकी जान बचाई थी।

पाटलिपुत्र की सांसद चुनी गई लालू प्रसाद यादव की पहली बेटी मीसा भारती हैं। निशा के बाद रोहिणी आचार्य हैं। रोहिणी आचार्य की शादी तो बिहार में हुई है, लेकिन वह सपरिवार सिंगापुर में रहती हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की जब किडनी खराब हो गई, तो प्रत्यारोपण के लिए दाता की खोज शुरू हुई थी। बाद में रोहिणी आचार्य ने पिता को सिंगापुर बुला लिया। वहां अपनी एक किडनी पिता को देखकर उनकी जान बचाई। दिसंबर 2022 में ऑपरेशन के बाद कुछ समय तक लालू सिंगापुर में रहे और फिर उसके बाद दिल्ली में बेटी मीसा भारती के पास। किडनी देने वाली बेटी को लेकर बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के समर्थकों में बहुत जबरदस्त सकारात्मक माहौल था। लोकसभा चुनाव 2024 में सक्रिय हुए लालू प्रसाद यादव ने बेटी रोहिणी आचार्य को सारण में भारतीय जनता पार्टी के राजीव प्रताप रूडी के सामने टिकट दिया। रोहिणी ने बिहार में रहकर अपने क्षेत्र में जबरदस्त प्रचार भी किया, लेकिन जीत नहीं सकीं। इसके बाद वह सिंगापुर लौट गई थीं।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले एक बार चर्चा उठी कि वह यह चुनाव भी लड़ने आने वाली हैं। इधर इस बीच, एक लड़की के साथ वायरल वीडियो के आधार पर लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को 6 साल के लिए राष्ट्रीय जनता दल और आजीवन परिवार से बाहर कर दिया। तेज प्रताप यादव पर दहेज प्रताड़ना का केस पहले से चल रहा है। पिछले दिनों जब तेज प्रताप यादव वैशाली के महुआ से अपनी नवगठित पार्टी के नाम पर चुनाव में उतरे, तो लालू परिवार से केवल रोहिणी ने ही अपने भाई के लिए शुभकामना संदेश दिया। कहां जा रहा है कि इसी बात को लेकर तेजस्वी के आसपास रहने वाले लोगों ने परिवार में विवाद बढ़ा दिया। शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम में तेज प्रताप यादव की हार भी हुई। राष्ट्रीय जनता दल बुरी तरह सिमट गया। इसके बाद अब शनिवार को रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव के आसपास रहने वाले दो लोगों का नाम लिखकर राजनीति से ही संन्यास लेने और लालू परिवार से दूर होने का एलान कर दिया।

कोडरमा घाटी में स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त

एजुकेशनल टूर पर निकलीं दो दर्जन छात्राएं घायल

कोडरमा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में एक स्कूली बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें जवाहर नवोदय विद्यालय की लगभग दो दर्जन छात्राएं घायल हो गईं। ये छात्राएं एजुकेशनल टूर के लिए राजगीर जा रही थीं। घटना शनिवार सुबह कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास हुई। विद्यालय के प्राचार्य अमिताभ कुमार ने बताया कि कक्षा 11वीं की 75 छात्राएं एजुकेशनल टूर पर निकली थीं। बस एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में उसके पिछले हिस्से से टकरा गई और सड़क किनारे खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में बस चालक भी घायल हुआ है।

डीसी ऋतुराज ने घटना को लेकर दुख प्रकट करते हुए कहा कि कुछ बच्चियों को ज्यादा चोटें लगी हैं। हालांकि अधिकतर छात्राओं को हल्की फुल्की चोटें आई हैं। डीसी ऋतुराज ने घटना को लेकर दुख प्रकट करते हुए कहा कि कुछ बच्चियों को ज्यादा चोटें लगी हैं।

हालांकि अधिकतर छात्राओं को हल्की फुल्की चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस को देखा और घाटी के पेट्रोलिंग वाहन को सूचना दी। पेट्रोलिंग टीम ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचित किया और घटनास्थल पर पहुंची। कोडरमा पेट्रोलिंग की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

रांची के धुर्वा डैम में पुलिस वाहन गिरा, 3 मरे

रांची, 15 नवंबर (एजेंसियां)। रांची में शुक्रवार देर रात हुए भीषण हादसे ने पुलिस विभाग के साथ पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया। धुर्वा डैम के पास से गुजर रहा पुलिसकर्मियों का वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पानी में समा गया। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि कार के भीतर मौजूद सभी तीनों पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में जमशेदपुर के प्रिंसिपल जिला जज के दो बॉडीगार्ड उपेंद्र कुमार सिंह और रोबिन कुजूर के साथ सरकारी ड्राइवर सतेंद्र सिंह शामिल थे। बताया जा रहा है कि सभी रात में धुर्वा डैम के रास्ते से गुजर रहे थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहन काफी तेज गति में था और अचानक मोड़ पर संतुलन बिगड़ने के बाद सीधे डैम में जा गिरा।

भूपेश बोले-मतदाताओं की फोटो-फोटोकॉपी का खर्च निर्वाचन आयोग उठाए

एसआईआर प्रक्रिया पर कहा- गरीब आदिवासी मतदाता 100 किमी दूर जाकर कैसे करवाएगा फोटोकॉपी?

रायपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में चल रही SIR (स्पेशल इंटेंशन रिव्यू) प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने अब एक नई मांग रखी है। पार्टी का कहना है कि, राज्य के दूर-दराज ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में रहने वाले मतदाता फोटो खिंचवाने और फोटोकॉपी कराने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में इन सुविधाओं की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग को लेनी चाहिए।

कांग्रेस पहले ही एसआईआर प्रक्रिया को 3 महीने बढ़ाने की मांग कर चुकी है। अब नई मांग है कि गरीब और दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं को देखते हुए आयोग को फोटो और फोटोकॉपी की व्यवस्था मुफ्त में करनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दैनिक भास्कर डिजिटल से बातचीत में कहा कि, हमें एसआईआर प्रक्रिया से दिक्कत इसलिए है, क्योंकि इसमें मतदाता को ही आपको प्रमाणित करना है कि आप मतदाता हैं।

अब अगर कोई लड़की शादी के बाद ससुराल चली जाए तो उसे साबित करना होगा, अगर बस्तर में शादी हुई और 86 के बाद का जन्म है, तो वो क्या करेगी, फिर फोटो चाहिए। गरीब आदमी कहां से फोटो खिंचवाने के पैसे लाएगा। ये व्यवस्था निर्वाचन आयोग को करनी चाहिए। खासकर हमारे यहां गांव इतने दूर-दूर जंगलों में हैं। फोटोकॉपी करवाने के लिए ही सैकड़ों किलोमीटर चलना पड़ेगा। हमारे यहां गांव इतने दूर-दूर जंगलों में हैं।

फोटोकॉपी करवाने के लिए सैकड़ों किलोमीटर चलना पड़ेगा। ब्लॉक मुख्यालय ही 100 किमी है। निर्वाचन आयोग ने खुद ही कहते हैं कि हमने 12 लाख फॉर्म छापे हैं। 2 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, फिर तो फोटोकॉपी मतदाता को ही करवाना पड़ेगा।

पहाड़ों की बर्फबारी और उत्तरी हवा से पारा फिसला

झारखंड के 9 जिलों का मीनिमम टेंपरेचर 10 डिग्री के नीचे, 16 के बाद राहत

रांची, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हिमालय और उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में जारी बर्फबारी का सीधा असर झारखंड के मौसम पर दिखने लगा है। राज्य में ठंड अचानक बढ़ गई है। रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। दिन में भी धूप होने के बावजूद सर्द हवा की वजह से कनकनी बनी हुई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान नौ जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। इनमें खूंटी सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 7 डिग्री रहा। लगातार तीन दिनों से खूंटी का तापमान 8 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम में आए इस बदलाव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। रात में हल्की सिहरन के साथ सुबह भी ठंड तेजी से महसूस हो रही है।

राज्य में ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। रांची, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, सिमडेगा और हजारीबाग सहित कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान पिछले 24 घंटों में एक डिग्री और गिरकर 9.4 डिग्री पर पहुंच गया, जो सामान्य से चार डिग्री कम है। पश्चिमी झारखंड के पलामू, गढ़वा और लातेहार में ठंड का असर और अधिक दिख रहा है। सिमडेगा, मेदिनीनगर, हजारीबाग और अन्य जिलों में भी पारा 10 डिग्री से नीचे रहा।

चीन से नोट छपवा रहे भारत के 5 पड़ोसी देश

नेपाल ने 43 करोड़ नोट प्रिंटिंग का टेंडर दिया
सस्ती छपाई से अमेरिका-ब्रिटेन का बाजार छीन रहा

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के अधिकांश पड़ोसी देशों की तरह ही नेपाल भी अब अपनी करेंसी प्रिंटिंग के लिए चीन का रुख कर रहा है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने 7-8 नवंबर को 1000 रुपए के 43 करोड़ नोटों की प्रिंटिंग के लिए एक टेंडर जारी किया था।

इस टेंडर को चीन की एक कंपनी ने जीत लिया है। इसके बाद नेपाली बैंक ने चाइना सीबीपीएमसी को टेंडर दे दिया। 1945 से 1955 तक नेपाल के सभी नोट भारत की नासिक स्थित सिक्योरिटी प्रेस में छपे और उसके बाद भी भारत ही मुख्य साझेदार बना रहा।

हालांकि, 2015 में नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने वैश्विक टेंडर के जरिए चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन (सीबीपीएमसी) को कॉन्ट्रैक्ट दे दिया, जिसके बाद नेपाल के ज्यादातर नोट चीन में ही छपने लगे।

नेपाल के अलावा श्रीलंका, मलेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड भी अपनी करेंसी चीन में छपवाते हैं। पिछले कुछ सालों में चीन एशियाई देशों की करेंसी का बड़ा केंद्र बन चुका है। इससे अमेरिका-ब्रिटेन के मुद्रा छापने वाले बाजार पर नेगेटिव असर पड़ रहा है।

बांग्लादेश की टका मुद्रा 2010 से चीन में छप रही है, जहां कम लागत और उन्नत सुरक्षा फीचर्स ने इसे बढ़ावा दिया है।

श्रीलंका की रुपया 2015 के बाद से मुख्य रूप से चीन पर निर्भर है। अफगानिस्तान ने भी 2000 के दशक से अपनी अफगानी मुद्रा के लिए चीन को चुना। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पड़ोसियों में थाईलैंड और मलेशिया भी चीन में नोट छपवा रहे हैं। थाईलैंड 2018 से मुद्रा छपवा रही है। मलेशिया की रिंगिट (मुद्रा) भी 2010 के बाद से चीन में शिफ्ट हुई, जहां पॉलीमर-आधारित नोटों की प्रिंटिंग ने नकली नोटों को 50% कम किया। मनी कंट्रोल की 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, ये चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत आर्थिक लाभ के लिए चीन की ओर मुड़े, जबकि भारत की सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन से दूरी बना ली। हालांकि, भूटान अभी भी भारत पर निर्भर है। उसकी मुद्रा नासिक प्रेस में छपती है। लेकिन हालिया चर्चाओं में भूटान ने भी चीन के साथ सहयोग की संभावना जताई है। वहीं, पाकिस्तान अपनी करेंसी घरेलू प्रेस में प्रिंट करवाता है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में चीन के साथ सहयोग का जिक्र है। इकोनॉमिक टाइम्स (2018) के अनुसार, पाकिस्तान ने कभी-कभी चीन बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन (सीबीपीएमसी) से तकनीकी सहायता ली है।

हालांकि, पूरी तरह से आउटसोर्सिंग की पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर म्यांमार ने 2020 के तख्तापलट के बाद अपनी मुद्रा के लिए चीन पर अधिक निर्भरता बढ़ाई है, जहां राजनीतिक अस्थिरता ने विदेशी प्रिंटिंग को जरूरी बनाया।

ट्रम्प दो राज्यों में हार के बाद टैरिफ पर पलटे

बीफ-कॉफी और फलों से टैरिफ हटाया
महंगाई की वजह से लोगों में नाराजगी

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसमें बीफ, कॉफी और फलों सहित दर्जनों एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर लगे टैरिफ हटा दिए गए हैं। इसके पीछे मंहगाई को बड़ी वजह बताया जा रहा है।

इस महीने की शुरुआत में वर्जीनिया और न्यू जर्सी में हुए चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के बाद यह फैसला आया है। इस चुनाव में वोटर्स के लिए महंगाई और ऊंची कीमतें सबसे बड़ा मुद्दा थीं।

ट्रम्प प्रशासन के अनुसार यह कदम उत्पादों की कीमतों को स्थिर करने के लिए उठाया गया है। इन पर लगाए गए टैरिफ का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ रहा था। बीफ, कॉफी, चाय, फलों का जूस, कोको, मसाले, केले, संतरे, टमाटर और कुछ खाद उत्पादों को टैरिफ फ्री कैटेगरी में शामिल किया गया है।

पिछले महीनों में बीफ सहित कई खाद्य उत्पादों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। अप्रैल में ट्रम्प ने कई देशों पर टैरिफ लगाए थे।

उनके प्रशासन का दावा था कि इनसे उपभोक्ता कीमतें नहीं बढ़तीं। लेकिन नतीजा इसके उलट आया। ब्राजील जैसे बड़े बीफ निर्यातक देश पर टैरिफ को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

यह फैसला इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, एल साल्वाडोर और अर्जेंटीना के साथ हुए समझौतों के तुरंत बाद आया। इनसे इन देशों से कृषि उत्पादों पर आयात टैक्स कम होगा। इस हफ्ते ट्रम्प ने कॉफी पर टैरिफ कम करने का संकेत दिया था, जिससे इम्पोर्ट आगे बढ़ सके।

2025 में अमेरिका का सबसे बड़ा कृषि व्यापारिक साझेदार मेक्सिको है, जो एक्सपोर्ट और आयात दोनों के मामले में टॉप पर है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (यूएसडीए) के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में अमेरिका ने मेक्सिको को रिकॉर्ड 30.3 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद एक्सपोर्ट किए, जो 2023 से 7% ज्यादा था।

कुल व्यापार मूल्य के लिहाज से, 2020-24 के एवरेज में मेक्सिको ने अमेरिका को 41.6 अरब डॉलर के इम्पोर्ट किए, जो सभी कृषि आयातों का लगभग 25% है, जबकि कनाडा दूसरे स्थान पर 35 अरब डॉलर के साथ है। मुख्य एक्सपोर्ट में मक्का (5.51 अरब डॉलर), सूअर का मांस, डेयरी उत्पाद, सोयाबीन और मुर्गी मांस शामिल हैं, जबकि इम्पोर्ट में टमाटर, एवोकाडो, बेरीज और सब्जियां प्रमुख हैं।

यूएसएमसीए (संयुक्त राज्य अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौता) समझौते के कारण मेक्सिको के ज्यादातर उत्पादों पर टैरिफ शून्य हैं, जिससे यह व्यापार आसान और तेजी से बढ़ा है। पिछले चार वर्षों में निर्यात 65% ऊपर हो गया।

ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया था

ट्रम्प ने 5 मार्च को अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी इकोनॉमी लगातार घाटे में जा रही है। इस नुकसान से बचने के लिए हम उन सभी देशों पर टैरिफ लगाएंगे, जो हमारे सामानों पर टैरिफ लगाते हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने करीब एक महीने बाद 2 अप्रैल को भारत समेत 69 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह 9 अप्रैल से लागू होने वाला था, लेकिन ट्रम्प ने तब इसे टाल दिया। बाद में 31 जुलाई को ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया, जो अगस्त में पूरी तरह लागू हो गया।

भारत और अमेरिका के बीच डेयरी प्रोडक्ट्स को लेकर विवाद है। अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर, घी को भारत में आयात की अनुमति मिले।

पाकिस्तान से लड़ाई अफगानिस्तान के लिए बन गई 'फायदे का सौदा'

तालिबान सरकार ने बताया भारत कनेक्शन

काबुल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे तनाव का सीधा असर दोनों देशों के व्यापार पर हो रहा है। व्यापार प्रभावित होने पर काबुल ने उन ट्रेड रूट की ओर रुख किया है, जो इस्लामाबाद पर उसकी निर्भरता को कम करते हैं। उसके ये नए मार्ग ईरान और मध्य एशिया से होकर गुजरते हैं। इससे अफगान तालिबान की सरकार को फायदा हो रहा है। खासतौर भारत की मदद से चाबहार पोर्ट का रास्ता अफगान तालिबान के काम आ रहा है। अफगान तालिबान ने पाकिस्तान पर निर्भरता कम करने की कोशिशों पर प्रकाश डाला है। जाने-माने मीडिया आउटलेट अरियाना न्यूज ने रॉयटर्स की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल सलाम जवाद अखुंदजादा ने दावा किया कि पिछले छह महीनों में ईरान के साथ काबुल का व्यापार 1.6 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो पाकिस्तान के साथ हुए 1.1 बिलियन डॉलर के व्यापार से कहीं अधिक है।

अखुंदजादा ने कहा कि चाबहार पोर्ट ने उनके देश की मुश्किल आसान कर दी। दक्षिणपूर्वी ईरान स्थित इस बंदरगाह को भारत ने डेव्लप किया है और इससे व्यापारियों को आसानी हो रही है। उनका सामान समय पर बिना किसी दिक्कत के पहुंच रहा है। ट्रेडर्स का आत्मविश्वास बढ़ा है उन्हें यकीन हो चला है कि अब सीमा पर लगे बैन का उन पर असर नहीं पड़ेगा।

आईएएनएस ने पहले बताया था कि अफगानिस्तान-पाकिस्तान की सीमा पर बढ़ते तनाव को देखते हुए तालिबान सरकार नए ट्रेड रूट तलाश रही है।

गाजा को दो हिस्सों में बांटेगा अमेरिका

ग्रीन जोन पर इजराइल का कंट्रोल, इसे दोबारा बसाया जाएगा, फिलस्तीनियों को खंडहर रेड जोन मिलेगा

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका गाजा पट्टी को दो हिस्सों में बांटने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए एक लॉन्ग टर्म प्लान बनाया गया है। एक हिस्से पर इंटरनेशनल फोर्स और इजराइली सेना का कंट्रोल रहेगा। इसे ग्रीन जोन कहा जाएगा।

फिलिस्तीनी आबादी वाले दूसरे हिस्से को फिलहाल खंडहर अवस्था में ही रहने दिया जाएगा। इसे रेड जोन नाम दिया गया है। लगभग सभी फिलिस्तीनी रेड जोन में विस्थापित हो गए हैं।

यह दावा द गार्डियन की एक रिपोर्ट में किया गया है। इस रिपोर्ट को अमेरिकी सेना के खुफिया दस्तावेजों और अधिकारियों के निजी बयानों के आधार पर तैयार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्लान को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

गाजा पट्टी के पूर्वी हिस्से में बनेगा ग्रीन जोन

गाजा के पूर्वी हिस्से में ग्रीन जोन बनाया जाएगा। यहां इजराइली सैनिकों के साथ विदेशी सैनिक भी तैनात होंगे। यहां पर री-डेवलपमेंट का काम होगा।

अमेरिका यहां तैनात होने वाले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बलों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से औपचारिक मंजूरी दिलाने की कोशिश कर रहा है।

प्लान के मुताबिक यहां शुरुआत में कुछ सौ सैनिक तैनात होंगे। बाद में इनकी संख्या बढ़ाकर 20,000 तक की जा सकती है। ग्रीन जोन से बाहर जाने की अनुमति किसी विदेशी सेना को नहीं होगी।

इजराइल के नियंत्रण वाली येलो लाइन के पश्चिम का हिस्सा रेड जोन कहलाएगा। यहां कोई री-डेवलमेंट नहीं किया जाएगा। 2 साल की जंग में सबसे ज्यादा नुकसान इसी इलाके को पहुंचा है। यहां लगभग 20 लाख की आबादी फंसी हुई है।

यह पूरा प्लान हाल ही में हुए सीजफायर और डोनाल्ड ट्रम्प के उन्हीं वादों पर सवाल खड़ा करता है। ट्रम्प प्रशासन की तरफ से कहा गया था कि गाजा को एकजुट कर फिलिस्तीनी शासन को बहाल किया जाएगा। ट्रम्प ने 13 अक्टूबर को मिस्र के शहर शर्म अल शेख में गाजा शांति समझौते पर साइन किए थे। इस दौरान 20 से ज्यादा देशों के नेता वहां मौजूद थे, लेकिन इजराइल और हमास को नहीं बुलाया गया था।

शांति प्रस्ताव पर साइन करने के बाद ट्रम्प ने समझौते का आखिरी पेज प्रेस को दिखाया था।

इसपर लिखा था कि हर व्यक्ति को सम्मान, शांति और बराबर मौके मिलने चाहिए। हम चाहते हैं कि यह क्षेत्र ऐसा हो जहां हर कोई शांति और सुरक्षा में अपने सपने पूरे कर सके चाहे वह किसी भी धर्म या नस्ल का हो।

चीन ने 1,000 टन का सोने का भंडार खोजा

1 साल में रिकॉर्ड तीसरी बार रिजर्व ढूंढा

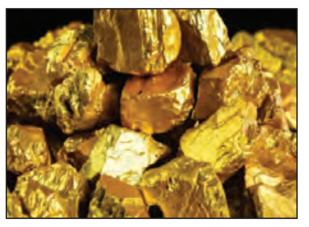

बीजिंग, 15 नवंबर (एजेंसियां)। चीन ने शिनजियांग के कुनलुन पहाड़ों में सोने का विशाल भंडार खोजा है। इस सर्वे में शामिल भू-विज्ञानियों के मुताबिक शुरुआती अनुमान बताते हैं कि यहां कुल सोने का भंडार 1,000 टन से भी ज्यादा हो सकता है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन को 1000 टन से ज्यादा का सोने का भंडार मिला है। इससे पहले ऐसे दो बड़े भंडार लियाओनिंग और हुनान में मिले थे।

दुनिया में सिर्फ 5 सोने के भंडार ऐसे हैं जो 1000 टन से ज्यादा बड़े हैं। ऐसे में इसे एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। इसकी कीमत लगभग 1,164 लाख करोड़ भारतीय रुपए होगी।

इससे पहले वैज्ञानिकों का यह अनुमान था कि चीन में अब सिर्फ 3,000 टन सोना ही जमीन के नीचे बचा है। लेकिन लगातार 3 नई खोजों से वे अनुमान गलत साबित हुए हैं। अब माना जा रहा है कि चीन में सोने के भंडार और भी ज्यादा हो सकते हैं।

यह तेजी इसलिए आई है क्योंकि चीन ने खनन सर्वे पर बहुत ज्यादा खर्च बढ़ाया है और एडवांस तकनीक अपनाई हैं। चीनी वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दुनिया की सबसे ताकतवर ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार तकनीक और बेहद संवेदनशील खनिज खोजने वाले सैटेलाइट विकसित किए हैं।

यूरोप की परिवहन व्यवस्था को एक बटन से पंगू बना सकता है चीन?

एफ-35 के 'किल स्विच' के बाद चीनी बसों पर बड़ा खुलासा

लंदन/कोपेनहेगन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 लाइटनिंग II में किल स्विच को लेकर अभी बहस थमी भी नहीं है कि यूरोप को एक नई चिंता सताने लगी है। क्या यूरोप के कई शहरों में चलने वाली चीनी इलेक्ट्रिक बसों में भी ऐसा ही किल स्विच लगा है, जिससे बीजिंग उन्हें दूर से ही निष्क्रिय कर सकता है? पिछले महीने, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे सहित कई यूरोपीय देशों ने इस बात की जांच शुरू की है, कि क्या बीजिंग यूरोपीय सड़कों पर चल रही सैकड़ों चीनी इलेक्ट्रिक बसों को रोक सकता है।

इन यूरोपीय देशों के बाद अब ब्रिटेन ने भी चीनी बसों को लेकर जांच शुरू कर दी है, जो सबसे ज्यादा चीनी इलेक्ट्रिक बसों का इस्तेमाल करता है। ब्रिटेन ने चीनी इलेक्ट्रिक बस निर्माता यूटोंग के खिलाफ आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूके के परिवहन विभाग (डीएफटी) के अधिकारी राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा केंद्र (एनसीएससी) के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, कि क्या यूटोंग यूके में अपनी बसों के कंट्रोल सिस्टम का दूर से ही सॉफ्टवेयर अपडेट और डायग्नोस्टिक्स कर सकता है?

यूके में करीब 700 से ज्यादा चीनी कंपनी यूटोंग की बसें चल रही हैं, जिनका उपयोग स्टेजकोच और फर्स्ट बस जैसे जाने-माने समूह करते हैं। माना जाता है कि इन दोनों कंपनियों के पास अकेले 200 से ज्यादा बसें हैं।

फिलहाल ये कंपनी, लंदन के बाजार में विस्तार करने की भी कोशिश कर रही है। उसने एक नया डबल-डेकर इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च किया गया है, जिसे ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन (टीएफएल) के स्टैंडर्ड के मुताबिक डिजाइन किया गया है।

इस बीच, स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई मीडिया आउटलेट, रीजन कैनबरा के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने यूटोंग बसों के मामले में भी इसी तरह की जांच शुरू की है। दूसरी तरफ रिपोर्ट है कि इजरायल ने कथित तौर पर सीनियर आईडीएफ अधिकारियों को दी गई चीनी इलेक्ट्रिक कारों को जब्त करना शुरू कर दिया है।

इथियोपिया में मारबर्ग वायरस की दस्तक

अदीस अबाबा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पूरी दुनिया अभी कोरोना वायरस जैसी महामारी को भुला भी नहीं पाई है कि अब एक और ऐसे वायरस ने दस्तक दी है। इस वायरस का नाम 'मारबर्ग' है, जिसका पहला मामला पूर्वी अफ्रीकी देश इथियोपिया से सामने आया है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इथियोपिया में पहली बार मारबर्ग वायरस रोग के मामलों की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ओमो क्षेत्र में नौ लोग संक्रमित पाए गए हैं, यह इलाका दक्षिण सूडान की सीमा के पास है। यह पुष्टि तब हुई जब स्वास्थ्यकर्मियों ने कुछ मरीजों में वायरल हेमोरेजिक बुखार से जुड़े लक्षण देखे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम ने कहा कि इथियोपिया की स्वास्थ्य एजेंसियों ने तेज और पारदर्शी कदम उठाए हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कामकाज में पारदर्शिता की भारत की दो-टूक मांग

न्यूयॉर्क, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की जोरदार मांग की है। न्यूयॉर्क में शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) 'कार्य पद्धतियां' पर आयोजित यूएनएससी की खुली बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की सबसे महत्वपूर्ण संस्था है, इसलिए इसके कामकाज का ईमानदार, स्पष्ट और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है।

हरीश ने कहा कि यूएनएससी की कई सहायक संस्थाओं का कामकाज अभी भी अस्पष्ट है। खासकर आतंकियों व प्रतिबंधित संस्थाओं को सूचीबद्ध करने के प्रस्तावों को खारिज किए जाने की प्रक्रिया बहुत 'धुंधली' है।

उन्होंने बताया कि जिस तरह डीलिस्टिंग (सूची से हटाने) का निर्णय स्पष्ट रूप से दर्ज होता है, उसी तरह सूचीकरण प्रस्तावों को खारिज किए जाने की जानकारी सार्वजनिक नहीं होती। उन्होंने कहा, 'जो देश सुरक्षा परिषद में नहीं हैं, उन्हें तो इस प्रक्रिया की कोई जानकारी ही नहीं मिलती।'

चेरमैनशिप और पेन-होल्डरशिप पर चेतावनी

भारत ने यह भी कहा कि यूएनएससी की समितियों और सहायक संस्थाओं के चेयर और पेन-होल्डर पद जिम्मेदारी वाले पद हैं, जिन्हें किसी भी तरह के स्वार्थ या टकराव से दूर रखा जाना चाहिए।

हरीश ने कहा, 'जिन देशों के हित टकरा रहे हों, उन्हें इन पदों की जिम्मेदारी देना उचित नहीं है।'

यूएनएससी सुधार की जरूरत दोहराई

भारत ने सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की अपनी पुरानी मांग को दोहराया। हरीश ने कहा कि आठ दशक पुराना यूएनएससी ढांचा बदलते समय और नई चुनौतियों के लिए अब फिट नहीं माना जा सकता।

उन्होंने सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की सदस्यता का विस्तार करने और अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका जैसे कम-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों को पर्याप्त जगह देने की बात कही।

हसीना को सजाए सुनाए जाने से पहले बांग्लादेश में हिंसा

5 जिलों में हाईवे जाम, आगजनी, राजधानी ढाका में सेना की 12 टुकड़ियां तैनात

ढाका, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को दो दिन बात मानवता के खिलाफ अपराध मामले में सजा सुनाई जाने वाली है। इससे पहले राजधानी ढाका में जारी आगजनी और हिंसा की घटनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है।

हसीना के समर्थकों ने ढाका समेत पांच जिलों में हाईवे जाम कर रखा है। सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 12 अतिरिक्त टुकड़ियां शहर में तैनात की हैं, जो लगातार गश्त कर रही हैं। बीजीबी मुख्यालय के मुताबिक राजधानी के प्रमुख इलाकों में पैरामिलिट्री फोर्स की

तैनाती बढ़ाई गई है। यहां हाल के दिनों में वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई थीं। इससे पहले भी बांग्लादेश सरकार ढाका और आसपास के जिलों में बीजीबी की 14 टुकड़ियां तैनात कर चुकी है ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और किसी तरह की अराजकता न फैले।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों के तेवर और तीखे हो गए हैं। उनकी मांग है कि पूर्व पीएम हसीना के खिलाफ झूठे मामले वापस लिए जाएं। साथ ही फरवरी में चुनाव की तारीख का ऐलान किया जाए। शुक्रवार को अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ भी झड़पें हुईं।

शुक्रवार तड़के ढाका में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास दो बम विस्फोट हुए। इससे पहले 13 नवंबर को हसीना के खिलाफ फैसले की तारीख के ऐलान से पहले अवामी लीग ने विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन किए।

इसके जवाब में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता ढाका के कई इलाकों में सड़कों पर उतर आए और कुछ जगहों पर जुलूस भी निकाले।

मस्जिद, स्कूल, कब्रिस्तान, किर्गिस्तान में झील के तट पर अटलांटिस जैसे शहर की खोज

इस्लामी रिवाजों के मिले लिंक

बिश्केक, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्लेटो की अटलांटिस की कहानी एक बार फिर चर्चा में आ गई है। इस चर्चा की वजह एक नई खोज है। रूसी विज्ञान अकादमी के पुरातत्वविदों ने किर्गिस्तान की इस्सिक कुल झील के नीचे 15वीं शताब्दी के विनाशकारी भूकंप में नष्ट हुए एक डूबे हुए शहर के निशान खोज निकाले हैं। यह दुनिया की आठवीं सबसे गहरी झील है, जिससे यह कमाल की खोज हुई है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, झील के उत्तर-पश्चिमी बिंदु के पास बाढ़ग्रस्त तोरु-अयगीर परिसर में स्थित इस शहर को खोजकर्ताओं ने खुदाई के दौरान ढूंढ़ निकाला है। एक्सपर्ट ने झील के तटरेखा के आसपास 3 से 13 फीट की उथली गहराई पर

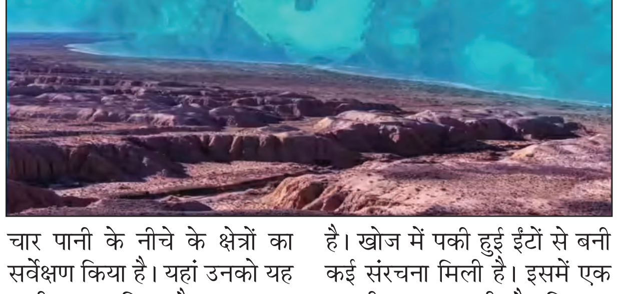

चार पानी के नीचे के क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया है। यहां उनको यह प्राचीन शहर मिला है।

खोज में क्या-क्या मिला

एक्सपर्ट को खुदाई स्थल से रोजमर्रा की चीजों का बड़ ढ़ेर मिला है। यह किसी समय के संपन्न महानगर या बड़े व्यावसायिक समूह को दिखाता है। खोज में पकी हुई ईंटों से बनी कई संरचना मिली है। इसमें एक चक्की का पाट भी है, जिसका इस्तेमाल अनाज को कुचलने और पीसने के लिए किया जाता था। इसके अलावा धंसी हुई पत्थर की संरचनाएं और लकड़ी के बीम हैं।

पुरातत्वविदों का मानना है कि एक क्षेत्र में उन्हें एक सार्वजनिक इमारत भी मिली है, जो कोई मस्जिद, स्नानागार या स्कूल की बिल्डिंग रही होगी। तीन अन्य क्षेत्रों में कब्रिस्तान के अवशेष मिले हैं। यह विशाल कब्रिस्तान किसी प्राचीन शहर से संबंधित होता है। यहां गोल और आयताकार आकार की मिट्टी की ईंटों से बनी संरचनाएं भी मिली हैं।

खुदाई मे दफनाने के स्थान भी मिले हैं, जिनसे पारंपरिक इस्लामी रीति-रिवाजों के प्रमाण मिलते हैं। इनमें कंकाल उत्तर दिशा की ओर मुख किए हुए हैं। उनके चेहरे किबला की ओर हैं, जिस दिशा में मुसलमान नमाज के दौरान मुंह करके बैठते हैं।

रूसी भौगोलिक सोसायटी ने कहा कि यह सब इस बात की पुष्टि करता है कि यहां कभी एक प्राचीन शहर हुआ करता था।

वसुंधरा राजे के 'राजनीतिक कद' पर उठे सवाल; कैसे फेल हुआ चुनावी मैनेजमेंट ?

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी से यह सीट छीन ली है। कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया ने बीजेपी के मोरपाल सुमन को हराकर तीन गुना से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाया महज 5,861 वोटों से हारे थे, लेकिन इस बार उन्होंने करीब 17,000 से ज्यादा वोटों के मार्जिन से बाजी मार ली। सत्ता में होने के बावजूद बीजेपी की यह हार कई सवाल खड़े कर रही है। बीजेपी का चुनावी मैनेजमेंट पूरी तरह फेल साबित हुआ, जबकि कांग्रेस ने एकजुट होकर पूरी ताकत झोंक दी। इस हार से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के राजनीतिक कद पर भारी असर पड़ने की चर्चा है।

कांग्रेस की जीत के पीछे पार्टी की एकता प्रमुख कारण रही। अशोक गहलोत, सचिन पायलट सहित पूरा कांग्रेस नेतृत्व एक मंच पर नजर आया। गहलोत और पायलट ने मिलकर प्रचार किया, जिससे कार्यकर्ताओं में जोश भरा। भाया को जातीय समीकरणों का भी फायदा मिला। मीणा, जैन और अन्य समुदायों के वोटों ने कांग्रेस की झोली भरी। निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा (कांग्रेस बागी) ने भी अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस की मदद की।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के हनुमान बेनीवाल और राजेंद्र सिंह गुढ़ा के समर्थन से नरेश मीणा ने बीजेपी के मीणा वोट बैंक में सेंध लगा दी। नरेश को बीजेपी ने खतरे के रूप में नहीं लिया, जो उनकी बड़ी गलती साबित हुई। नरेश ने बीजेपी से नाराज वोटरों को अपनी ओर खींचा, जिसका सीधा नुकसान मोरपाल सुमन को उठाना पड़ा।

दूसरी ओर, बीजेपी में दिखावे की एकता ही नजर आई। कैबिनेट मंत्रियों हीरालाल नागर और मदन दिलावर जैसे स्थानीय नेताओं को चुनावी मैदान से दूर रखा गया। मीणा वोटरों को लुभाने के लिए किरोड़ी लाल मीणा को महज एक-दो बार बुलाया गया, जो अपर्याप्त साबित हुआ। पार्टी के अंदर टिकट वितरण को लेकर भारी खींचतान रही। उम्मीदवार घोषित करने में देरी हुई, जिससे सुर्खियां बनीं।

सूत्रों के मुताबिक, मोरपाल सुमन बीजेपी की पहली पसंद नहीं थे। वसुंधरा राजे इस सीट से कंवर लाल मीणा की पत्नी को टिकट दिलवाना चाहती थीं, लेकिन परिवारवाद का आरोप लगने के डर से बात नहीं बनी। इसके बाद 2013 में इसी सीट से विधायक रहे प्रभुलाल सैनी के लिए पैरवी हुई, मगर पार्टी में सहमति नहीं बनी। अंत में स्थानीय नेता मोरपाल सुमन को मौका मिला, जो राजे के करीबी माने जाते हैं। चुनाव प्रभारी के रूप में वसुंधरा राजे के बेटे सांसद दुष्यंत सिंह को जिम्मेदारी दी गई। राजे और दुष्यंत ने प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी। सीएम भजनलाल शर्मा के साथ राजे ने रथ पर बैठकर रोड शो किया। प्रचार के दौरान सभी ने माना कि यह चुनाव मोरपाल से ज्यादा राजे की प्रतिष्ठा का हो गया। राजे-भजनलाल और दुष्यंत ने वोट मांगने में पूरी ताकत लगाई, लेकिन जनता ने साथ नहीं दिया।

सियासी गलियारों में चर्चा है कि राजे गुट और सीएम भजनलाल गुट के बीच खींचतान ने संगठन को कमजोर कर दिया। मोरपाल को राजे गुट का पूर्ण समर्थन नहीं मिला। दिग्गज नेताओं की एकजुटता प्रचार में नहीं दिखी, जिससे वोटर नाराज हो गए। बीजेपी की यह हार राज्य स्तर पर पार्टी के लिए झटका है। सत्ता में रहते हुए उपचुनाव हारना मैनेजमेंट की नाकामी दर्शाता है। वसुंधरा राजे की राजनीतिक ताकत पर सवाल उठ रहे हैं।

क्या नरेश मीणा को 'चांदनी' बोलना पड़ा भारी ?

अशोक चांदना ने कैसे रचा चक्रव्यूह

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अंता विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने बीजेपी उम्मीदवार को 15,612 वोटों के बड़े अंतर से हराकर सत्ताधारी दल को झटका दिया। यह जीत सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि 2028 विधानसभा चुनावों की 'टेस्ट डोज' मानी जा रही है।

इस जीत के हीरो बने पूर्व मंत्री और हिण्डोली विधायक अशोक चांदना, जिन्हें पार्टी ने चुनाव प्रभारी नियुक्त किया था। लेकिन चर्चा का केंद्र बना चांदना का नरेश मीणा पर दिया बयान, जो अब मीणा के लिए भारी पड़ता नजर आ रहा है।

बता दें, चुनाव प्रचार के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा और चांदना के बीच जुबानी जंग छिड़ गई थी। मीणा ने चांदना पर व्यक्तिगत हमला बोलते हुए उन्हें 'चांदनी' कहकर मजाक उड़ाया। इससे भड़के चांदना ने मोर्चा संभाला और कांग्रेस के लिए पूरी ताकत झोंक दी। घर-घर प्रचार, बूथ स्तर की रणनीति और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में चांदना ने कोई कसर नहीं छोड़ी। सोशल मीडिया पर उनका बयान वायरल हुआ- "याचना नहीं, अब रण होगा, युद्ध होगा और युद्ध बड़ा भीषण होगा..." यह बयान मीणा के हमले का करारा जवाब था।

नतीजे आने के बाद जश्न का माहौल था। अंता से जयपुर तक कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साह में डूबे। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने सबसे पहला फोन चांदना को किया और उन्हें 'टाइगर' कहकर संबोधित किया। डोटासरा बोले कि, हैलो टाइगर... इस जीत के हीरो आप हैं। आपकी मेहनत रंग लाई, पूरी टीम को बधाई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने चांदना की रणनीति और मेहनत की पीठ थपथपाई।

बता दें, चांदना ने क्षेत्र में लगातार दौरे किए, स्थानीय पदाधिकारियों से संवाद किया, चौपालें लगाईं और जनसंपर्क कार्यक्रमों से माहौल बनाया। उनकी आक्रामक शैली ने कांग्रेस खेमे में नई ऊर्जा भरी।

जीत के बाद चांदना ने बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दो साल के शासन से जनता खुश नहीं। बीजेपी की अंदरूनी गुटबाजी टिकट वितरण से चुनाव प्रबंधन तक खुलकर सामने आई, जिससे बड़ा नुकसान हुआ। चांदना ने खुलासा किया कि बीजेपी सरकार वसुंधरा राजे के चुने उम्मीदवार को जीत नहीं दिलाना चाहती थी, इसलिए नरेश मीणा को मैदान में उतारा गया। यह रणनीति ही बीजेपी के लिए भारी पड़ गई। निकाय और पंचायत चुनावों से पहले यह जीत कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरने वाली है।

इस दौरान चांदना ने कहा कि सियासत में व्यवहार सबसे अहम है। नरेश मीणा में दम है, लेकिन केवल इंजन मजबूत होने से कुछ नहीं होता। अगर पटरी सही न हो तो ट्रेन आगे नहीं बढ़ती। यह बयान वोटिंग के बाद बैलेंसिंग दिखाता है, लेकिन मीणा के लिए सबक। चांदना ने पहले भी मीणा को सलाह दी थी कि अपने 'इंजन' को सही पटरी पर लाएं, वरना राजनीतिक यात्राएं बार-बार पटरी से उतरेंगी। मीणा की हार के पीछे यही 'गलत पटरी' मानी जा रही है।

बताते चलें कि चांदना की अपनी सीट पर मीणा समाज के करीब 50 हजार वोटर हैं, जो उनके समाज के वोटरों जितने ही। अंता में रिस्क लेकर आगे आए चांदना ने अकेले मोर्चा संभाला। वहीं, वसुंधरा राजे की सियासी पारी पर सवालों के बीच चांदना ने टिप्पणी से इनकार किया। बोले कि वे बड़ी नेता हैं, दो बार सीएम रहीं, कुछ कहना उचित नहीं।

राजस्थान पुलिस में बना नया पद

आईपीएस संजय अग्रवाल को सौंपी कमान

तीन विंग्स की संभालेंगे जिम्मेदारी

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने राज्य की पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस महकमे में 'डायरेक्टर जनरल (डीजी) लॉ एंड ऑर्डर' का नया पद सृजित किया गया है। इस पद पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संजय अग्रवाल को नियुक्त किया गया है।

राजस्थान पुलिस के मुखिया, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया। यह बदलाव राज्य में बढ़ते अपराधों, साइबर खतरे और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को देखते हुए किया गया है, जो पुलिस बल की कार्यक्षमता को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। नए पद की जिम्मेदारियां काफी व्यापक और महत्वपूर्ण हैं। डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) संजय अग्रवाल डीजीपी के सीधे नियंत्रण में काम करेंगे। वे तीन प्रमुख विंग्स की कमान संभालेंगे, जिनमें कानून एवं व्यवस्था, सशस्त्र बटालियन और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) शामिल हैं।

इन शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना उनका मुख्य दायित्व होगा। आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि उपलब्ध जनशक्ति, संसाधनों और तकनीकी सुविधाओं का अधिकतम उपयोग कैसे किया जाए, इस पर वे फोकस करेंगे। इससे न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

संजय अग्रवाल को मिली अतिरिक्त जिम्मेदारी

इसके अलावा, डीजी संजय अग्रवाल को एक अतिरिक्त और रणनीतिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे अब साइबर क्राइम और तकनीकी सेवाओं के विंग का भी निरीक्षण करेंगे। वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह कदम प्रासंगिक है। डीजी अग्रवाल इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रणनीतियां तैयार करेंगे और संबंधित इकाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे।

यह नया पद राजस्थान पुलिस की संरचना में एक महत्वपूर्ण सुधार है। इससे पहले कानून-व्यवस्था और अन्य विंग्स की जिम्मेदारियां विभिन्न स्तरों पर बंटी हुई थीं, जिससे समन्वय में कभी-कभी कमी आ जाती थी। अब एकीकृत कमान के तहत सभी शाखाएं एक छतरी के नीचे आएंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पुलिस बल की दक्षता बढ़ेगी और राज्य में शांति एवं सुरक्षा का माहौल मजबूत होगा।

श्रीगंगानगर में डीएम डॉ. मंजू और विधायक बिहाणी के बीच तीखी नोकझोंक

तमीज व डेकोरम तक पहुंची बात

श्रीगंगानगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर में विधायक जयदीप बिहाणी और जिला कलेक्टर डॉ. मंजू के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। विधायक बिहानी ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि आपको बोलने की तमीज़ नहीं है, डेकोरम समझिए। आपको पता नहीं है कि विधायक क्या होता है। क्या आपको डेकोरम सिखाना पड़ेगा? दरअसल, बीते दिन पटेल जयंती कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पद यात्रा में डीएम के देरी से पहुंचने पर विधायक बिहाणी आक्रोशित हो गए और मंच पर ही कलेक्टर से बहस हो गई।

नेताओं और अफसरों के बीच बहस की घटना श्रीगंगानगर में चर्चा में बनी हुई है। विधायक और कलेक्टर डॉ. मंजू के बीच तीखी नोकझोंक का पूरा मामला प्रोटोकॉल को लेकर था। विधायक का आरोप है कि उन्हें कार्यक्रम में सम्मान नहीं मिला। इस पर उन्होंने आपत्ति जताई।

दरअसल, सरदार पटेल जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय पद यात्रा कार्यक्रम श्रीगंगानगर में आयोजित किया गया था। इसमें डीएम देरी से पहुंचीं, इस पर विधायक बिहाणी नाराज हो गए। उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को मंच से समझाइश दी। विधायक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इतना ही नहीं, विधायक जयदीप बिहाणी का आरोप है कि प्रोटोकॉल के अनुसार उनके स्वागत के लिए कोई अफसर वहां मौजूद नहीं था।

श्रीनिवास नए मुख्य सचिव बने

ब्यूरोक्रेसी में तीसरी बड़ी नियुक्ति दिल्ली से

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। वी. श्रीनिवास राजस्थान के नए मुख्य सचिव बनने जा रहे हैं। डीओपीटी ने उनके रिलीव होने के आदेश जारी कर दिए हैं, जिसके बाद राज्य सरकार अब कभी भी उनकी नियुक्ति का आदेश जारी कर सकती है।राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्र ने सहमति देते हुए उन्हें समय से पहले राजस्थान के लिए कार्यमुक्त किया है। उम्मीद है कि वी. श्रीनिवास सोमवार तक या उससे पहले ही कार्यभार संभाल लेंगे। गौरतलब है कि मौजूदा भजनलाल शर्मा सरकार में राजस्थान की अफरशाही में यह तीसरी बड़ी नियुक्ति है जिसमें अफसर को दिल्ली से राजस्थान भेजा गया है। सबसे पहले मौजूदा मुख्य सचिव सुधांश पंत को दिल्ली से जयपुर भेजा गया था। राजस्थान के मुख्य सचिव बनने से पहले पंत दिल्ली में स्वास्थ्य विभाग में सचिव के पद पर तैनात थे। हालांकि पंत की सेवानिवृत्ति होने में अभी करीब 14 महीने का समय शेष है लेकिन राजस्थान में वे अपने मौजूदा हालातों से खुश नहीं थे इसलिए पिछले कई महीनों से उनके दिल्ली वापस जाने की चर्चाएं थीं। पंत को दिल्ली में सामाज कल्याण विभाग में सचिव पद पर नियुक्ति दी जा रही है।

राजस्थान में दूसरी अहम नियुक्ति पुलिस महकमें में डीजीपी की रही। राजस्थान के मौजूदा डीजीपी राजीव शर्मा भी दिल्ली से राजस्थान भेज गए। राजीव शर्मा राजस्थान आने से पहले दिल्ली में डायरेक्टर, ब्यूरो ऑफ पुलिस डवलपमेंट रिसर्च विभाग में थे। आईपीएस अफसरों में शर्मा सबसे सीनियर हैं।

श्रीनिवास का ज्यादा समय दिल्ली में बीता

होने वाले नए मुख्य सचिव वी श्रीनिवास का ज्यादा समय दिल्ली में ही गुजरा है। राजस्थान के लिए रिलीव होने से पहले श्रीनिवास 2021 से दिल्ली में डीओपीटी जैसे अहम विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे पहले 2013 से 2018 तक भी वे दिल्ली में ही रहे। वी श्रीनिवास 89 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और अगले साल सितंबर में वे सेवानिवृत्त हो जाएंगे। उनके पास राजस्थान में बतौर मुख्य सचिव 9 महीने का समय है। ऐसे में या तो 9 महीने बाद राजस्थान में नए मुख्य सचिव की तैनाती होगी या फिर सरकार उन्हें ही एक्सटेंशन दे सकती है।

अनियंत्रित कार खाई में गिरी

3 लोगों की दर्दनाक मौत, 8 लोग गंभीर घायल, 2 की हालत नाजुक

जोधपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिलाड़ा के निकटवर्ती खारिया मीठापुर बाइपास पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि हादसा उस समय हुआ, जब 11 युवक जैतारण से सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेकर वापस बिलाड़ा लौट रहे थे। खारिया मीठापुर के पास सामने पशु आने से चालक ने कार का नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई। कार चार से पांच बार पलटने के बाद रुक पाई, जिससे तीन युवकों की मौत हो गई और बाकी सभी घायल हो गए।

घायलों को तुरंत ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां स्थानीय लोगों और सरगरा समाज के सदस्य बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बिलाड़ा मोर्चरी में रखवाया।

मृतकों की पहचान रवि, आकाश और अभिषेक (उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष) के रूप में हुई है। जबकि गंभीर रूप से घायल होने वालों में प्रियांशु, सुरज, नितेश, अजय, रवि, पंकज, पिंटू और राहुल (सभी 20 से 30 वर्ष के) शामिल हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

'झूठ की राजनीति को जनता ने दिया करारा जवाब'

बिहार में एनडीए की जीत पर बोले गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों, जम्मू-कश्मीर विस्फोट और अंता उपचुनाव सहित कई मुद्दों पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन के सभी घटक दलों ने इस चुनाव में मजबूत एकजुटता का परिचय दिया और सामूहिक संगठन शक्ति का उपयोग करते हुए चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि बिहार के चुनाव में मुख्य मुकाबला 'जंगल राज बनाम विकास' के बीच था, और जनता ने जब चुनाव का समय आया, तो प्रचंड बहुमत

देकर यह संदेश दिया कि अब देश की राजनीति का मुख्य आधार केवल और केवल विकास होगा।

उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि झूठे नैरेटिव गढ़कर, वोट चोरी जैसे अर्थहीन और आधारहीन आरोप लगाकर, संवैधानिक संस्थाओं पर लांछन लगाने वालों को जनता ने इस चुनाव में सख्त संदेश दिया है। शेखावत ने कहा कि देश में कई बार जनता ने सरकार बदलने के लिए घर से बाहर निकलकर अधिक मतदान किया, लेकिन इस बार जनता ने नकारात्मक और झूठ की राजनीति का जवाब देने के लिए लगभग 10% अधिक मतदान किया और एनडीए को प्रचंड बहुमत दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के नेताओं ने चुनाव को हल्के स्तर पर ले जाने की कोशिश की। माननीय प्रधानमंत्री की माता जी से लेकर छठ मैया तक को उन्होंने नहीं बख्शा। बिहार की जनता ने इनके मुंह पर तमाचा मारकर जवाब दिया है। उन्होंने दावा किया कि जो दल सरकार बनाने की बातें कर रहे थे, वे दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। शेखावत ने आगे कहा कि एनडीए के सभी घटक दल भाजपा, जदयू, लोजपा और जीतन राम मांझी की पार्टी 'हम' ने एक-दूसरे का समर्थन करते हुए 80 से 90% स्ट्राइक रेट हासिल किया।

जम्मू-कश्मीर में हुए विस्फोट पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि अभी तक पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन दिल्ली हादसे से पहले ही सभी एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ काम कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हादसा दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन उससे पहले 2900 किलो विस्फोटक की बरामदगी ने एक बड़े नुकसान को टाल दिया। शेखावत ने कहा, "सरकार का संकल्प है कि आतंकवाद के प्रति हमारा जीरो टॉलरेंस है।

मुआवजे की मांग पर किसानों का हंगामा

बिजली टावर पर चढ़कर कहा- पहले राशि दो, फिर उतरेंगे

सीकर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अखेपुरा गांव में बिजली लाइन परियोजना के मुआवजे को लेकर किसानों का विरोध शनिवार को उग्र हो गया। गांव के तीन किसान सुबह अचानक खेतों में लगाए गए ऊंचे बिजली टावरों पर चढ़ गए और उचित मुआवजा मिलने तक नीचे नहीं उतरने की घोषणा कर दी। बता दें कि इससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। किसानों का आरोप है कि बिजली लाइन बिछाने के लिए उनके खेतों में टावर खड़े किए गए हैं, लेकिन अभी तक उन्हें उचित और पूर्ण मुआवजा नहीं दिया गया।

उनका कहना है कि जब तक मुआवजा राशि उनके बैंक खातों में जमा नहीं कर दी जाती, तब तक वे टावर से नीचे नहीं आएंगे। किसानों ने संबंधित विभाग पर अनदेखी और मनमानी का भी आरोप लगाया है।

सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस टीम और बिजली कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। अधिकारी किसानों को लिखित आश्वासन देने की बात कह रहे हैं, जबकि किसान तत्काल खातों में राशि डालने पर जोर दे रहे हैं।

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो विरोध और भी व्यापक होगा। फिलहाल, प्रशासन स्थिति को शांत रखने और किसानों को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटा है।

कड़ाके की ठंड; सीजन में पहली बार पारा 5 डिग्री

सीकर में कोल्ड-वेव का अलर्ट

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत से आती बर्फीली हवाओं ने राजस्थान में सर्दी को और तीखा कर दिया है। इस सीजन पहली बार तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। सीकर, अलवर और फतेहपुर सहित 10 से अधिक शहरों में न्यूनतम तापमान सीजन के सबसे निचले स्तर पर दर्ज किया गया। बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर सभी शहरों में रात का पारा 15 डिग्री से नीचे चला गया। मौसम केंद्र जयपुर ने राज्य में अगले एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। वहीं सीकर और टोंक जिलों के लिए 15 और 16 नवंबर को शीतलहर (कोल्ड-वेव) का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

फतेहपुर में तापमान 5 डिग्री और नागौर में 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन क्षेत्रों में सुबह-शाम शीतलहर की वजह से लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। सीकर में पारा 6, सिरोही 8, दौसा 6.9, करौली 8.7, बारां 9.5, झुंझुनूं 9.3, चूरू 8.2, अलवर 8.5 और पिलानी 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर अधिकतर जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। बाड़मेर सबसे गर्म रहा जहां पारा 33.4 डिग्री तक पहुंचा। जयपुर में अधिकतम तापमान 28.5 और उदयपुर में 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक उत्तरी हवाओं का प्रभाव जारी रहेगा।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई : रिश्वत लेते महिला हेड कांस्टेबल रंगेहाथ गिरफ्तार

झुंझुनू, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को झुंझुनू जिले में एक महिला हेड कांस्टेबल को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि हेड कांस्टेबल संतोष बूहाना थाने में तैनात थी। एसीबी के अनुसार, संतोष को एक शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसके, उसके भाई और उसके चाचा से जुड़े पारिवारिक विवाद का मामला बूहाना थाने में दर्ज है और उसकी जांच आरोपी हेड कांस्टेबल कर रही थी। एसीबी के बयान के मुताबिक, संतोष ने शिकायतकर्ता और उसके भाई का नाम मामले से हटाने तथा उसके भाई की गिरफ्तारी न होने देने के बदले 30,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की सत्यापन प्रक्रिया के दौरान यह सामने आया कि आरोपी पुलिस अधिकारी पहले ही शिकायतकर्ता से दो अलग-अलग अवसरों पर 3,000 रुपये और 7,000 रुपये ले चुकी थी।

गर्लफ्रेंड ने रची साजिश, ज्वेलर को नींद की गोली खिलाकर 25 लाख की लूट; तीन आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में गर्लफ्रेंड ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर एक ज्वेलर को निशाना बनाया और उसे नींद की गोलियां खिलाकर करीब 25 लाख रुपये के सोने के आभूषण लूट लिए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को अहमदाबाद से गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश कर दिया है। कोतवाली थाना क्षेत्र में 11 नवंबर को हुई इस वारदात में युवती ने नाश्ते में नींद की गोलियां मिलाकर ज्वेलर को बेहोश कर दिया। पीड़ित के बेहोश होते ही आरोपी आभूषण लेकर फरार हो गए। बाद में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने 12 नवंबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में ज्वेलर की कथित गर्लफ्रेंड विजयलक्ष्मी उर्फ गौरी (25), उसका साथी लकी उर्फ लक्ष्मण सोनी (36) और धीरेंद्र (48) शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि लूट की साजिश पूरी तरह से योजनाबद्ध तरीके से रची गई थी।

केन्द्रीय मंत्री बंडी संजय ने हिंदुओं को एकजुट करने का संकल्प लिया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि भाजपा आगामी चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को हराने के लिए तेलंगाना के सभी हिंदुओं को एकजुट करेगी। राज्य भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पार्टी के लिए 'असफल' बताया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने उन्हें तेलंगाना में अपनी पार्टी के लिए 'असफल' बताया। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे, जहां एनडीए को भारी बहुमत मिला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों के विश्वास को दर्शाते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि विपक्षी कांग्रेस 60 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद केवल पांच सीटें जीतकर एक 'क्षेत्रीय पार्टी' बनकर रह गई है।

संजय ने यह भी आरोप लगाया कि केटीआर के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद से बीआरएस का पतन हुआ है और सिकंदराबाद छावनी और जुबली हिल्स सीटें हारने के बावजूद खुद को एक विकल्प के रूप में पेश करने के लिए पार्टी का मज़ाक उड़ाया। हाल ही में हुए जुबली हिल्स उपचुनाव पर टिप्पणी करते हुए, संजय ने कहा कि 'पूरा अल्पसंख्यक समुदाय' कांग्रेस के

पीछे एकजुट हो गया है, और उन्होंने तेलंगाना के हिंदुओं से 'परिणामों के बारे में सोचने' और सत्तारूढ़ दल के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अपनी ताकत दिखाएगी, और बताया कि कांग्रेस अपनी 'छह गारंटियों' को लागू करने में विफल रही है और कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और सेवानिवृत्ति लाभ देने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा, भाजपा नेता ने कहा कि बिहार में एनडीए के मजबूत प्रदर्शन ने लड़ाई को 'एकतरफा' बना दिया है और दोहराया कि भाजपा अगले साल पश्चिम बंगाल में सत्ता में आएगी और 2028 में तेलंगाना में भगवा झंडा फहराएगी। प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, बीजेएलपी नेता ए. महेश्वर रेड्डी और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता भी उपस्थित थे।

तानुगुला के पास ऑटो ट्रॉली पलटने से कई मजदूर घायल

करीमनगर, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मीकुंटा मंडल के तानुगुला के पास शनिवार को एक ऑटोरिक्शा ट्रॉली के पलट जाने से कई कृषि मजदूर घायल हो गए। बताया गया कि पेट्रोल बंक क्रॉस रोड के पास चालक ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रॉली पलट गई। हादसे में आठ मजदूरों के हाथ-पैर टूट गए, जबकि अन्य को हल्की चोटें आईं।

स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को जम्मीकुंटा के एक अस्पताल में भर्ती कराया। सभी मजदूर वीणावंका मंडल के इलाबाका गांव के रहने वाले हैं और कपास की खेती में काम करने के लिए नगरम जा रहे थे।

मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट ने मगरमच्छ संरक्षण में सहयोग की जताई इच्छा

जयपुर मंडल के शिववरम में अभयारण्य का दौरा, हालात का किया आकलन

मंचेरियल, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट और सेंटर फॉर हर्पेटोलॉजी, तमिलनाडु की दो सदस्यीय टीम ने जिले में मगरमच्छों के संरक्षण के लिए वन विभाग के साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की है। टीम ने शनिवार को जयपुर मंडल के शिववरम गांव स्थित मगरमच्छ वन्यजीव अभयारण्य का दौरा किया और वहां की स्थिति का जायजा लिया।

दौरे में केंद्र के सहायक निदेशक और वैज्ञानिक डॉ. शफीक अहमद तथा ट्रस्टी गणेश मुथैया शामिल हुए। उन्होंने अभयारण्य की अनुकूल आवासीय परिस्थितियों की सराहना की और ऊदबिलाव तथा दुर्लभ पक्षी प्रजातियों की उपस्थिति को संरक्षण के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया। वन अधिकारियों के अनुसार इस निरीक्षण के दौरान लगभग 20 मगरमच्छ दिखाई दिए, जिससे वैज्ञानिक काफी उत्साहित हुए।

वन विभाग ने बताया कि निकट भविष्य में मगरमच्छ संरक्षण और अभयारण्य में इकोटूरिज्म परियोजनाओं के विकास की रणनीति तैयार करने के लिए केंद्र के विशेषज्ञों के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी। चेन्नूर एफआरओ के प्रभारी सुधाकर और विभाग के अन्य कर्मचारी भी इस दौरे में मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य में वर्तमान में करीब 100 मीठे पानी के या दलदली मगरमच्छ रह रहे हैं। इस क्षेत्र में मगरमच्छों की पहली उपस्थिति 1978 में दर्ज की गई थी, जिसके बाद 36.29 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया गया।

सीमा क्षेत्र के माओवाद प्रभावित गांवों में पुलिस का आउटरीच कार्यक्रम

कोत्तागुडेम, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने शनिवार को छत्तीसगढ़ सीमा से लगे चेरला मंडल के बक्काचिंतलापाडु, किश्तारामपाडु, वीरापुरम, रल्लापुरम, थिमिरिगुडेम और कमलापुरम गांवों में रहने वाले आदिवासियों के लिए एक व्यापक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने छह माओवाद प्रभावित गांवों के 250 से अधिक परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (संचालन) जी. नरेंद्र, भद्राचलम एएसपी विक्रांत कुमार सिंह, सीआरपीएफ 141 बटालियन के सहायक कमांडेंट विवेक रंजन, चेरला सीआई राजू वर्मा, एसआई नरसी रेड्डी, केशव सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। नेस्ले कंपनी की ओर से ग्रामीणों को आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई गईं। ओएसडी नरेंद्र ने बताया कि एसपी बी. रोहित राजू के नेतृत्व में पुलिस विभाग एजेंसी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध है और शिक्षा, चिकित्सा तथा परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने आदिवासी परिवारों से अपने आसपास साफ-सफाई रखने और मच्छरों से फैलने वाले डेंगू व मलेरिया से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी।

कपास खरीद पर रोक को लेकर सीसीआई पर बरसे प्रवीण कुमार

आसिफाबाद में किसानों के प्रदर्शन को दिया समर्थन

कुमराम भीम, आसिफाबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने कपास खरीद पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारतीय कपास निगम (सीसीआई) की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने शनिवार को आसिफाबाद स्थित एकीकृत जिला अधिकारी परिसर (आईडीओसी) के बाहर विभिन्न किसान संगठनों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर किसानों का समर्थन किया। उनके साथ आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी भी मौजूद थीं।

प्रवीण कुमार ने कहा कि सीसीआई ने जल्दबाजी में एंड्रॉइड ऐप "कपास किसान" शुरू कर दिया, जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। मोबाइल फोन चलाने में जानकारी न होने के कारण किसान ऐप का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस व्यवस्था को तुरंत वापस लिया जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके।

बीआरएस नेता ने केंद्र सरकार से कपास में स्वीकार्य नमी की मात्रा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि नमी अधिक बताकर कपास खरीदने से इनकार किया जा रहा है, जिससे किसान आर्थिक संकट में हैं और कई किसान आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिनिंग मिलों में आंध्र प्रदेश के कर्मचारियों की जगह तेलंगाना के लोगों को नियुक्त किया जाए।

इसके अलावा उन्होंने प्रति एकड़ 7 क्विंटल धान खरीद की सीमा हटाने की भी मांग की। उनके अनुसार यह नीति व्यापारियों के लिए लाभदायक है और किसानों के पास बची हुई उपज बेचने के लिए मजबूरन व्यापारियों के पास जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। उन्होंने आरोप लगाया कि वन अधिकारी जंगली सूअरों द्वारा नष्ट की गई फसलों के लिए मुआवजा नहीं दे रहे, बल्कि फसलों की सुरक्षा के लिए जंगली जानवरों को मारने के आरोप में किसानों पर मामले दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल की बेमौसम बारिश से भारी नुकसान झेलने के बावजूद न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार किसानों को मुआवजा दे पाई है।

एनएनआरईएसजीआई ने आईआईटी मद्रास कोड चैप्टर के लिए एमओयू किया

छात्रों को डेटा साइंस और प्रोग्रामिंग में आईआईटी मद्रास की बीएस डिग्री का अवसर

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नल्ला नरसिम्हा रेड्डी एजुकेशन सोसाइटी ग्रुप ऑफ इ स्टी ट्यू श स (एनएनआरईएसजीआई) ने आईआईटी मद्रास सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (कोड) चैप्टर की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग छात्रों को उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ डेटा साइंस, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और प्रोग्रामिंग में आईआईटी मद्रास की प्रतिष्ठित बीएस डिग्री प्राप्त करने का अनोखा अवसर प्रदान करेगा।

संस्थान के निदेशक डॉ.सी.वी. कृष्णा रेड्डी ने कहा कि आईआईटी मद्रास से डिग्री हासिल करना, चाहे कैंपस से बाहर ही क्यों न हो, नौकरी बाजार में महत्वपूर्ण बढ़त देता है और इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप तथा प्लेसमेंट के लिए शीर्ष कंपनियों तक पहुंच आसान बनाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रोग्राम की शैक्षणिक मजबूती डेटा साइंस और एआई में गेट जैसी परीक्षाओं में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन से भी साबित होती है। निदेशक ने ईसीई विभाग की सहायक प्रोफेसर और एसपीओसी कोड चैप्टर की प्रभारी केमिडी माधवी की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से यह आउटरीच कार्यक्रम संभव हो पाया है।

सांभर के सींग और एयर गन बरामद

संगारेड्डी, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद पुलिस ने शनिवार तड़के कस्बे के विभिन्न इलाकों में आयोजित सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति के पास से सांभर हिरण के सींग और एक एयर गन बरामद की। पुलिस ने बताया कि वन्यजीव से जुड़ी इस सामग्री की बरामदगी के बाद संबंधित व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीमों ने कई घरों की जांच की और 62 मोटरसाइकिलों तथा 17 कारों को बिना उचित दस्तावेज के पाया। इसके साथ ही चार ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई जिनका पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड था। डीएसपी सईदा नायक ने बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों को थाने बुलाकर जांच शुरू कर दी गई है।

सीरवी समाज वॉलीबॉल महाकुंभ का भव्य शुभारम्भ

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुड़ा आईजी मैदान स्थित सीरवी समाज ट्रस्ट बन्धुओं एवं सीरवी समाज स्पोटर्स क्लब भाग्यनगर के सानिध्य मे आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025 के प्रथम दिन 15 नवंबर प्रात: 8.15 बजे अतिथियों के करकमलों द्वारा द्वीप प्रज्वलितकर भव्य शुभारम्भ किया गया ।

प्रेस विज्ञप्ति में खेल मंत्री धनराज वरपा सह खेलमंत्री मोतीलाल सोयल ने बताया कि हर वर्ष की भाति सीरवी समाज वॉलीबॉल महाकुंभ का भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में पधारे बतौर मुख्य अतिथि विधायक महेश्वरम श्रीमती सबिता इन्द्रा रेड्डी भाजपा नेता ए. श्रीरामलु, पूर्व महापौर सी. परिजता नरसिम्हा रेड्डी, अ.भा.सीरवी युवा परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चौधरी, अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष दिनेश चौधरी, बैंगलोर मीडिया प्रभारी नारायणलाल सेणचा, समाज के विभिन्न संस्थाओ के गणमान्य व पदाधिकारिओं के करकमलों द्वारा द्वीप प्रज्वलितकर भव्य शुभारम्भ किया गया।

आयोजको द्वारा सम्मानित अतिथियों व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का राजस्थानी साफे, शॉल व मोमेन्टो से विशेष सम्मान किया। महिलाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों से 64 टीमे ट्रॉफी के लिए अपना भाग्य आजमा रही है। बतौर मुख्य अतिथि श्रीमती सबिता इन्द्रा रेड्डी ने सीरवी समाज बन्धुओं को वॉलीबॉल महाकुंभ प्रतियोगिता की शुभकामनाँए देते हुए भरोसा दिलाया कि उनके लायक किसी भी कार्य के लिए वे हमेशा सहयोग करेंगी। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने वॉलीबॉल महाकुंभ प्रतियोगिता के शुभारम्भ की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलते हुए अंपायर के फैसले का सम्मान करना चाहिए।

अल्पाहार व भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। प्रतियोगिता लीग आधार पर खेली जा रही है। सेमी फाईनल व फाईनल मैच रविवार 16 नवंबर को खेले जायेंगे। कार्यक्रम में सीरवी समाज ट्रस्ट के सभी पदाधिकारिओं व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन विशाल गोस्वामी ने किया।

1100 छात्रों का नेत्र परीक्षण

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाल दिवस के अवसर पर, हैदराबाद पर्ल राउंड टेबल 183 के चेयरमैन पीयूष अग्रवाल तथा हैदराबाद पर्ल लेडीज सर्कल 153 की चेयरपर्सन अदिति विजयवर्गी, दोनों सर्किल के अन्य सदस्य एवं प्रोजेक्ट कंवीनर्स अभिषेक अग्रवाल, खुशबू अग्रवाल और मंजिरी अग्रवाल की उपस्थिति में राउंड टेबल एसवीएवी स्कूल, बंडलगुडा में 1100 छात्रों की दृष्टि जांच की गई। उपरोक्त जांच के अंतर्गत पाये गये जरूरत मंद बच्चों को चश्मे भी प्रदान किए जाएंगे।

बिहार में जीत पर हैदराबाद में जश्न

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मीर फिरासत अली बाकरी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया बिहार में भाजपा की जीत पर जश्न मनाते हुए खाना ज़ेहरा एक्स रोड पर मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा जगमोहन सिंह, अलका मनोज, एस परवीन कुमार, रजनीश जैन और मोहम्मद शब्बीर और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बाकरी ने कहा कि भाजपा ने बिहार में ऐतिहासिक बहुमत हासिल कर सरकार बनाने के लिए तैयार है।

छात्रावासों में खाद्य विषाक्तता रोकने के लिए सरकार विकसित करेगी विशेष सॉफ्टवेयर

टास्क फोर्स और संस्था स्तरीय समितियों के अपेक्षित परिणाम न मिलने पर कदम

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा संचालित स्कूलों और छात्रावासों में बार-बार सामने आ रहे खाद्य विषाक्तता के मामलों से चिंतित सरकार अब सभी कल्याण विभागों में छात्रावास प्रबंधन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर विकसित करने की तैयारी कर रही है। टास्क फोर्स समितियों और संस्था स्तर की समितियों द्वारा अपेक्षित परिणाम न मिलने के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

पिछले वर्ष खाद्य विषाक्तता की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए बनाई गई समितियों को भोजन तैयार करने की निगरानी, संदूषण रोकने और खाद्य जनित बीमारियों पर नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई थी। साथ ही, उन्हें अपने संस्थानों में दर्ज घटनाओं की जांच कर कारणों की पहचान करने और रिपोर्ट सौंपने का निर्देश भी दिया गया था। लेकिन आरोप है कि कई स्कूलों और छात्रावासों ने अनिवार्य समितियाँ बनाई ही नहीं और जहां बनाई गई हैं, वहां वे प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रही हैं।

परिणामस्वरूप, कई संस्थानों से छात्रावासों में भोजन करने के बाद विद्यार्थियों के बीमार पड़ने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

समस्याओं के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार अब एकीकृत और सुव्यवस्थित छात्रावास प्रबंधन प्रणाली विकसित करना चाहती है। हाल ही में पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें छात्रावास प्रबंधन की सामान्य जरूरतों और प्रस्तावित सॉफ्टवेयर के लिए आवश्यक मापदंडों पर चर्चा की गई।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नई प्रणाली में छात्र कल्याण, छात्रावास सुविधाएं, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा आपात स्थिति, निरीक्षण और रिपोर्टिंग जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को सभी आवश्यक दिशानिर्देश दे दिए गए हैं। हालांकि इसके लागू होने की समय-सीमा तय नहीं की गई है, लेकिन इसे जल्द से जल्द शुरू करने के प्रयास जारी हैं।

किसानों ने के. चंद्रशेखर राव के पोस्टर पर कपास चढ़ाकर जताया समर्थन

आदिलाबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इकोडा मंडल के मुखरा (के) गांव के किसानों ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के एक फ्लेक्स पोस्टर पर ताजी कपास अर्पित कर उनका अभिषेक किया और उन्हें दोबारा सत्ता में देखने की इच्छा जाहिर की। किसानों ने कहा कि चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में उन्हें स्थिर और आरामदायक जीवन मिला था। उन्हें समय पर फसल निवेश सहायता मिलती थी, उर्वरकों और अन्य आवश्यक इनपुट तक आसान पहुंच रहती थी और बीआरएस सरकार के दौरान हर कृषि मौसम में कपास व सोयाबीन की सुचारू खरीद होती थी। किसानों का कहना है कि वर्तमान में वे कई प्रतिबंधों से परेशान हैं, जिनमें नमी की मात्रा 8 से 12 प्रतिशत तक रखने की अनिवार्यता और प्रति क्विंटल सात एकड़ जमीन की सीमा जैसे नियम शामिल हैं। उनका मानना है कि उनकी स्थिति तभी सुधरेगी जब के चंद्रशेखर राव फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। किसानों ने उनकी वापसी की मांग को लेकर नारे भी लगाए। इस कार्यक्रम में सरपंच गाडगे मीनाक्षी, एमपीटीसी सदस्य जी. सुभाष सहित कई किसान मौजूद थे।

भाजपा की जीत पर प्रवासी बिहारियों ने मिठाइयां बांटी

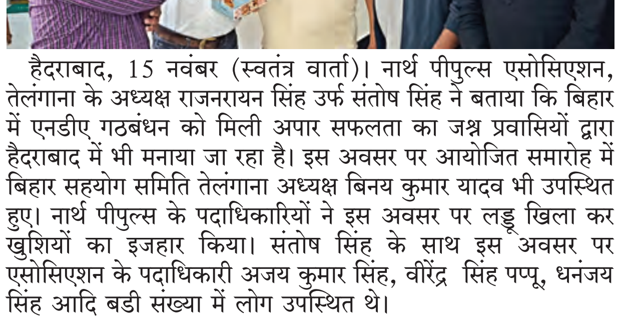

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना के अध्यक्ष राजनरायन सिंह उर्फ संतोष सिंह ने बताया कि बिहार में एनडीए गठबंधन को मिली अपार सफलता का जश्न प्रवासियों द्वारा हैदराबाद में भी मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित समारोह में बिहार सहयोग समिति तेलंगाना अध्यक्ष बिनय कुमार यादव भी उपस्थित हुए। नार्थ पीपुल्स के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर लड्डू खिला कर खुशियों का इजहार किया। संतोष सिंह के साथ इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी अजय कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह पप्पू, धनंजय सिंह आदि बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विशेष बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाल दिवस के अवसर पर माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के द्वारा कवाडीगुडा स्थित केंद्र में विशेष बच्चों के लिए आयोजित किए गए ड्राइंग, चित्रकला और अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा अन्य उपस्थित सभी बच्चों को माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ ने ईनाम और उपहार प्रदान किए। सुमन ऑटिज्म सेंटर और टर्टल प्ले स्कूल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 40 विशेष बच्चों के साथ ही उनके अभिभावक, आयोजक संस्थाओ की थेरेपीस्ट, शिक्षिकाएं, कर्मचारी और अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/1446

वाटर वेन्डिंग मशीनों की स्थापना व रखरखाव हेतु ई-नीलामी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे द्वारा निम्न स्टेशनों पर स्टैण्डअलोन आधार पर वाटर वेन्डिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएमएस) की स्थापना या इंस्टाल्लेशन व रखरखाव के लिए ठेका प्रदान हेतु आईआरईपीएस के वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां या ई-बिड्स आमंत्रित हैं।

तत्संबंधित प्रकाशित सूचियों तथा ई-नीलामी अनुसूची का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	श्रेणी	सूची संख्या	स्टेशन का नाम व डब्ल्यूवीएम युनिट्स की संख्या	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समय	नीलामी बंद समय
1.	वाटर वेन्डिंग मशीन्स (डब्लूवीएमएस)	एचवायबी - डब्ल्यूवीएम-010	काचीगुडा-04 युनिट्स कर्नूल सिटी -01 युनिट निजामाबाद-01 युनिट गदवाल-01 युनिट	20-11-2025	11:00	12:00

A1840 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोलकाता टेस्ट- खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप्स

साउथ अफ्रीका 63 रन से आगे, कप्तान बावुमा नाबाद लौटे; भारत 189 रन पर ऑलआउट

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन भारत के खिलाफ 63 रन से आगे है। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शनिवार को भी खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप्स कर दिया गया। आज 77 ओवर ही डाले जा सके, जबकि 13 ओवर बाकी रह गए।

दिन का खेल खत्म होने तक साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 93 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा 29 और कॉर्बिन बॉश एक रन पर नाबाद लौटे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने 4 विकेट झटके। कुलदीप यादव को 2 और अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। जडेजा ने भारत में 250 टेस्ट विकेट भी पूरे कर लिए हैं।

इससे पहले टीम इंडिया ने पहली पारी में 9 विकेट पर 189 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन की वजह से पहले सेशन में रिटायर हर्ट हो गए थे। इसके बाद वे बैटिंग करने नहीं उतरे। केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए साइमन हार्मर ने 4 विकेट झटके। मार्को यानसन ने 3 विकेट लिए। केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश को 1-1 विकेट मिला। पहले दिन अफ्रीकी टीम पहली पारी में 159 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता के ईडन गाार्डन्स पर खेला जा रहा है. इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन भी भारत ने कमाल का खेल दिखाया. टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 189 रन बनाए और 30 रन की बढ़त हासिल की. इसके बाद गेंदबाजों ने दमदार खेल दिखाते हुए साउथ अफ्रीका की दूसरी पारी में सिर्फ 93 रन पर 7 विकेट चटका दिए. यानी उनकी लीड फिलहाल 63 रन की ही है.

पंत टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर

ऋषभ पंत भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। पंत के 48 मैच में अब 92 सिक्स हो गए हैं। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग के रिकॉर्ड को तोड़ा। सहवाग ने 103 मैच में 90 सिक्स लगाए थे।

पहले दिन के खेल की बात करें तो टॉस जीतकर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था. लेकिन, उसका ये दांव उलटा पड़ गया. साउथ अफ्रीका के लिए 200 रन बनाने के भी लाले पड़ गए और वो सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट हो गई. शतक तो दूर साउथ अफ्रीका की ओर से पहली पारी में किसी भी बल्लेबाज ने शतक भी नहीं लगाया. 31 रन बनाकर ओपनर एडन मार्करम टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे. उनके अलावा मुल्डर और जॉर्जी ने 24-24 रन बनाए.

डब्ल्यूएफआई का बड़ा फैसला, अमन सहरावत और नेहा सांगवान पर लगा निलंबन हटाया

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत और जूनियर पहलवान नेहा सांगवान पर लगा निलंबन हटा लिया। इन दोनों पहलवानों को इस साल की शुरुआत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में अधिक वजन का पाए जाने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस फैसले का मतलब है कि दोनों पहलवान प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के आगामी चरण की नीलामी में भाग ले सकेंगे।

क्या हुआ था निलंबन?

पेरिस खेलों के कांस्य पदक विजेता अमन को सितंबर में क्रोएशिया के जगरेब में विश्व चैंपियनशिप के दौरान अधिक वजन के कारण निलंबित कर दिया गया था जबकि नेहा को अगस्त में बुल्गारिया के समोकोव में जूनियर विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद निलंबन सामना करना पड़ा था। दोनों पहलवानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अमन को 22 सितंबर और नेहा को 25 अगस्त को भेजे गए नोटिस के जवाब क्रमशः 28 सितंबर और 18 सितंबर को प्राप्त हुए। जगरेब प्रतियोगिता के लिए नियुक्त कोचों को भी नोटिस जारी किए गए थे।

पहली गलती के मांगी माफी

डब्ल्यूएफआई के अनुसार पहलवानों ने अपने लिखित बयान में इस घटना को अपनी पहली गलती बताया और महासंघ को आश्वासन दिया कि इस तरह के उल्लंघन दोबारा नहीं होंगे। डब्ल्यूएफआई अनुशासन समिति की 13 नवंबर को हुई बैठक में इन दोनों के जवाबों की जांच की गई और पाया गया कि दोनों पहलवानों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन शानदार रहा है। इसलिए समिति ने उनकी पिछली उपलब्धियों को देखते हुए उनके प्रति नरम रुख अपनाने की सिफारिश की।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने सिफारिश को स्वीकार करते हुए उनके निलंबन को हटाने और उन्हें भविष्य की सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति देने का आदेश जारी किया। महासंघ ने हालांकि चेताया कि भार प्रबंधन या अनुशासन से संबंधित किसी भी उल्लंघन के बार बार किए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वैभव सूर्यवंशी ने 32 गेंद पर शतक लगाया: एमर्जिंग एशिया कप में यूएई के खिलाफ 144 रन बनाए; 15 छक्के लगाए

दोहा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने एमर्जिंग एशिया कप में 32 गेंद पर शतक लगा दिया। उन्होंने इंडिया-ए से खेलते हुए यूएई के खिलाफ 42 गेंद पर 144 रन की पारी खेली। इंडिया-ए ने दोहा में टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 297 रन बना दिए। यूएई की टीम 149 रन ही बना सकी।

वैभव ने 15 छक्केलगाए

वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी इंडिया-ए ने दूसरे ही ओवर में विकेट गंवा दिया। प्रियांश आर्य 6 गेंद पर 10 रन बनाकर रन आउट हुए। तीसरे नंबर पर नमन धीर उतरे। वे एक एंड पर टिके रहे, दूसरे एंड पर वैभव ने 32 गेंद पर शतक लगा दिया।

नमन 12वें ओवर में 34 रन (23 गेंद) बनाकर आउट हुए। उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए। नमन के आउट होने के बाद कप्तान जितेश शर्मा ने पारी संभाली, लेकिन दूसरे एंड पर वैभव 144 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 15 छक्के लगाए।

जितेश ने 300 के करीब पहुंचाया

भारत ने 16 ओवर में 4 विकेट खोकर 235 रन बना लिए थे। नेहल वढेरा 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान जितेश ने रमनदीप सिंह के साथ मिलकर स्कोर 300 के करीब पहुंचा दिया जितेश ने 32 गेंद पर 83 रन बनाए। रमनदीप 6 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

यूएई के लिए मोहम्मद फराजुद्दीन, अयान अफजल खान और मोहम्मद अरफान ने 1-1 विकेट लिया। मुहम्मद रोहिद, मुहम्मद अरफान और हर्षित कौशिक कोई विकेट नहीं ले सके।

अंडर-19 में शतक लगाकर चर्चा में आए थे

वैभव सूर्यवंशी 2024 में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ शतक लगाने के बाद चर्चा में आए थे। उन्होंने 13 साल की उम्र में सेंचुरी लगा दी थी। तब वे अंडर-19 इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे।

वैभव को आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीद लिया। उन्हें शुरुआती मैच नहीं खिलाए गए, लेकिन कप्तान संजू सैमसन के इंजर्ड होने के बाद ओपनिंग करने का मौका मिल गया। शुरुआती मैचों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं करने के बाद उन्होंने गुजरात के खिलाफ महज 35 गेंद पर शतक लगा दिया।

आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर

वैभव आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने थे। उन्होंने अब महज 32 गेंद पर शतक लगा दिया है। यह टी-20 में उनकी सबसे तेज सेंचुरी रही। भारत से उर्विल पटेल और अभिषेक शर्मा 28-28 गेंद पर शतक लगा चुके हैं। ऋषभ पंत ने भी 32 गेंद पर शतक लगाया है। वैभव ने अब भारतीय प्लेयर्स में उनकी बराबरी कर ली है। इंटरनेशनल क्रिकेट में एस्टोनिया के साहिल चौहान 27 गेंद पर शतक लगा चुके हैं।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक तीन साल के लिए प्रतिबंधित

यूएसएडीए का डोपिंग के मामले में एक्शन

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार को यूएस एंटी-डोपिंग एजेंसी (यूएसएडीए) ने तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है। उन्होंने इस प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान लिए गए उनके दो आउट-ऑफ-कम्पटीशन नमूनों में प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स की मौजूदगी पाई गई थी।

यूएसएडीए को सूचना मिलने के बाद इसी साल 27 फरवरी को कार्तिक का परीक्षण किया गया। 19 मार्च 2025 को उनका दूसरा परीक्षण हुआ। दोनों नमूने पॉजिटिव पाए गए। यूएसएडीए ने बयान में कहा, 'भारत के सहारनपुर के एथलीट कार्तिक कुमार ने कई प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव परीक्षण के बाद तीन साल के प्रतिबंध को स्वीकार किया है। हम ऐसे महत्वपूर्ण टिप्स के लिए आभारी हैं, जो हमें खेल की निष्पक्षता बनाए रखने में मदद करते हैं।' 26 वर्षीय कार्तिक कुमार ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में 10,000 मीटर में रजत पदक जीता था। कार्तिक का तीन साल का निलंबन 10 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था।

ईशा सिंह ने विश्व चैंपियनशिप में जीता कांस्य

महिला 25 मीटर पिस्टल में हासिल किया पदक

काहिरा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला निशानेबाज ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया। ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में पदक जीता। लेकिन पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर फिर पोडियम फिनिश करने में असफल रहीं। ईशा ने फाइनल में 30 का स्कोर किया और वह चीन के याओ कियानक्सुन (38, रजत पदक) और कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन यांग जिन (40, स्वर्ण) से पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहीं।

ईशा के पदक से भारत ने टूर्नामेंट में 10 ओलंपिक स्पर्धाओं में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए। भारत कुल मिलाकर तीन स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि चीन 10 स्वर्ण पदकों के साथ पहले और कोरिया छह स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

ईशा और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने रैपिड-फायर राउंड में क्रमशः 587 और 586 अंक हासिल करके शीर्ष आठ में जगह बनाई। ईशा ने क्वालिफाइंग में पांचवां, जबकि मनु ने छठा स्थान हासिल किया। राही सरनोबत के 572 अंक भारतीय तिकड़ी के लिए टीम पदक जीतने के लिए काफी नहीं थे जिससे वे 1745 अंक से चौथे स्थान पर रहीं। टीम कांस्य पदक जीतने वाली फ्रांस की टीम से तीन अंक पीछे रही। ईशा का यह इस साल का तीसरा व्यक्तिगत आईएसएसएफ पदक था। इससे पहले उन्होंने विश्व कप चरण में स्वर्ण और रजत पदक जीता था। अब वह दिसंबर में दोहा में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में हिस्सा लेंगी।

जेवलिन में पहली इंटरनेशनल मेडलिस्ट अनु बनेंगी हरियाणवी बहू

रोहतक के किक बॉक्सर साहिल से 18 को शादी; गन्ने से अभ्यास कर ओलिंपिक तक पहुंचीं

पंचकूला, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के मेरठ की इंटरनेशनल जेवलिन थ्रोअर अनु रानी हरियाणवी बहू बनेंगी। 18 नवंबर को रोहतक के साहिल के साथ परिणय सूत्र में बंधेंगी। शादी समारोह में मेहमानों की संख्या सीमित रहेगी। जबकि 19 नवंबर को रोहतक के बैंक्वेट हॉल में रिसेप्शन पार्टी होगी। जिसमें काफी मेहमान आएंगे। इसके लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मंत्रियों और ओलिंपियनों को आमंत्रित किया गया है।

दोनों की स्पोर्ट्स बैकग्राउंड होने की वजह से वर व वधू दोनों पक्षों की मेहमान लिस्ट में खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें रेस वॉक एथलीट ओलिंपियन प्रियंका गोस्वामी व संदीप पूनिया शामिल हैं। स्पोर्ट्स मोटिवेटर राजनारायण पंघाल ने बताया कि उन्हें दोनों परिवारों से निमंत्रण मिला है।

साहिल मूल रूप से रोहतक के सांपला गांव से हैं तथा वर्तमान में रोहतक शहर की जनता कॉलोनी में रहते हैं। साहिल खुद किक बॉक्सर हैं और 4 बार के नेशनल चैंपियन हैं। साहिल ने जुलाई 2025 में छत्तीसगढ़ में नेशनल चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। अनु रानी का खेल में सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा। शुरू में वह चोरी-छिपे खेतों में गन्ने से जेवलिन थ्रो की प्रैक्टिस करती थीं।

साहिल के परिवार का अमेरिका में बिजनेस

साहिल के परिवार का अमेरिका में बिजनेस हैं। जहां उनके वेयर हाउस व गैस स्टेशन हैं, जो फिलहाल उनके भाई संभाल रहे हैं। साहिल के पिता रवि केंद्र सरकार के ईपीएफओ विभाग के कर्मचारी हैं, वहीं उनकी मां मुकेश देवी हाउस वाइफ हैं।

गन्ने का भाला बनाकर फेंकना शुरू किया: मेरठ के बहादुरपुर निवासी अन्नू रानी का जन्म 28 अगस्त 1992 को किसान परिवार में हुआ। शुरू में खेत में ही गन्ने का भाला बनाकर फेंकना शुरू किया। उनके भाई उपेंद्र ने उनकी ताकत को पहचाना और इस खेल में जाने के लिए प्रेरित किया। गांव के माहौल के कारण उनका खेल में जाना कुछ लोगों को खटकता भी था। उनके पिता अमरपाल सिंह ने उन्हें खेलने की इजाजत नहीं थी। चोरी छिपे प्रयास किया और बाद में अपने पिता को भी मनाया।

शुरुआत में ही तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्डः 2014 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर अन्नू रानी ने भाला फेंक में अपने शानदार करियर की शुरुआत की। वह 2019 में पहली बार विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला भाला फेंक के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला थी। अन्नू रानी ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में कांस्य पदक जीता और इस स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भाला फेंक खिलाड़ी बनीं।

अन्नू रानी के लिए असाधारण रहा साल 2023ः 2023 में, अन्नू रानी ने हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और अपने करियर के शिखर पर पहुंच गईं। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित कर दिया। अन्नू रानी 2024 के पेरिस ओलिंपिक के लिए योग्यता के आधार पर क्वालीफाई नहीं कर पाईं, लेकिन रैंकिंग कोटा के माध्यम से उन्हें वहां स्थान मिला।

वेंकटेश अय्यर केकेआर से बाहर: आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे प्लेयर रहे; सैमसन सीएसके का हिस्सा बने, जडेजा-करन आरआर में शामिल

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे प्लेयर वेंकटेश अय्यर को रिलीज कर दिया है। केकेआर ने 11 साल तक टीम का हिस्सा रहे आंद्रे रसेल को भी रिलीज कर दिया। रिलीज किए गए सभी प्लेयर्स की 16 दिसंबर को यूएई के अबु धाबी में होने जा रहे मिनी ऑक्शन में नीलामी होगी।

आईपीएल कमेटी ने शनिवार को रिटेन, रिलीज और ट्रेड लिस्ट जारी की। इसके अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स ने मथीशा पथिराना, डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र को रिलीज किया है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर को पिछले साल मेगा ऑक्शन में 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। जबकि आंद्रे रसेल 12 करोड़ रुपए में रिटेन हुए थे।

तीसरे सबसे महंगे प्लेयर, प्रदर्शन खराब

बैटिंग ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे प्लेयर हैं, लेकिन पिछले सीजन में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। 11 मैचों में उनके नाम 139.22 के स्ट्राइक रेट से महज 142 रन रहे। 2024 की चैंपियन कोलकाता भी पॉइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर रहकर प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।

वेंकटेश मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं, उन पर टीम का रन रेट बढ़ाए रखने की जिम्मेदारी रहती थी। हालांकि, पिछले सीजन वे अपने प्राइस टैग को सही साबित नहीं कर सके।

अंगकृष रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे के कारण टीम उन्हें प्लेइंग-11 में फिट भी नहीं कर पा रही थी। ऐसे में केकेआर उन्हें रिलीज कर कैमरन ग्रीन जैसे ऑलराउंडर को ऑक्शन में खरीदने पर फोकस कर सकती है।

खराब फॉर्म के कारण रिलीज हुए

कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। वे पिछले सीजन 13 मैच में 167 रन ही बना सके। गेंदबाजी में भी वे 8 विकेट ही ले पाए। रसेल आईपीएल में 175 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बैटिंग करते हैं और जरूरत पड़ने पर अपनी टीम को विकेट भी दिलाते हैं।

पिछले सीजन रसेल ज्यादा प्रभावी नहीं रहे। वे 37 साल के भी हो चुके हैं और दुनियाभर की लीग में भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। आउट ऑफ फॉर्म होने के कारण कोलकाता रसेल को रिलीज किया गया है। टीम मिनी ऑक्शन में 26 साल के युवा ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को खरीद सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल को पंजाब किंग्स ने पिछले साल मेगा ऑक्शन में 4.2 करोड़ रुपए में खरीदा था। लेकिन, मैक्सवेल पिछले सीजन में खास प्रदर्शन नहीं कर सके। वे 7 मैचों में महज 48 रन ही बना सके। उनका बेस्ट स्कोर 30 रन रहा है।

खराब फॉर्म के कारण मैक्सवेल को रिलीज किया गया है। टीम उनकी जगह मिनी ऑक्शन में मार्कस स्टोयनिस, आंद्रे रसेल जैसे ऑलराउंडर्स पर जा सकती है।

सैमसन-जडेजा और करन ट्रेड

सुबह आईपीएल ने ट्रेड लिस्ट जारी की थी। इसके अनुसार राजस्थान रॉयल्स ने कप्तान संजू सैमसन को 18 करोड़ रुपए में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड किया। जबकि, सीसके ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और सैम करन को आरआर भेजा था।

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड किया है। वहीं, मुंबई इंडियंस ने अर्जुन तेंदुलकर को एलएसजी के साथ 30 लाख रुपए में ट्रेड किया है। नीतीश राणा हैदराबाद से दिल्ली, डनोवन फरेरा दिल्ली से राजस्थान और मयंक मार्कंडेय कोलकाता नाइट राइडर्स से मुंबई में ट्रेड हुए हैं।

श्रीलंका दूसरे वनडे में 8 विकेट से हारा

पाकिस्तान को सीरीज में 2-0 की बढ़त; बाबर ने दो साल बाद शतक जड़ा

रावलपिंडी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने रावलपिंडी में खेले गए दूसरे वनडे मैच में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 288/8 का स्कोर बनाया। जवाब में पाकिस्तानी टीम ने फखर जमान (78) और बाबर आजम (102*) की पारियों की मदद से 49वें ओवर में लक्ष्य हासिल किया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए बाबर आजम ने दो साल बाद अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया और 102* रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई। उन्होंने 119 गेंदों में 8 चौकों के साथ अपना 20वां ओडीआई शतक पूरा किया। इसी के साथ उन्होंने सईद अनवर के पाकिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा ओडीआई शतक (20) के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।

289 के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान को फखर जमान और सईम अयूब ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी हुई। जमान ने अपने वनडे करियर का18वां अर्धशतक लगाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 93 गेंदों में 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से 78 रन बनाए। उन्होंने बाबर के साथ 100 रन की साझेदारी भी की।

बाद में मोहम्मद रिजवान ने बाबर के साथ 112 रन की नाबाद पार्टनरशिप कर मैच को एकतरफा बना दिया और पाकिस्तान ने 10 गेंद शेष रहते ही मैच जीत लिया। रिजवान ने 51 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए। श्रीलंका के नए गेंदबाज शुरुआत से ही लाइन-लेंथ नहीं बैठा सके। असीथा फर्नांडो ने पावरप्ले में 10 की औसत से रन लुटाए। प्रमोद मदुशन, जो 18 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में लौटे थे, ने शुरुआती दो ओवर में ही 19 रन दे दिए। 8 ओवर में पाकिस्तान 73/0 पर था और मैच लगभग वहीं से एकतरफा हो गया। दुष्मंथा चमीरा ने 10 ओवर में 58 रन देकर 2 विकेट लिए।

श्रीलंका की फील्डिंग और भी खराब रही। फखर जमान को तीन बार आसान कैच का मौका मिला, दो बार लॉन्ग ऑफ पर और एक बार डीप में। बाबर भी 5 रन पर ड्रॉप हुए। इतने मौके छोड़ने के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने आसानी से मैच निकाल लिया।

मंत्री का प्रकृति संरक्षण की दिशा में कार्य करने का आह्वान

वनों की विशिष्टता को दर्शाने वाली 'अरण्यकम' पुस्तक का विमोचन

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने सभी से प्रकृति संरक्षण की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया है। मंत्री सुरेखा ने शनिवार को हैदराबाद स्थित तेलंगाना सचिवालय में वनों की विशेषताओं पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया। वन विभाग के प्रमुख सचिव अहमद नदीम, पीसीसीएफ डॉ. सुवर्णा, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अतिरिक्त पीसीसीएफ सुनीता भागवत, सामाजिक वन अधिकारी रामलिंगम, मुख्य वन संरक्षक प्रियंका वर्गीस, सीसीएफ भीमनायक और अन्य ने विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। पुस्तक विमोचन के बाद, मंत्री सुरेखा ने कहा कि सभी को राज्य में वनों की रक्षा के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने याद दिलाया कि राज्य और देश में पहले कभी नहीं देखे गए रिकॉर्ड तापमान दर्ज किए जा रहे हैं और इससे लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कृष्ण राव ने कहा कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए कुछ करने और एक किताब लिखकर अपने आसपास के लोगों में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता महसूस हुई। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह किताब पेड़ लगाकर ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के इरादे से लिखी है। उन्होंने कहा कि हरे-भरे जंगल ही शहरों और ग्रामीण इलाकों के लोगों को हमेशा हरा-भरा और खुशहाल बना सकते हैं।

मंत्री सुरेखा ने कृष्ण राव को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। इस अवसर पर, पुस्तक के लेखक चेकुरी कृष्ण राव ने कनाडा से ऑनलाइन पुस्तक विमोचन में भाग लिया। लेखक ने बताया कि इस पुस्तक के लेखन में पीसीसीएफ डॉ. सुवर्णा का भी योगदान था। उन्होंने याद किया कि पुस्तक छपने तक उन्होंने उन्हें कई तरह की मदद प्रदान की थी। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने टिप्पणी की कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका में वन विभाग में भी नियुक्त हुए थे और कई वर्षों तक सेवा की थी।

उन्होंने बताया कि वे वर्तमान में कनाडा सरकार में सेवारत हैं। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में मुख्य रूप से जलवायु चुनौतियों- हरित तरीकों पर चर्चा की गई है। क्या आप जानते हैं कि भविष्य में पृथ्वी कितनी गर्म होगी? उन्होंने कहा कि उन्होंने इस पुस्तक में जलवायु न्याय, प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण, जैव विविधता संरक्षण, प्रकृति-आधारित समाधान, नवीनतम तकनीकी रुझान, सोशल मीडिया पर प्रकृति की कहानियों और अन्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी है। इस दौरान, मंत्री सुरेखा ने लेखक कृष्ण राव और पीसीसीएफ डॉ. सुवर्णा के प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की।

कुशल एटीसी संचालन के लिए अनुशासन का पालन जरूरी : विवेक

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमसीआरएचआरडी में एक समीक्षा बैठक के दौरान, श्रम मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने उन्नत प्रशिक्षण केंद्रों (एटीसी) के संचालन में अनुशासन स्थापित करने के महत्व पर ज़ोर दिया। अपने संबोधन में, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण को प्राथमिकता देना विभाग का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि सभी प्रधानाचार्य और प्रशिक्षक वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए पूरी लगन से समर्पित हों। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी और अधिकारियों को छात्रों में अनुशासन बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. वेंकटस्वामी ने कहा कि एटीसी के माध्यम से हजारों व्यक्तियों को सफलतापूर्वक रोजगार योग्य बनाना सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इस पहल को महत्वपूर्ण बताया और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरे संस्थान के प्रभावी सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

हैदराबाद मेट्रो रेल का गूगल मैप्स पर रियल-टाइम मेट्रो शेड्यूल लॉन्च : मंत्री

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा शहर का पूरा ट्रांजिट डेटासेट एक खुले, मानकीकृत प्रारूप में जारी किए जाने के बाद, हैदराबाद मेट्रो रेल का रियल-टाइम शेड्यूल अब गूगल मैप्स पर लाइव है।

मंत्री ने कहा कि ओपन डेटा तेलंगाना पोर्टल, हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड के साथ मिलकर, सभी तीन मेट्रो कॉरिडोर, 118 स्टेशनों और हर हफ्ते 6,958 निर्धारित यात्राओं को कवर करते हुए संपूर्ण जनरनल ट्रांजिट फीड स्पेसिफिकेशन (जीटीएफएस) डेटासेट प्रकाशित कर चुका है। उन्होंने बताया कि विश्व स्तर पर स्वीकृत जीटीएफएस मानक, गूगल मैप्स और अन्य नेविगेशन ऐप्स के साथ शेड्यूल में बदलाव या देरी को स्वचालित रूप से सिंक करने में सक्षम बनाता है, जिससे यात्रियों को ट्रेन के आगमन की लाइव जानकारी, रूट विकल्प और स्टेशन की जानकारी मिलती है। श्रीधर बाबू ने कहा, यह शहरी गतिशीलता और यात्रियों की सुविधा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। उन्होंने आगे कहा कि यह खुला डेटासेट डेवलपर्स को उन्नत यात्रा-नियोजन उपकरण और सुगम्यता अनुप्रयोग बनाने में भी मदद करेगा। उन्होंने बताया कि ग्रेटर हैदराबाद जोन में टीएसआरटीसी बसों के लिए एक समान जीटीएफएस डेटासेट, जिसमें 50,807 साप्ताहिक यात्राएं और 5,920 स्टॉप हैं, लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही जारी किया जाएगा। प्रकाशित होने के बाद, यह एक ही प्लेटफॉर्म पर मेट्रो और बस यात्रा की एकीकृत योजना बनाने में सक्षम होगा, जिससे पहले और आखिरी मील की कनेक्टिविटी में सुधार होगा। मंत्री ने कहा कि यह पहल परिवहन के लिए डेटा-संचालित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा बनाने के तेलंगाना के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। हैदराबाद मेट्रो, जो दिल्ली के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है, वर्तमान में लगभग 69 किलोमीटर लंबे तीन कॉरिडोर संचालित करता है।

सीईओ ने एसआईआर प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने शनिवार को तेलंगाना के सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों (एईआरओ) के साथ एक राज्यव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसका उद्देश्य चल रहे प्रारंभिक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति की निगरानी और लंबित चुनावी मुद्दों का समाधान करना था। रेड्डी ने मतदाता सूची अद्यतनीकरण, दावों और आपत्तियों के निपटान और क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करने के निर्देश दिए, जिसमें सटीक डेटा प्रविष्टि, शीघ्र क्षेत्रीय सत्यापन और त्रुटि-रहित समेकन पर ज़ोर दिया गया।

सीईओ ने अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और प्रारंभिक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति के साथ उच्च स्तर की तत्परता बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक विश्वसनीय और अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक चरण का समय पर पूरा होना आवश्यक है। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरि सिंह भी उपस्थित थे।

रोटावेटर में गिरने से युवक की मौत

खम्मम, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वायरा मंडल के पुण्यपुरम गांव में शनिवार को ट्रैक्टर पर बैठा एक युवक रोटावेटर में गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चिर्रा हरीश (24) के रूप में हुई है, जो ट्रैक्टर चालक वी. अप्पा राव के साथ ट्रैक्टर चलाना सीखने खेत गया था।

जानकारी के अनुसार, अप्पा राव ट्रैक्टर चला रहे थे और हरीश पीछे टायर के मडगार्ड पर बैठा था। खेत में गाड़ी मोड़ते समय हरीश अचानक संतुलन खोकर ट्रैक्टर से जुड़े रोटावेटर में गिर गया और मशीन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर उपनिरीक्षक पुष्पल रामा राव मौके पर पहुंचे, मामला दर्ज किया और जांच जारी है।

गुणवत्तापूर्ण बीज मत्स्य पालन के विकास को बढ़ावा देते हैं : श्रीहरि

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन और युवा सेवा मंत्री वक्ति श्रीहरि ने घोषणा की कि राज्य सरकार तालाबों और विभिन्न जलाशयों में गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत, इस वर्ष पूरे तेलंगाना में 26,000 तालाबों में 84 करोड़ मत्स्य पौधे और 10 करोड़ झींगा पौधे वितरित किए जाने हैं। मंत्री श्रीहरि ने शनिवार को सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में स्थित येल्लम्मा झील में 5.17 लाख रुपये मूल्य के 3 लाख मत्स्य बीज छोड़े। मंत्री ने बताया कि येल्लम्मा तालाब में वितरित किए गए निःशुल्क मत्स्य पौधों से लगभग 253 मछुआरा परिवार लाभान्वित होंगे, और हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र के 165 तालाबों में लगभग 38.92 लाख पौधे वितरित करने की योजना है। इस पहल से क्षेत्र के 4,144 मछुआरा परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार मछुआरों को निःशुल्क मछली के पौधे वितरित करके और मत्स्य पालन क्षेत्र को राज्य की अर्थव्यवस्था के एक अनिवार्य घटक के रूप में स्थापित करके उनके आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से निर्वाचन क्षेत्र में महिला समूहों के लिए तीन मोबाइल मछली खुदरा इकाइयां पहले ही स्थापित की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, किसी मछुआरे की आकस्मिक मृत्यु होने पर, उनके परिवारों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 5 लाख रुपये की समूह दुर्घटना बीमा पॉलिसी प्रदान की जाती है। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री वक्ति श्रीहरि से हुस्नाबाद में एक नए पशु चिकित्सालय भवन के निर्माण को प्राथमिकता देने, एक आधुनिक पशु चिकित्सा सुविधा विकसित करने, एक अत्याधुनिक मछली बाजार के चल रहे निर्माण को पूरा करने, एक पशु चिकित्सक का पद आवंटित करने और गोपाल मित्रा की चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया। पोन्नम प्रभाकर के अनुरोध पर, मंत्री वक्ति श्रीहरि ने हुस्नाबाद पशु चिकित्सालय के आधुनिकीकरण, एक मछली बाजार, भंडारण केंद्र और दूध शीतलन केंद्र स्थापित करने का वादा किया। वक्ति श्रीहरि ने कहा कि राज्य में 5 लाख मछुआरा परिवार मत्स्य पालन पर निर्भर हैं और उनके विकास के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मत्स्य उत्पादन केंद्रों में उल्लेखनीय वृद्धि कर उन्हें अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति करने की योजनाएँ तैयार की जा रही हैं।

आईबोम्मा पायरेसी वेबसाइट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

फ्रांस से लौटते ही साइबराबाद पुलिस ने दबोचा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने आईबोम्मा पायरेसी वेबसाइट मामले में मुख्य आरोपी इम्माधि रवि को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि रवि आईबोम्मा वेबसाइट के जरिए पायरेटेड तेलुगु फिल्में और ओटीटी सामग्री अपलोड करवाने और फैलाने का काम करता था। तेलुगु फिल्म उद्योग की शिकायत पर सितंबर में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शुक्रवार रात रवि जैसे ही फ्रांस से आरजीआई हवाई अड्डे पर उतरा, पुलिस ने उसे पकड़ लिया और आगे की कार्रवाई के लिए कुकटपल्ली पुलिस को सौंप दिया। जांच में सामने आया कि वह कैरिबियाई द्वीपों से वेबसाइट चला रहा था। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि वेबसाइट पर फिल्मों को रिलीज के दिन ही डाल दिया जाता था, जिससे उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान होता था।

तेलुगु फिल्म एंटी-पायरेसी टीम और कई निर्माताओं ने पहले भी आईबोम्मा के खिलाफ शिकायतें की थीं। सितंबर में साइबर अपराध पुलिस ने आईबोम्मा, बप्पम और उनकी 65 मिरर साइटों पर अवैध रूप से फिल्में अपलोड करने और फैलाने के आरोप में केस दर्ज किया था।

राहुल गांधी ने तेलंगाना के नेताओं से मुलाकात की

नई दिल्ली, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और जुबली हिल्स के नवनिर्वाचित विधायक नवीन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल गांधी ने नवीन यादव को उनकी जीत पर बधाई दी और तेलंगाना कांग्रेस नेतृत्व के सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल उत्कृष्टता पुरस्कार 2025, नामांकन 5 दिसंबर तक खुले

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राजभवन ने "राज्यपाल उत्कृष्टता पुरस्कार 2025" के लिए चार श्रेणियों- महिला सशक्तिकरण, आदिवासी विकास, ग्रामीण स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परोपकार, और कॉर्पोरेट स्वयंसेवा- में नामांकन आमंत्रित किए हैं। 2020 से अब तक किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 5 दिसंबर शाम 5 बजे तक है। नामांकन पत्र राजभवन की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। नामांकन ऑनलाइन या राज्यपाल के प्रधान सचिव, राजभवन, सोमाजीगुडा को ऑफलाइन भेजे जा सकते हैं। अधिक जानकारी या प्रश्नों के लिए, राजभवन के संपर्क अधिकारी, बी. लौरडू राजू से मोबाइल: 9100866066 पर संपर्क करें या li-aisonaofficer-rbhyd@telangana.gov.in पर ईमेल भेजें। पुरस्कार विजेताओं को राज्यपाल द्वारा गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2026 को सम्मानित किया जाएगा।

तेलंगाना उच्च न्यायालय की वेबसाइट हैक, पुलिस ने जांच शुरू की

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट हैक कर ली गई, जिससे पीडीएफ प्रारूप में उपलब्ध आदेशों और प्रशासनिक अधिसूचनाओं सहित अदालती दस्तावेज़ों तक पहुंचने में बाधा उत्पन्न हुई। यह घटना तब सामने आई जब उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ने पुलिस को सूचित किया कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा होस्ट की गई वेबसाइट (tshc.gov.in) पर कई पीडीएफ दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की गई है। रजिस्ट्रार के अनुसार, 11 नवंबर, 2025 की सुबह, पीडीएफ फाइलें खोलने का प्रयास करने वाले उपयोगकर्ताओं को अप्रत्याशित रूप से 'बीडीजी स्लॉट' नामक एक ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी साइट पर भेज दिया गया, जो साइट की सामग्री में अनधिकृत पहुंच और हेरफेर का संकेत देता है। रजिस्ट्रार ने कहा कि आधिकारिक दस्तावेज़ों में छेड़छाड़ से न केवल न्यायिक जानकारी तक पहुंच बाधित हुई, बल्कि यह एक साइबर अपराध भी है जिससे उच्च न्यायालय की प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। शिकायत के बाद, हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और तेलंगाना गेमिंग अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अपराधियों की पहचान के लिए औपचारिक जांच चल रही है।

टीटीडी अध्यक्ष ने भारतीय क्रिकेटर श्री चरणी को सम्मानित किया

तिरुमला, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी.आर. नायुडू ने आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की भारतीय महिला क्रिकेटर श्री चरणी को सम्मानित किया, जिन्होंने हाल ही में हुए आईसीसी महिला विश्व कप की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करने के बाद, श्री चरणी ने शनिवार को तिरुमाला स्थित कैंप कार्यालय में टीटीडी अध्यक्ष से मुलाकात की। इस अवसर पर, अध्यक्ष ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और श्रीवारी तीर्थ प्रसादम भेंट किया। उन्होंने शुभकामनाएं दीं कि श्री वेंकटेश्वर स्वामी के आशीर्वाद से, वह भविष्य में अपने क्रिकेट करियर में और भी ऊंचाइयां छूती रहेंगी। टीटीडी बोर्ड के सदस्य श्री भानु प्रकाश रेड्डी भी उपस्थित थे।

तेलंगाना के कई हिस्सों में बढ़ी सर्दी

11 स्थानों पर तापमान एक अंक में दर्ज

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नवंबर की सर्दी बढ़ गई है और शनिवार को राज्य के 11 स्थानों पर न्यूनतम तापमान एक अंक में दर्ज किया गया। संगारेड्डी और विकाराबाद जिलों के कोहिर और यालाल मंडलों में सबसे कम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

सिरपुर में 8.4, बिबिपेट और बजरहथनूर में 8.6, अकबरपेट-भूमपल्ली में 8.9, रुद्रांगी में 9.0, रामायमपेट में 9.6, सेरिलिंगमपल्ली में 9.8, जबकि सारंगापुर और वर्णी में 9.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। संगारेड्डी जिले में औसत न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कामारेड्डी जिले में सामान्य से 6.1 डिग्री सेल्सियस कम तापमान दर्ज हुआ और न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, सबसे कम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस कोहिर में रिकॉर्ड किया गया। जीएचएमसी क्षेत्र में हैदराबाद विश्वविद्यालय में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। भारतीय मौसम विभाग ने अपनी 14 नवंबर की रिपोर्ट में बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है।

दमरे महिला कल्याण संगठन ने बाल दिवस मनाया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंडल के दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा प्रायोजित 'टिनी टॉट्स नर्सरी स्कूल (अंग्रेजी माध्यम)' में 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और बच्चों के प्रिय मित्र पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में बड़े उत्साह और उत्सवी भावना के साथ बाल दिवस समारोह मनाया गया। इस समारोह को और भव्य बनाने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन/हैदराबाद मंडल की अध्यक्ष आशा वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और बच्चों के लिए 'प्ले जंक्शन' का उद्घाटन किया।

उनकी मुख्य टीम में उपाध्यक्ष डी.वाई. सुनीता, संयुक्त सचिव एम. अनीता, सदस्य श्रीमती के. रानी, सदस्य के. भाग्यम, प्रधानाचार्य डी. श्रीवाणी और शिक्षिकाएं शामिल थीं। रंग-बिरंगी सजावट, मधुर संगीत और ठहाकों से स्कूल परिसर जीवंत हो उठा जब नन्हे-मुन्ने बच्चों ने कई रोचक और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया।

समारोह की शुरूआत एक विशेष सभा से हुई, जहां शिक्षकों ने बाल दिवस के महत्व और पंडित नेहरू के नन्हे-मुन्ने मन के प्रति गहरे लगाव के बारे में बताया। इसके बाद सभी बच्चों की खुशी और कल्याण के लिए हार्दिक प्रार्थना की गई। नन्हे-मुन्ने और किंडरगार्टन के बच्चों ने कई तरह के मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस अवसर पर बोलते हुए आशा वर्मा ने कहा कि बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि हर बच्चा संभावनाओं का भंडार है। नन्हे-मुन्ने नर्सरी स्कूल में, हम उनकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और मासूमियत का जश्न मनाते हैं। आज का कार्यक्रम उनकी खुशी और उनके भविष्य के प्रति एक श्रद्धांजलि था। प्रत्येक बच्चे को एक विशेष उपहार और जलपान दिया गया, जिससे समारोह का समापन एक यादगार और आनंदमय तरीके से हुआ।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.